केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

बुधवार

12 जून 2024

आपकी आवाज

लालू ने जन्मदिन पर काटा 77 पाउंड का केक, आवास पर बधाई देने वालों का लगा तांता

2

चार लोगों के परिजनों को 50-50 लाख मुआवजा देगी राज्य सरकार

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में गई थी जान

एजेंसी/जयपुर

जम्मू-कश्मीर में हुई आतंकी घटना में मारे गए राजस्थान के जयपुर निवासी 4 लोगों की मौत हो गई थी। जिनका शव मंगलवार को जयपुर पहुंचते ही लोगों ने धरना शुरू कर दिया। जयपुर में मुरलीपुरा और चौमूं थाने के बाहर हजारों की तादात में नारेबाजी करने लगे। लोग मृतक के परिजन को सरकारी नौकरी और एक-एक करोड़ रुपए मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। धरने के दौरान काफी संख्या में परिजनों ने थाने का घेराव किया था जिसमें वार्ता के बाद सहमति बनी। चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि परिजनों को 50 लाख का आर्थिक मुआवजा, इसके साथ ही दो सदस्यों को संविदा पर नौकरी और परिवार के लिए एक डेयरी बूथ सरकार की तरफ से दिया जाएगा। सहमति के बाद परिजन शव लेकर घर के लिए रवाना हो गए।

देवघर जा रही तेज रफ्तार कार पलटी, पटना के तीन युवकों की मौत

- जमुई जिले के चकाई-देवघर मुख्य मार्ग के अंडीडीह मोड़ के पास हुआ भीषण हादसा
- तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे रखे ईंट के ढेर से टकरा गई

केटी न्यूज/पटना

बिहार के जमुई में एक भीषण सड़क हादसे में देवघर जा रहे 3 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पटना की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे रखे ईंट के ढेर से टकरा गई। बताया जा रहा है कि टक्कर होते ही कार में सवार तीनों युवक बुरी तरह चोटिल हो गए। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान गोरेलाल यादव, अमन कुमार और संतोष कुमार यादव के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, यह भीषण दुर्घटना चकाई-देवघर मुख्य मार्ग के अंडीडीह मोड़ के पास घटी है। बताया जा रहा है कि हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद चंद्रमंडी पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। जानकारी मिली है कि देर रात को तीनों युवक पटना से देवघर जा रहे थे। इसी दौरान अंडीडीह गांव के पास कार चला रहे युवक को नींद आ गई, जिससे तेज रफ्तार कार सड़क किनारे रखे ईंट से टकराते हुए पलट गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि कार की रफ्तार काफी तेज थी।

जेसीबी और गैस कटर की मदद से निकाले गए युवक

चश्मदीद ने बताया कि सड़क किनारे ईंट रखी हुई थी जिससे कार की टक्कर हुई और तीनों युवक कार में ही फंस गए। इस घटना की सूचना ग्रामीणों ने चंद्रमंडी थाने को दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जेसीबी और गैस कटर की मदद से गाड़ी में फंसे तीनों युवकों को बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें स्थानीय रेफरल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चंद्रमंडी थाने के पुलिस अधिकारी लक्ष्मण कुमार ने बताया कि युवक पटना के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को दे दी गई है

सीएम योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया फैसला

उप्र में नई स्थानांतरण नीति को मंजूरी

- जनपद में तीन वर्ष और मंडल में सात वर्ष पूर्ण कर चुके समूह क और ख के अधिकारियों का हो सकेगा स्थानांतरण
- नीति के अनुसार समूह ग और घ में सबसे पुराने अधिकारियों का पहले किया जाएगा स्थानांतरण
- समूह क और ख के स्थानांतरण के लिए अधिकतम 20 प्रतिशत तो समूह ग और घ के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत सीमा निर्धारित

केटी न्यूज/लखनऊ

योगी सरकार ने मंगलवार को 2024-25 के लिए नई स्थानांतरण नीति को मंजूरी दे दी है। इस नीति के तहत समूह क और ख के उन अधिकारियों का स्थानांतरण किया जा सकेगा, जिन्होंने जनपद में 3 वर्ष और मंडल में 7 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। वहीं समूह ग और घ में सबसे पुराने अधिकारियों का स्थानांतरण किया जाएगा। समूह क और ख के अधिकारियों के स्थानांतरण के लिए अधिकतम 20 प्रतिशत तो वहीं समूह ग और घ के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत की सीमा रखी गई है। इस स्थानांतरण नीति के तहत सभी स्थानांतरण आगामी 30 जून तक किए जाने हैं। मंगलवार को सीएम योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक कुल 42 प्रस्ताव रखे गए, जिनमें 41 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

सीमा से अधिक स्थानांतरण के लिए लेनी होगी मंजूरी

कैबिनेट बैठक में पारित प्रस्तावों के विषय में जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कैबिनेट ने स्थानांतरण नीति 2024-25 को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस नीति में पिछले वर्ष की नीति के प्राविधानों का अनुसरण किया गया है। इसके तहत समूह क और ख के वो अधिकारी जिन्होंने अपने सेवाकाल में मंडल में 7 वर्ष और जनपद में 3 वर्ष पूरे कर लिए हों वो स्थानांतरण नीति के अंतर्गत आएंगे। इसके साथ ही समूह क और ख में स्थानांतरण संवर्ग वार अधिकारियों की संख्या अधिकतम 20 प्रतिशत होगी और समूह ग और घ के लिए अधिकतम सीमा 10 प्रतिशत रखी गई है। उन्होंने बताया कि समूह ग और घ के लिए जो व्यवस्था की गई है उसके अनुसार सबसे पुराने अधिकारियों का पहले स्थानांतरण किया जाएगा। यदि 10 प्रतिशत से ऊपर स्थानांतरण करना होगा तो इसके लिए मंत्री जी की अनुमति आवश्यक होगी। वहीं, यदि समूह क और ख में 20 प्रतिशत से अधिक स्थानांतरण करने की आवश्यकता होगी तो उसकी अनुमति मुख्यमंत्री से लेना आवश्यक होगा।

मानव संपदा के माध्यम से डिजिटाइज होगा स्थानांतरण

समूह ग और घ में स्थानांतरण मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से पूर्ण किया जाएगा। मानव संपदा की जो व्यवस्था शुरू की गई है उसके अंतर्गत स्थानांतरण के बाद कार्यभार मुक्ति और ग्रहण करने की व्यवस्था ऑनलाइन ही की जा सकेगी। इससे अधिकारियों की सर्विस बुक और सैलरी को डिजिटाइज किया जा सकेगा। प्रदेश के 8 आकांक्षी जिलों व 34 जिलों के 100 आकांक्षी विकासखंडों के लिए पहले से जो व्यवस्था चली आ रही है, उसके अंतर्गत वहां रिक्त पड़े पदों को भरने की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

एक दिन पूर्व रिटायर होने वाले को मिलेगा वेतन वृद्धि का लाभ

अब 30 जून और 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले सरकारी कर्मचारियों को एक जुलाई और एक जनवरी से प्रस्तावित वेतन वृद्धि का लाभ मिल सकेगा। अभी तक जो व्यवस्था थी उसके अनुसार 30 जून और 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक जुलाई या एक जनवरी को प्रस्तावित वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिल पाता था। हालांकि अब कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दे दी है। इससे कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ उनकी पेंशन और ग्रेच्युटी में मिल सकेगा।

विश्वविद्यालयों के नामों में संशोधन, दो निजी विवि को एलओआई का प्रस्ताव

योगी सरकार ने प्रदेश के 5 विश्वविद्यालयों के नामों में भी मामूली संशोधन किया है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार इन विश्वविद्यालयों के नाम से राज्य शब्द को हटाया गया है। महाराज सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ का नाम अब महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ होगा। इसी तरह मां शाकुम्भरी देवी राज्य विश्वविद्यालय सहारनपुर, मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय मीरजापुर, मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय बलरामपुर से भी राज्य शब्द को हटाने को मंजूरी दी गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद का नाम गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद करने का निर्णय लिया गया है। मान्यता है कि 493 वर्ष पहले जंबेश्वर भगवान मुरादाबाद के लोदीपुर विशनपुर में राजस्थान से आए थे। यहां इनका भव्य मंदिर है और धाम है। खासकर विश्नोई समाज के लोगों की इनके प्रति विशेष आस्था है। वहीं प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि प्रदेश के छात्र अपने ही प्रदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकें। इसके लिए सरकारी विश्वविद्यालयों के साथ ही प्राइवेट विश्वविद्यालय को भी प्रमोट किया जा रहा है। इसी क्रम में दो नए निजी विश्वविद्यालयों को लेटर ऑफ इंटेंट देने का प्रस्ताव पारित हुआ है। इसमें एचआरआईटी गाजियाबाद और दूसरा फ्यूचर विश्वविद्यालय बरेली है। इन दोनों ने अपने सभी मानक पूरे कर लिए हैं।

त्रिपुरा में मां ने नौ साल के बेटे की गला घोंट हत्या कर दी

अगरतला। त्रिपुरा में एक महिला ने कथित तौर पर अपने नौ साल के बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी क्योंकि वह उसके दुर्व्यवहार से परेशान थी और उसे संभाल नहीं पा रही थी। यह दुखद मामला अगरतला के जॉयनगर का है। आरोपी महिला सुप्रभा बल ने अपना अपराध कबूल कर लिया है और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करने वाली सुप्रभा बल ने कहा कि उसका पति लापता है और उसकी बेटी की शादी हो चुकी है, इसलिए उसे अपने बेटे को अकेले ही पालना पड़ रहा था। उसने पुलिस को यह भी बताया कि वह अपने बेटे राजदीप के लगातार दुर्व्यवहार से परेशान थी। वो पैसे चुराता था और पढ़ाई सही से नहीं कर रहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट की काउंसलिंग पर रोक लगाने से किया इनकार

एजेंसी/नई दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत ने नीट यूजी 2024 की काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सोमवार को नीट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने ये माना कि नीट यूजी परीक्षा परिणाम प्रभावित जरूर हुआ है और इसको लेकर एनटीए को जवाब भी देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस संदर्भ में एनटीए और सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने 8 जुलाई को अगली सुनवाई का समय निर्धारित किया है।

शीर्ष अदालत ने 10 उम्मीदवारों की ओर से नीट परीक्षा को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि हम यह मान रहे हैं कि परीक्षा परिणाम प्रभावित हुए हैं और इसको लेकर एनटीए और सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जा रहा है, लेकिन परीक्षा को रद्द नहीं किया जाएगा और ना ही काउंसलिंग पर रोक लगाई जाएगी। जस्टिस विक्रम नाथ और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की स्पेशल बेंच ने काउंसलिंग पर रोक लगाने और परीक्षा को रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया। बता दें कि नीट यूजी परीक्षा 5 मई को आयोजित हुई थी जिसका रिजल्ट 4 जून को जारी हुआ। रिजल्ट को लेकर शिकायतें तब आई जब 67 स्टूडेंट्स ने इस परीक्षा को टॉप किया। पिछले 2-3 साल में 3-4 स्टूडेंट्स ही परीक्षा को टॉप कर पाए हैं, लेकिन इस बार टॉपर्स की संख्या ने एग्जाम में गड़बड़ी की ओर इशारा किया।

मोहन चरण मांझी होंगे ओडिशा के सीएम

एजेंसी/नई दिल्ली

ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने मोहन मांझी को विधायक दल का नेता चुन लिया है। मोहन मांझी बुधवार को सीएम पद की शपथ लेंगे। उनके साथ केवी सिंह देव और प्रवती परिदा भी शपथ लेंगे। ये दोनों राज्य के डिप्टी सीएम होंगे। ओडिशा में बुधवार को पहली बार बीजेपी सरकार बनाने जा रही है। मोहन चरण मांझी ओडिशा की क्योंझर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। उन्होंने इस सीट पर बीजू जनता दल की मीना मांझी को हराया। मोहन चरण मांझी को 87,815 वोट मिले जबकि मीना मांझी को 76,238 वोट हासिल हुए और मोहन मांझी ने 11,577 वोटों से जीत दर्ज की। मोहन चरण मांझी चार बार के विधायक हैं। वह आदिवासी समुदाय से आते हैं। भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता और देश के डिफेंस मंत्री राजनाथ सिंह और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में मोहन चरण मांझी को विधायक दल का नेता चुना गया।

बीजेपी ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में राज्य की 147 सीटों में से 78 पर जीत दर्ज की थी। बुधवार को भुवनेश्वर में होने वाले शपथ कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी सहित बीजेपी के कई सीनियर नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

पीएम का आग्रह... सोशल मीडिया से मोदी का परिवार लिखा हटा लें

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद लगातार तीसरी बार केंद्र में अब एनडीए की सरकार है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर अपने नाम के आगे 'मोदी का परिवार' लिखने वाले समर्थकों का आभार जताया है और साथ ही उनसे अब इसे हटाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, चुनावी अभियान के दौरान देशभर के लोगों ने मेरे प्रति स्नेह जताते हुए अपने सोशल मीडिया हैंडल पर 'मोदी का परिवार' जोड़ा। इससे मुझे बहुत ताकत मिली। भारत की जनता ने एनडीए को लगातार तीसरी बार बहुमत दिया है, जो एक तरह का रिकॉर्ड है और हमें अपने देश की भलाई के लिए काम करते रहने का जनादेश दिया है। उन्होंने कहा, हम सभी के एक परिवार होने का संदेश दिए जाने के बाद मैं एक बार फिर लोगों को धन्यवाद देता हूं और आग्रह करता हूं कि अब आप अपने सोशल मीडिया अकाउंट से 'मोदी का परिवार' हटा दें।

वाराणसी से हारते-हारते बचे हैं पीएम मोदी: राहुल

एजेंसी/नई दिल्ली

राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। वहां वह रायबरेली और अमेठी की जनता को धन्यवाद देने के लिए गए थे। अपने भाषण में राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी से कैसे भी जान बचाकर भागकर आए हैं। वो वहां से हारते-हारते बचे हैं। मैं अपनी बहन से कहता रहा हूं कि यदि वह वहां से लड़ जाती तो पीएम दो ढाई लाख वोटो से हार जाते। फैजाबाद सीट पर भाजपा के हारने पर राहुल गांधी ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि ये अध्योध्या की सीट हार गए हैं। इसके मतलब साफ हैं। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में अरबपति लोग बुलाए गए, पूरा बॉलीवुड आया। अंबानी और अडानी आए लेकिन एक गरीब व्यक्ति को वहां आमंत्रित नहीं किया गया। इसके जवाब उस क्षेत्र की जनता ने दिया है। जनता ने अपना महत्व बताया है। राहुल गांधी ने कहा कि आपने देखा होगा कि इस बार मोदी ने संविधान को हाथों से उठाकर माथे पर लगाया है। आपने अपनी ताकत का एहसास उन्हें करा दिया है। यह इशारा दे दिया है कि वह संविधान को जरा सा भी छुएंगे तो जनता उनके साथ क्या करेगी।

राहुल गांधी ने यह बात इसलिए कही क्योंकि इस बार पीएम मोदी के जीतने का अंतर पिछले दो चुनावों की तुलना में काफी कम हो गया। पीएम मोदी वाराणसी सीट से करीब डेढ़ लाख वोटों से जीते हैं।

अरुणाचल प्रदेश में चीन की गतिविधियों का जवाब उसी की भाषा में देने का फैसला

भारत सरकार तिब्बत के 30 स्थानों के नाम बदलेगी

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में तीसरी बार हाल ही में एनडीए की सरकार बनी है। शपथ ग्रहण के बाद से ही मोदी सरकार लगातार बड़े फैसले ले रही है और नया फैसला तिब्बत को लेकर हुआ है। सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में चीन की गतिविधियों का जवाब उसी की भाषा में देते हुए तिब्बत के 30 स्थानों का नाम बदलने का फैसला किया है। विदेश मंत्रालय का कार्यभार एक बार फिर संभालने के बाद एस जयशंकर ने कहा है कि उनका ध्यान चीन के साथ सीमा विवाद को सुलझाने पर है।

दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत सरकार तिब्बत में 30 स्थानों के नाम पर बदलने के मामले में अपनी स्वीकृति दी है। ये नाम ऐतिहासिक रिसर्च और तिब्बत क्षेत्र के आधार पर रखे जाएंगे। जानकारी के मुताबिक ये सारे नाम भारतीय सेना द्वारा ही जारी किए जाएंगे और एलएसी के मैप पर इन सभी नामों को अपडेट किया जाएगी। मोदी सरकार के इस कदम की टाइमिंग पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि चीन ने अप्रैल में ही अरुणाचल प्रदेश के 30 नामों को बदला था, जिसका उस दौरान भारत ने कड़ा विरोध किया था। रिपोर्ट के मुताबिक नामों की लिस्ट में 11 रिहायशी, 12 पहाड़, 4 नदियां, 1 झील, 1 पहाड़ी, और 1 जमीन का टुकड़ा शामिल है। चीन की तरफ से बार-बार ये दावा किए जाने के लिए बावजूद भारत यह साफ कहता रहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है। बता दें कि आज ही मोदी सरकार के मत्रिमंडल ने एक बार फिर कामान संभाल ली है। कार्यभार संभालने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत चीन के सात सीमा पर शेष मुद्दों को हल करने के प्रयास कर रहा है।

चार साल से जारी है तनाव

गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय से जारी सीमा विवाद के कारण दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में तनाव की स्थिति है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान से प्रायोजित आतंकवाद का जिक्र भी किया और कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे।

लालू ने जन्मदिन पर काटा 77 पाउंड का केक, आवास पर बधाई देने वालों का लगा तांता

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव 77वां जन्मदिन मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। हालांकि परिवार संग उन्होंने सोमवार की देर रात ही अपना जन्मदिन मना खुशियां बांट ली। मध्य रात्रि पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजप्रताप और तेजस्वी यादव, रोहिणी आचार्य के साथ लालू प्रसाद ने केक काटा। वहीं मंगलवार को राजद कार्यालय में लालू के बर्थडे पर केक काटा गया। उनके समर्थकों ने 77 पाउंड के केक का आर्डर दिया था। दरअसल, लालू प्रसाद के 77वें जन्मदिन को आरजेडी समारोहपूर्व मना रही है।

आरजेडी प्रदेश कार्यालय में लालू के जन्मदिन को लेकर भव्य तैयारी की गई थी। 10 सर्कुलर रोड राबड़ी आवास और आरजेडी दफ्तर के बाहर जन्मदिन को लेकर बड़े बड़े पोस्टर लगाए गए थे। सुबह से ही कार्यकर्ता और पार्टी के नेताओं का केक और मिठाई लेकर राबड़ी आवास पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

गठबंधन के नेता भी बधाई देने के लिए पहुंचते रहे। इस मौके पर आरजेडी कार्यकर्ता 77 पाउंड का केक लेकर राबड़ी आवास पहुंचे, जहां लालू प्रसाद ने पत्नी राबड़ी देवी और रोहिणी आचार्य समेत पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं के साथ 77वें जन्मदिन का केक काटा और कार्यकताओं को अपने हाथ से केक खिलाया।

जन्मदिन की बधाई देते हुए रोहिणी आचार्य ने लिखा कि आप जैसे विराट व्यक्तित्व की बेटी होना मेरा सौभाग्य है, बचपन से ही आपने मुझे जीवन को जीने, इंसानियत, प्यार, त्याग और मेहनत का सच्चा मतलब सिखाया है। आपको जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। इधर, राजद समर्थकों ने सड़कों पर जमकर डांस किया।

खबरें फटाफट

शिक्षकों ने प्रशिक्षण नहीं लिया, तो रुकेगी वेतन वृद्धि

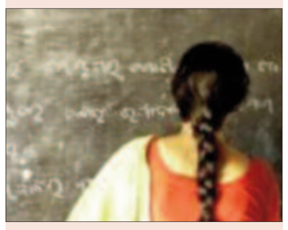

पटना। बिहार के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया है। इसे लेकर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ ने एक आदेश पत्र जारी कर दिया है। इस पत्र में उन्होंने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी, समग्र एवं स्थापना के जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को दो टूक आदेश दिया है कि जो शिक्षक ट्रेनिंग में नहीं जाएंगे उनकी वेतन वृद्धि रोक दी जाएगी। डॉ. एस सिद्धार्थ की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जिन शिक्षकों ने 3 जुलाई 2023 से अभी तक किसी भी स्तर का प्रशिक्षण नहीं लिया है, उन्हें चिन्हित कर उनका प्रशिक्षण 30 जून तक पूरा करा लिया जाए। अन्यथा ऐसे सभी शिक्षकों की वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए गए हैं. यह रोक उनके प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद निर्धारित तिथि से पुनः लागू होगी। अपर मुख्य सचिव सिद्धार्थ ने अपने आदेश में कहा है कि वैसे शिक्षक / शिक्षिका / प्रभारी प्रधानाध्यापक / प्रधानाध्यापक , जिन्होंने प्रतिनियुक्ति के बाद भी किसी भी स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है,उन्हें भी 30 जून तक प्रशिक्षण पूरा करा लिया जाये। ऐसा नहीं हुआ तो उनकी भी वार्षिक वेतन वृद्धि पर रोक रहेगी। पत्र में बताया गया है कि सतत व्यावसायिक विकास योजना के तहत शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी शिक्षकों को सेवाकालीन / आरंभिक आवासीय प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है। प्रशिक्षण के लिए राज्य के सभी सीटीई, डायट, पीटीईसी, बाईट, बिपार्ड पटना, बिपार्ड गया एवं परिषद परिसर में जरूरी इंतजाम किए गए हैं। राज्य के सरकारी प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण तीन जुलाई 2023 से संचालित है। इसमें लगभग छह लाख शिक्षकों ने विभिन्न स्तर का प्रशिक्षण हासिल किया है. इसके बाद भी कई ऐसे शिक्षक हैं, जिन्होंने अभी तक इस आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग नहीं लिया है।

मरने वाले सभी बच्चे एक ही गांव के, पहले दो डूबे बचाने में चार की गई जान

बागमती नदी में नहाने गए चार बच्चों की डूबने से मौत, तीन का शव हुआ बरामद

- सीतामढ़ी जिले का मामला, चारों बच्चे अपने अन्य साथियों को लेकर नदी में गए थे नहाने

केटी न्यूज/सीतामढ़ी

सीतामढ़ी जिले में मंगलवार को दोपहर में एक साथ नहाने गए चार बच्चों की बागमती नदी डूबने से मौत हो गई। उक्त घटना जिले के सुप्पी प्रखंड के अख्ता गांव की है। मरने वाले सभी बच्चे एक ही गांव के हैं। घटना की सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने तीन बच्चों के शव को नदी से बाहर निकाल लिया है। वहीं, चौथे बच्चे के शव की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की दोपहर चारों बच्चे एक साथ अपने अन्य साथियों को लेकर नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान दो बच्चे डूबने लगे, जिन्हें बचाने के लिए दो अन्य बच्चे भी गए। इसी दौरान चारों डूबने लगे। जब तक अन्य बच्चे बचाव-बचाव कहकर चिल्ला रहे थे। हालांकि तब तक सभी बच्चे डूब चुके थे। वहीं, शोरगुल होने पर गांव के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे। पहले लोगों ने शव खोजने का प्रयास किया। परंतु सफलता नहीं मिली। इसके बाद ग्रामीणों ने एसडीआरएफ की टीम और थाने को सूचना दी। इसके बाद सूचना पर एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। हालांकि, अभी तक तीन शव ही बरामद किए गए हैं। वहीं, एक शव का रेस्क्यू जारी है। इधर, हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक अमित कुमार टुन्ना ने बताया कि पीड़ित परिवारों को सभी तरह की सरकारी सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। फिलहाल उन्हें निजी कोष राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। घटना के बाद से गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

फाइनेंस कंपनी के स्टाफ से करीब 9 लाख की लूट, विरोध करने पर बदमाशों ने मारा चाकू

पटना। सहरसा में बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया है। बाइक सवार बदमाशों ने एक निजी फाइनेंस कंपनी के कर्मी को अपना निशाना बनाया और 8 लाख 63 हजार रुपए लूट कर फरार हो गए। लूटपाट का विरोध करने पर अपराधियों फाइनेंस कर्मी को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद आनन फानन में जख्मी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना सदर थाना क्षेत्र के मतस्यगंधा रोड की है। घायल कर्मी ने बताया कि वह तुलसियाही से कलेक्शन कर सहरसा में बैक रुपए जमा कराने जा रहा था। इस दौरान मतस्यगंधा रोड में बाइक सवार अपराधियों ने उसे घेर लिया और लूटपाट शुरू कर दी और रुपयों से भरा बैग छीन कर फरार हो गए। घायल फाइनेंस कर्मी की पहचान रहुआ निवासी राज नन्दन के रूप में हुई है। युवक निजी फाइनेस बैंक में रुपए कलेक्शन का काम करता है। उधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और अपराधियों की पहचान करने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी के फुटेज को खंगाल रही है।

रंगदारी केस पर भड़के पप्पू यादव, बोले- सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच हो, दोषी को फांसी पर चढ़ा दें

केटी न्यूज/ पटना

पूर्णिया से निर्दलीय चुनाव जीतने के महज छह दिन बाद ही एक करोड़ की रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए एक फर्नीचर कारोबारी ने पप्पू यादव और उनके करीबी के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है। रंगदारी का केस दर्ज होने के बाद पप्पू यादव भड़क गए और कहा है कि साजिश के पीछे जो लोग हैं, हम उन्हें बेनकाब करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में पूरे मामले की जांच कराई जाए और जो दोषी हो उसे फांसी की सजा दी जाए। दरअसल, पूर्णिया के नवनिर्वाचित सांसद पप्पू यादव के खिलाफ थाने में केस दर्ज हुआ है। पप्पू यादव के करीबी अमित यादव के खिलाफ भी मुफस्सिल थाना में केस दर्ज कराया गया है। दोनों के ऊपर फर्नीचर कारोबारी से रंगदारी मांगने का आरोप है। कारोबारी ने पप्पू यादव और अमित यादव पर आरोप लगाया है कि दोनों ने पिछले साल दुगार्पूजा के दौरान उनसे रंगदारी की मांग की थी।

कारोबारी ने यह भी आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के दौरान विगत 5 अप्रैल को फोन पर फिर से रंगदारी की मांग की गई। कारोबारी ने पप्पू यादव और उनके करीबी अमित यादव पर एक करोड़ रंगदारी नहीं देने पर पूर्णिया छोड़कर जाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। वहीं इस मामले में पप्पू यादव ने एक्स पर लिखा है, "देश प्रदेश की राजनीति में मेरे बढ़ते प्रभाव और आम लोगों के बढ़ते स्नेह से परेशान लोगों ने पूर्णिया में घृणित षड्यंत्र रचा है। एक अधिकारी और विरोधियों की इस साज़िश को हम बेनकाब करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के अधीन इसकी निष्पक्ष जांच करवाई जाय, जो दोषी हो उसे फांसी दे दें।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान का तेजस्वी ने किया समर्थन

केटी न्यूज/पटना

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान के बाद सियासत तेज हो गई है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने मोहन भागवत के उस बयान को बिल्कुल सही बताया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि जो वास्तविक सेवक होते हैं, उसमें अहंकार नहीं आता। मणिपुर के मामले को उठाए जाने पर तेजस्वी ने कहा कि संघ प्रमुख ने बिल्कुल ठीक कहा है लेकिन थोड़ी देर से बोले हैं। मोहन भागवात के बयान का समर्थन करते हुए तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री तो हमेशा से मौन ही रहे हैं। केवल मणिपुर की घटना पर ही नहीं बल्कि किसानों पर जब हमला किया गया, महिला पहलवानों का शोषण हुआ या बैंगलुरू में तीन हजार महिलाओं के साथ शोषण हुआ। ऐसे वक्त में भी प्रधानमंत्री मौन रहे। मोहन भागवत ने ठीक कहा है लेकिन देर से बोले हैं। वहीं केंद्रीय मंत्रियों के बीच मंत्रालयों का बंटवारे के सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि बिहार से एनडीए के 30 सांसद चुनकर गए हैं। पिछली बार भी 39 सासंद चुने गए थे लेकिन बिहार को कुछ नहीं मिला था। लेकिन इस बार बिहार निर्णायक भूमिका में है तो कम से कम बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। देशभर में जातीय गणना कराया जाए। इसके साथ ही जो अन्य जरूरी मांगे हैं उसे पूरा कराएं। बिहार के जो सांसद मंत्री बने हैं, कम से कम उनसे तो यह अपेक्षा रखी जानी चाहिए कि वह बिहार के लिए आवाज उठाएंगे। मोदी कैबिनेट में एक भी मुसलमान को जगह नहीं मिलने के सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि इससे साफ दिख रहा है कि मुसलमानों के प्रति उनके मन में कितनी नफरत है। हमलोगों का तो मानना है कि सभी को बराबर मान-सम्मान मिलना चाहिए और हर किसी को आगे बढने का मौका मिलना चाहिए।

जेल में बंद चीनी नागरिक की मौत

पटना। मुजफ्फरपुर के शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में बंद एक चीनी कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। चीनी नागरिक पर बिना वैध वीजा के भारत में प्रवेश करने का आरोप था। पुलिस ने पिछले दिनों उसे गिरफ्तार कर लिया था और तब से वह जेल में बंद था। दरअसल, बीते दिनों पुलिस ने ब्रह्मपुरा थानाक्षेत्र के लक्ष्मी चौक से एक चीनी नागरिक ली जियाकी को बिना वीजा के गिरफ्तार किया था। ली जियाकी चीन के हांग का बताया जाता है। वह चीन के शेडोंग प्रांत के कैंगशान काउंटी शहर का रहने वाला था। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से कई संदिग्ध चीजे भी बरामद हुई थीं। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया था, जहां से अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। इसके बाद बीते बुधवार को चीनी नागरिक ने जेल में ही आत्महत्या करने की कोशिश की थी। जेल के हॉस्पीटल वार्ड के शौचालय में वह घायल हालत में मिला था। जिसके बाद उसे इलाज के लिए एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया था।

चिराग पासवान से नाराज चल रहे पशुपति पारस ने रिश्ते सुधारने की दिशा में की पहल

पशुपति ने चिराग पासवान को बताया बड़ा बेटा

- लोकसभा चुनाव से पहले किसी रिश्ते से इनकार करनेवाले पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अब चिराग को न सिर्फ मंत्री बनने की बधाई दी है, बल्कि अपना कहा

केटी न्यूज/पटना

केंद्र में चिराग पासवान के मंत्री बनने के साथ ही स्व. रामविलास पासवान के परिवार में अब सबकुछ पटरी पर आते हुए नजर आने लगा है। पिछले ढाई साल से भी ज्यादा समय से चिराग पासवान से नाराज चल रहे पशुपति पारस ने अब रिश्ते सुधारने की दिशा में पहल की है। लोकसभा चुनाव से पहले किसी रिश्ते से इनकार करनेवाले पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अब चिराग पासवान को न सिर्फ मंत्री बनने की बधाई दी है। बल्कि राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष पशुपति पारस ने अपने भतीजे चिराग पासवान की तारीफ की है। उन्होंने चिराग पासवान पर अपना बड़ा बेटा कहा है।

सोशल मीडिया पर लिखा केंद्रीय मंत्री के रूप

में पदभार संभालने पर बड़े बेटे चिराग पासवान को हृदयतल से बधाई और अनंत शुभकामनाएं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि देश के विकास हेतु हमारे कार्यकाल में विभाग में जो रुपरेखा बनाई गई थी, उसे आप मोदी 3.0 में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में और आगे ले जाने का काम करेंगे। हमें आशा है कि आप क्षेत्र और प्रदेशवासियों के हितों को ध्यान में रखते हुए त्वरित समाधान करेंगे। इससे पहले पशुपति पारस के साथ चिराग का साथ छोड़कर जानेवाले प्रिंस पासवान ने भी अपने भाई को मंत्री बनने पर शुभकामना दी थी। माना जा रहा है कि चिराग पासवान के परिवार में जल्द ही पहले की तरह सभी साथ नजर आएंगे।

चिराग पासवान ने संभाली फूड प्रोसेसिंग विभाग की जिम्मेदारी

इससे पहले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने विभाग का कामकाज संभाल लिया है। घर में पूजा-पाठ के बाद मां के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और फिर फूड प्रोसेसिंग विभाग की जिम्मेदारी संभाली। चिराग पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो जिम्मेदारी दी है उसे ईमानदारी से निभाने के संकल्प के साथ यहां आया हूं। फूड प्रोसेसिंग एक बड़ी जिम्मेदारी है, आने वाला समय फूड प्रोसेसिंग का ही है। मैं, मेरे पिता राम विलास पासवान से सीखते हुए उनकी सोच को आगे बढ़ाते हुए और प्रधानमंत्री के विकसित देश के संकल्प को पूरा करने के उद्देश्य से इस विभाग की एक अहम भूमिका देखता हूं।

मच्छरों से बचाव के लिए जून को मलेरिया रोधी माह के तौर पर मनाया जाएगा: एसीएमओ

- डेंगू रोधी माह के तहत सभी प्रखंडों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर लोगों को किया जाएगा जागरूक
- शिक्षा विभाग, आईसीडीएस व जीविका के समन्वय से आयोजित होंगी गतिविधियां

केटी न्यूज/बक्सर

जिला समेत सूबे में मॉनसून के आगमन के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग भी अपनी तैयारियों में जुटा हुआ है। अमूमन मानसून के साथ मच्छर जनित बीमारियों की संभावना प्रबल हो जाता है। ऐसा इसलिए कि शहरी के साथ साथ ग्रामीण इलाकों में बारिश के पानी के कारण जगह जगह जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जिसके कारण मच्छरों को पनपने के अनुकूल माहौल मिल जाता है। जिसके कारण लोगों को मच्छरों से बचने और लोगों को जागरूक करने जून को डेंगू रोधी माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय के द्वारा सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया गया है। ताकि, वो अपने स्तर से डेंगू रोधी माह के संचालन के साथ इसका अनुश्रवण भी करें।

अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि राज्य स्वास्थ्य समिति के निदेर्शानुसार मलेरिया रोधी माह के तहत इस बार जिले के सभी प्रखंडों में

विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। ताकि, ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस संबंध में जागरूक किया जा सके। साथ ही, लोगों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों मसलन डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि के लक्षणों की जानकारी के साथ इलाज व बचाव के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा। जिससे लक्षणों के दिखने पर वो तत्काल अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर इन बीमारियों की जांच करा सकें।

सहयोगी संस्थानों के साथ चलेगा संयुक्त अभियान

एसीएमओ ने बताया कि आगामी दिनों में मानसून का प्रवेश होने की संभावना देखते हुए जिले में मलेरिया रोधी माह के संचालन के लिए सहयोगी संस्थानों का भी सहयोग लिया जाएगा। ताकि, वृहद् स्तर पर लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा सके। इसके लिए जिला शिक्षा विभाग, जीविका व आईसीडीएस के साथ पत्राचार किया जा चुका है। जिनके सहयोग से शहरी के साथ साथ ग्रामीण इलाकों के लोगों के बीच मलेरिया व डेंगू से बचाव की चर्चा करते हुए उन्हें मच्छर जनित बीमारियों से बचाव की जानकारी दी जाएगी। साथ ही, आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित होने आरोग्य दिवस के अवसर पर भी लाभुकों व उनके परिजनों को मच्छरों से बचाव की जानकारी दी जाएगी।

ग्राम व पंचायत स्तर पर गतिविधियों का होगा आयोजन

वीबीडीसीओ पंकज कुमार ने बताया कि विभाग से प्राप्त निर्देशों के आलोक में मलेरिया रोधी माह के तहत जिले में ग्राम व पंचायत स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। स्कूलों में तर्क–वितर्क प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, प्रभात फेरी आदि का आयोजन किया जाएगा। जीविका के माध्यम से समूह से जुड़ी महिलाओं को भी मच्छरों से बचाव की जानकारी के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, लोगों का ज्ञानवर्द्धन करने के लिए बैनर पोस्टर भी लगाए जाएंगे। वहीं, स्वास्थ्य केंद्रों पर आने मरीजों व उनके परिजनों के साथ स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा मलेरिया व डेंगू को लेकर चर्चा करने का निर्देश दिया गया है।

एक नजर

चौसा में वॉटर कूलर लगाने के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष ने एसटीपीएल को सौंपा ज्ञापन

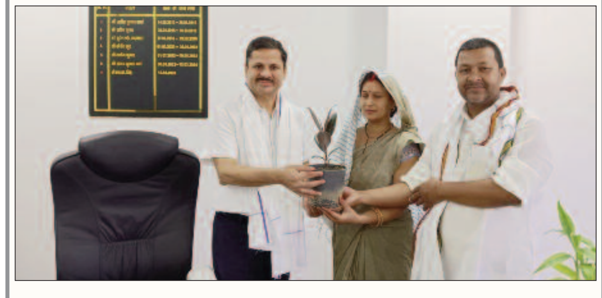

बक्सर। हीट वेव को देखते हुए चौसा नपं द्वारा विभिन्न चौक चौराहों पर प्याऊ लगाई गई है। मगर, इस भीषण गर्मी में सारे प्याऊ व्यवस्था नगण्य हो जा रही है। सुबह के नौ बजे के बाद उनका पानी भी इतना गर्म हो जा रहा है कि पीने लायक नहीं रह जाता है। जिसको लेकर मंगलवार को चौसा नपं के मुख्य पार्षद सह आर एंड आर के सदस्य किरण देवी एवं पूर्व जिप सदस्य डॉ. मनोज कुमार यादव ने एसटीपीएल के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी संजय कुमार सिंह से मिलकर ज्ञापन दिया। इस ज्ञापन के माध्यम से चौसा नगर पंचायत के विभिन्न चौक चौराहों पर पीने के पानी के लिए वाटर कूलर लगाए जाने की मांग की। जिसमें नगर के अखौरीपुर गोला त्रिमुहानी, यादव मोड, चौसा रेलवे स्टेशन, दुर्गा मंदिर के साथ अन्य जगहों पर वॉटर कुलर लगाये जाने की मांग की गई है। साथ ही चार हाई मास्क लाइट के साथ ही कचरा ढोने के लिए एक कचरा टीपर एवं डस्टबिन की मांग की गई है। मुख्य पार्षद किरण देवी ने कहा कि चौसा को सुंदर, स्वच्छ और हरित बनाना मेरा एकमात्र लक्ष्य है। इसी उद्देश्य से काम किया जा रहा है। यह मांग आर एंड आर के प्रशासक अपर समाहर्ता अनुपम सिंह एवं अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र मिश्रा बक्सर से भी की गई है। वहीं, उन्होंने कहा कि चौसा नगर पंचायत के लिए चाहे वह दिशा की बैठक हो या आर एंड आर या अन्य बैठक में नगर पंचायत के विकास के लिए सदन में अपनी बात उठाती रहूंगी।

केक काट मनाया गया लालू यादव का जन्मदिन

बक्सर। बक्सर राष्ट्रीय जनता दल के जिला कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की 77 वां जन्म दिवस धूम धाम से मनाया गया। इस मौके पर राजद जिलाध्यक्ष शेषनाथ सिंह के द्वारा पार्टी कार्यालय में राजद कार्यकताओं के साथ केक काटा गया। जन्मदिन समारोह को संबोधित करते हुए शेषनाथ ने कहा कि आज के युवाओं को लालू के विचारों को आत्मसात करना चाहिए। जो इस देश के दबे कुचले और गरीब गुरबों के आवाज है। उन्होंने लालू प्रसाद यादव को गरीबों का मसीहा बताया। युवा राजद के प्रदेश महासचिव ने कहा कि लालू यादव वो विचार है जिनके संघर्ष के दौर याद करने पर रूह में एक नई ऊर्जा के संचार होने लगता है। वहीं लोगों ने उन्हें सामाजिक न्याय का मसीहा एव दबे कुचले का जुबां बताया। इस समारोह को युवा राजद के प्रदेश महा सचिव रामाशंकर कुशवाहा के देख रेख में आयोजित किया गया था। समारोह में राजद के प्रदेश महासचिव निर्मल कुशवाहा, वरिष्ट नेत्री श्वेता पाठक, प्रधान महासचिव धनपति चौधरी, प्रदेष झुग्गी झोपड़ी के अध्यक्ष सन्तोष कुमार भारती, युवा राजद जिला अध्यक्ष सत्येन्द्र आजाद, राजपुर प्रखण्ड अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह, अल्पसंखयक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष इफ्तखार अहमद, सियाराम प्रेमखरवार, भुट्टो खान, नगर अध्यक्ष शहवाज अख्तर, जवाहर लाल पासवान अजीत राय, मनीष मौर्या, रामनरेश मौर्या, भीम पासवान, गोविन्दजी प्रधान, जिला उपाध्यक्ष भुनेश्वर सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राजद हरेंद्र कुमार सिंह, फिरोज रजक, मीडिया प्रभारी हरेंद्र यादव आदि मुख्य रूप से उपस्थिति रहे।

पिटाई से जख्मी युवक की इलाज के दौरान मौत

बक्सर। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चिराग पासवान की तारीफ करने पर पड़ोसियों ने उक्त युवक की जमकर पिटाई कर दी थी। पिटाई से जख्मी युवक की ईलाज के दौरान मौत हो गई है। इसके बाद परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। मामला नगर थाना क्षेत्र के किला मैदान के समीप का है जहां के निवासी एक व्यक्ति पर स्थानीय लोगों के द्वारा हमला किया गया था। जब उनको बचाने उनका पुत्र गया तो उसे भी मारपीट कर जख्मी कर दिया गया। जिसकी इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। इस मामले में मृत युवक के पिता ने थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी का अनुरोध किया है, लेकिन पुलिस इसे मारपीट में मौत नहीं बल्कि बीमारी से मौत मान रही है।

जानकारी के अनुसार सिमरी थाना क्षेत्र के राजापुर नौरंग राय के डेरा के मूल निवासी निवासी तथा वर्तमान में बक्सर नगर के किला मैदान के पास अपनी झोपड़ी बना कर तथा छोला-चाट बेचकर गुजारा करने वाले गुड्डू पासवान ने बताया कि 25 मई को जिस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बक्सर आए थे, उसी दिन उनका पुत्र उनकी सभा में शामिल होने गया था। सभा में शामिल होकर लौटने के अगले दिन 26 मई को वह घर पर सभा की चर्चा कर रहा था। साथ ही, चिराग पासवान आदि की भी तारीफ कर रहा था तभी पड़ोसियों ने इस बात को सुन लिया। उन्होंने इस बात को लेकर उनसे मारपीट शुरू की कर दी। इसी बीच जब उनका 19 वर्षीय पुत्र पवन बचाने आया तो पड़ोसी तूफानी डोम, लाल मोहर बांसफोर तथा सूरज बांसफोर ने मिलकर उस पर हमला कर दिया और उसे बहुत मारा-पीटा इतना ही नहीं बचाने आई पत्नी और पुत्री के साथ भी मारपीट की।

दुस्साहस : जिला खनन पदाधिकारी पर बेखौफ बालू माफियाओं ने किया जानलेवा हमला

खनन पदाधिकारी पर हमला मामले में दो नामजद व चार अज्ञात पर केस दर्ज

- सदर अस्पताल में चल रहा है जख्मी खनन पदाधिकारी का इलाज, सर में लगी है गंभीर चोट
- मंगलवार की अहले सुबह मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महदह गांव के पास की है घटना

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के अपर समाहर्ता सह खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार वर्मा पर बालू माफियाओं ने जानलेवा हमला किया है। इस हमले में उनके सर में गंभीर चोटें आई है तथा खून से लथपथ स्थिति में उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमि इलाज के बाद उनकी हालत खतरें से बाहर बताई जा रही है। घटना मंगलवार की सुबह मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महदह गांव के पास की है। जानकारी के अनुसार वे बालू के अवैध कारोबार की गुप्त सूचना पर छापेमारी करने गए थे तथा एक ट्रक को पकड़ अभी जांच पड़ताल कर ही रहे थे कि अचानक बालू व खनन के अवैध कारोबार से जुड़े माफियाओं ने उनपर हमला कर दिया। घटना के समय उनके साथ पुलिस बल भी नहीं था।

खनन पदाधिकारी पर अचानक हुए हमले में उन्हें गंभीर चोटे आई है। उनके सर से खून की बह रहा था, शरीर के कई हिस्सों भी चोट लगी है। उन्हें जख्मी करने के बाद अवैध कारोबारी भाग खड़े हुए। इसके बाद इनके चालक ने इन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। करीब सुबह 5:45 बजे इन्हें सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहा मौजूद डॉ. श्याम बाबू रजक ने उनका इलाज किया। इलाज करने वाले डॉक्टर की माने तो उनके सर में गंभीर चोटें आई है। इस मामले में जख्मी खनन पदाधिकारी के बयान पर दो नामजद तथा चार अज्ञात पर एफआईआर दर्ज कराया गया है।

बालू कारोबारियों पर छापेमारी के दौरान घटना को दिया गया अंजाम

सदर अस्पातल में जख्मी पदाधिकारी से जानकारी लेते डीडीसी व एसडीओ।

डीडीसी व एसडीओ ने ली घटना की जानकारी

इस घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक महकमें में हड़कंप मच गया। तत्काल डीडीसी डॉ. महेन्द्र पाल तथा सदर एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र सदर अस्पताल पहुंचे तथा जख्मी खनन पदाधिकारी का हाल चाल जानने के साथ ही उनसे घटना की पूरी जानकारी ली। वही, सदर अस्पताल के डॉक्टरों को ठीक से इलाज करने की नसीहत दी गई।

बोले एसडीओ... दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

घटना के संबंध में एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि जिला खनन पदाधिकारी पर हुए हमले में संलिप्त अपराधियों को चिन्हित किया जा रहा है। उनपर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक पदाधिकारी पर जानलेवा हमला काफी गंभीर अपराध है। इस कृत्य में शामिल बालू कारोबारियों व माफियाओं को जल्दी ही जेल भेजा जाएगा।

पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

15 जून तक ही होता है खनन : बता दें कि सोन नद से लाल बालू का खनन 15 जून तक ही होता है। यह तिथि अब नजदीक आ गई है। जिस कारण बालू माफिया अधिक से अधिक बालू का स्टोर करना चाहते है, ताकी बरसात के दिनों में उनका स्टाक कम न पड़े। यही कारण है हर दिन बालू के हजारों ट्रक जिला मुख्यालय व आस पास की सड़कों से गुजरते है। जिनमें अधिकतर ट्रक ओवर लोडेड होते है। प्रशासन को इसकी भनक लग गई थी। इसी भनक के आधार पर खनन पदाधिकारी छापेमारी करने गए थे।

हर दिन होता है लाखों का अवैध कारोबार : शाहाबाद क्षेत्र के भोजपुर में सोन नद से निकलने वाला लाल बालू अवैध कारोबारियों के लिए सोना है। एक अनुमान के मुताबिक हर दिन लाखों रूपए के अवैध बालू का कारोबार होता है। रात ढलते ही एनएच 120 तथा एनएच 922 पर हजारों की संख्या में ट्रकों का परिचालन होता है। जिनमें अधिकांश बालू के कारोबार से ही जुड़े है। पूर्व में कई बार स्थानीय पुलिस या खनन विभाग और परिवहन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में दर्जनों बालू लदे ट्रक पकड़े गए है। जो इस बात के प्रमाण है कि अवैध बालू का कारोबार कितना फल फूल रहा है। वही जानकारों का कहना है कि बालू के अवैध कारोबार से कई माफियाओं ने मोटी रकम बनाई है।

गिरफ्तारी के लिए हो रही छापेमारी

सदर एसडीपीओ धीरज कुमार ने बताया कि जिला खनन पदाधिकारी के बयान पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। जिसके बाद मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है। नामजद और अज्ञात लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गला दबा पत्नी की हत्या कर पति फरार

- एक दिन पूर्व मृतिका अपने बेटे के पास हैदराबाद से लौटी थी घर
- पति-पत्नी के अलावा घर पर नहीं था परिवार का कोई भी सदस्य

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा ओपी के कडसर गांव में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या गला दबाकर करने का मामला प्रकाश में आया है। मृतिका गांव के सुनील चौधरी की 50 वर्षीय पत्नी सुशीला देवी बताई जाती है। जो एक दिन पूर्व हैदराबाद में अपने बेटे के पास से वापस घर लौटी थी। इधर घटना की सूचना पर पहुंची सोनवर्षा ओपी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही घटना की सूचना मृतिका के पुत्रों को पुलिस ने दे दिया है।

सोमवार की रात हुई इस घटना के संबंध में जाता है कि मृतिका अपने पति के साथ मैके कडसर में ही रहती थी। साथ ही जीविकापार्जन के लिए घर में एक छोटा सा किराना दुकान खोल रखी थी। घटना के समय घर में पति-पत्नी के अलावा कोई भी परिवार का सदस्य नहीं था। घटना की जानकारी लोगों को तब हुई, जब गांव के महादलित बस्ती के बच्चे कुरकुरे खरीदने के लिए उसके घर दुकान पर पहुंचे। बच्चों ने पहले आवाज लगाया, जब जबाब नहीं मिला तो घर का मुख्य दरवाजा खुला देखकर आवाज लगाते हुए घर के अंदर बच्चे पहुंचे। तभी बच्चों ने सुशीला देवी को बेसुध पड़े देखकर शोर मचाते हुए घर से बाहर भाग खड़े हुए। शोर सुनकर मृतिका के दरवाजे पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। बाद में ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दिया। आस पास लोगों के अनुसार मृतिका जब से हैदराबाद रह रहे अपने पुत्रों के पास से घर लौट कर आई है, उसी समय से पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो रहा था। मृतिका के दो पुत्र एवं दो पुत्री है। एक को छोड़ सभी पुत्र-पुत्री विवाहित हैं।

वहीं, मामले में जानकारी देते हुए सोनवर्षा ओपीध्यक्ष ने बताया कि घर में पति-पत्नी रहते थे। घटना के बाद से मृतिका के पति फरार है। मृतिका के गले पर निशान है। जिससे प्रतीक हो रही की उसकी हत्या गला दबाकर की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट हो पाएगी।

बाइक एवं साइकिल की टक्कर में दो जख्मी, एक की हालत नाजुक

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

स्थानीय थाना क्षेत्र के धरहरा गांव के समीप एनएच 922 पर एक बाइक व साइकिल की आमने सामने की टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार और साइकिल सवार दोनों उछल कर सड़क पर गिर गए। जिससे बाइक सवार को गम्भीर चोट आई है। घटना की सूचना पर पहुंची कृष्णाब्रह्म पुलिस ने दोनों युवकों इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

बताया जाता है कि सोमवार की रात 10 बजे पटना बक्सर एनएच के रास्ते एक युवक बाइक पर सवार होकर सड़क की उत्तरी लेन से कृष्णाब्रह्म आ रहा था कि इसी बीच साइकिल पर सवार होकर एक युवक अपने गांव धरहरा जा रहा था। अचानक धरहरा गांव के समीप बाइक तथा साइकिल में टक्कर हो गई। जहां बाइक सवार साइकिल सवार सड़क पर जा गिरा। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जख्मी दोनों युवकों का प्राथमिक इलाज धरहरा स्थित एक निजी नर्सिंग होम में कराया। बाद में पुलिस दोनों जख्मी युवकों बेहतर इलाज के डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल ले गई। जहां पर एक कि हालत चिंता जनक देखते हुए बेहतर इलाज के स्वजन दूसरे जगह ले गए। जख्मी युवकों में धरहरा गांव निवासी कलक्टर शर्मा का बेटा अनीश शर्मा बतया जाता है, दूसरे बाइक सवार युवक की पहचान मुरार थाना क्षेत्र के नचाप गांव निवासी लोक नाथ सिंह के बेटे मृत्युंजय कुमार के रूप में की गई है। जिनकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है।

उपभोक्ता फोरम के फैसले के बाद रेलवे ने परिवादी को दिया 9 लाख रुपए का चेक

केटी न्यूज/बक्सर

उपभोक्ता आयोग ने अपने एक फैसले में रेलवे के खिलाफ 9 लाख का जुमार्ना लगाया था। जिसका अनुपालन करते हुए रेलवे ने पीड़ित के नाम 9 लाख का चेक दे दिया, जिसे जिला उपभोक्ता आयोग बक्सर के अध्यक्ष सह सेवानिवृत जज वेद प्रकाश ने मंगलवार को परिवादी कृष्णाब्रह्म निवासी शंकर प्रसाद शाह को सौंपा।

घटना 31 अगस्त 2013 को रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन की है। परिवादी जमानिया जाने के लिए पैसेंजर ट्रेन का इंतजार कर रहा था कि डाउन लाइन से ब्रह्मपुत्र मेल गुजरने लगी। इसी दौरान उक्त ट्रेन की बोगी के नीचे से लोहे का रॉड टूटकर निकल गया तथा प्लेटफार्म पर बैठे परिवादी

के पैर में जा लगा था। उसे गंभीर चोटें लगी थी तथा उसके पैर को घुटने के नीचे से काटना पड़ा था। उक्त मामले को लेकर पीड़ित ने जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दाखिल किया था जहां सुनवाई में विपक्षी रेलवे की सेवा में त्रुटि पाया गया था। जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा 8 जनवरी 2016 को फैसला सुनाया गया था, जिसमें विपक्षी की सेवा में त्रुटि पाकर परिवादी को 6 लाख रुपए क्षतिपूर्ति के रूप में देने का आदेश सुनाया गया था। लेकिन रेल विभाग ने जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश को चुनौती देते हुए राज्य उपभोक्ता आयोग पटना में अपील दाखिल किया। सुनवाई के दौरान राज्य उपभोक्ता आयोग द्वारा भी विपक्षी की सेवा को त्रुटि पूर्ण बताया गया। मामले को लेकर रेल विभाग ने राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग नई दिल्ली में रिवीजन दाखिल किया लेकिन राष्ट्रीय आयोग ने उसे खारिज कर दिया। इधर जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा आदेश का अनुपालन नहीं करने के कारण रेलवे के उच्च्य अधिकारियों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। मंगलवार को उपभोक्ता आयोग के फैसले का अनुपालन करते हुए विपक्षियों दावा की राशि एवं सूद जोड़कर कुल 9 लाख रुपए का भुगतान किया गया।

नगर भवन में आत्मा के तत्वावधान में आयोजित हुआ खरीफ महाभियान-2024, डीएम ने उद्घाटना कर कहा -

कृषि कर्मी समयबद्ध तरीके से कर्तव्य व दायित्व का करें निर्वहन

केटी न्यूज/बक्सर

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा के तत्वाधान में मंगलवार को नगर भवन के सभागार भवन में जिला स्तरीय खरीफ महा अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में खेती बाड़ी के तौर-तरीकों के साथ जलवायु अनुकूल खेती, जैविक खेती, मोटे अनाज का उत्पादन इत्यादि पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि खेती-बाड़ी जीविकोपार्जन का मुख्य स्त्रोत है। वर्तमान परिवेश में जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में उतरोतर वृद्धि हो रही है। इस परिस्थिति से निजात हेतु जलवायु अनुकूल खेती, जैविक खेती, मोटे अनाज

का उत्पादन इत्यादि बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। वही, उन्होंने कहा कि पराली जलाने से होने वाले नुकसान का प्रचार-प्रसार करने के बावजूद किसानों द्वारा अभी भी पराली जलाया जा रहा है, जिसका प्रतिफल है कि हमलोग अत्यधिक तापमान के शिकार हो रहे हैं। जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिस क्षेत्र में पराली जलाने की घटना उजागर हो रही है, उस क्षेत्र के किसानों पर कार्रवाई करते हुए प्रसार कर्मियों पर भी विभागीय कार्रवाई करें। साथ ही कहा कि कृषि कर्मी समयबद्ध तरीके से कर्तव्य व दायित्व का निर्वहन करें।

वहीं, डीडीसी डा. महेंद्र पाल द्वारा प्रसार कर्मियों से किसानों के बीच कृषकोपयोगी योजनाओं को वृहत स्तर पर प्रसार करने की बात कही। उन्होने कहा कि सभी प्रसार कर्मी खरीफ महाभियान कार्यक्रम में गहनतापूर्वक प्रशिक्षण हासिल कर अपने-अपने क्षेत्र के किसानों को लाभान्वित करें।

जबकि, जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि इस वर्ष खरीफ मौसम में धान फसल के लिए कुल 94279.2 हेक्टेयर में खेती करने का लक्ष्य निर्धारित है। बीज वितरण कार्यक्रम अंतर्गत कुल 1689.28 क्वींटल बीज वितरण हेतु लक्ष्य है, जिसमें किसानों को प्रखंडों में 50 से 100 प्रतिशत अनुदान पर धान, मोटे अनाज, दलहन(अरहर) की बीज मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने कृषि समन्वय, बीटीएम, एटीएम को निर्देश दिया कि सम्बंधित कर्मी किसानों के बीच वृहत स्तर पर प्रचार-प्रसार कर शत प्रतिशत बीज मुहैया कराना सुनिश्चित करें। साथ ही जीरो टॉलरेंस नीति के तहत किसानों को उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु सभी उर्वरक बिक्रेताओं के प्रतिष्ठान पर सतत निगरानी करने का निर्देश दिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक डा. देवकरण व विषय वस्तु विशेषज्ञ हरिगोविंद जायसवाल ने खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली फसलों के प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। वहीं, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी ने कृषि यांत्रिकरण योजना पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना की जा रही है, जिसमें अस्सी प्रतिशत अनुदान पर विभिन्न प्रकार के यंत्र उपलब्ध कराये जायेंगे। कृषि यांत्रिकरण सम्बंधी सभी योजनाओं का लाभ लेने हेतु अपने क्षेत्र के कृषि समन्वयक, बीटीएम, एटीएम से संपर्क करें।

बाईपास नहर के पास संदेहास्पद परिस्थिति में मिला युवक का शव

केटी न्यूज/बक्सर

नगर थाना क्षेत्र के बाईपास नहर के पास सन्देहास्पद स्थिति में एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हालंकि युवक की पहचान कुछ देर में एक रिक्शा वाले के पुत्र के रूप में की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई। पुलिस ने युवक की मौत को हिट वेव बताया गया। हालंकि परिजनो के अनुसार युवक नशा का शिकार था। परिजनो का कहना है की सुबह में कुछ युवक आए थे जो मारने की धमकी दिए थे। वही, पुलिस शव को पोस्टमारार्म के लिए भेज जांच में जुट गई।

घटना के सम्बंध में पुलिस ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र के बाईपास रोड स्थित नहर के समीप उपले के ढेर के पास स्थानीय निवासी रिक्शा चालक नारायण चौधरी का 25 वर्षीय पुत्र कमलेश चौधरी मृत पड़ा हुआ मिला। आसपास के लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंच युवक की पहचान कराई। वहीं, मामले में मृतक के पिता का कहना है कि उनका बेटा हेरोइन का नशा करने का आदि हो चुका था। कुछ दिनों से कुछ लड़कों द्वारा सुबह मारने की धमकी भी दी गई थी, हो सकता है की इसकी हत्या की गई हो। नगर थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर युवक की मौत से पर्दा हटेगा।

कार्ययोजना से पहले ही टूटा कूड़ा डंपिंग केंद्र, जैविक खाद बनाने की योजना पर फिरा पानी

♦ 7 लाख 50 हजार रुपए की राशि से शहर में तीन जगहों पर बनाया गया कूड़ा डंपिंग केंद्र

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वच्छता का संकल्प लेने वाला डुमरांव नगर परिषद कई कार्य योजनाएं धरातल पर उतारने में सुस्ती दिखा रहा है। शहर के कूड़े-कचरे से जैविक खाद बनाने की योजना पर भी ग्रहण लग गया है। लाखों रुपये खर्च कर तीन जगहों पर कूड़ा डंपिंग केंद्र तैयार हुए लेकिन उद्घाटन से पहले ही कूड़ा डंपिंग केंद्र टूटकर बिखर गया। इसके लिए मशीनों की खरीदारी भी की गयी लेकिन तीन वर्ष से अधिक दिन गुजरने के बाद भी खाद तैयार करने में नप उदासीन बना है। इस कार्ययोजना के आने से शहरी किसानों को अपने खेतों के लिए सस्ते दामों पर खाद मिलने की उम्मीद जगी थी। यह खाद किसानो के खेतों के लिए सोना साबित होता और इसकी खरीद-बिक्री से नप प्रशासन को हजारों रुपये की राशि प्रति माह आमदनी होती।

बताया जाता है कि शहर के छठिया पोखरा, खिरौली और ट्रेनिंग स्कूल के समीप नप द्वारा 7 लाख 50 हजार की राशि खर्च कर कूड़ा डंपिंग केंद्र का निर्माण कराया गया। इसके साथ ही सेटिंग मशीन आदि की भी खरीद हुई बावजूद यह कार्ययोजना कछुए की चाल चल रही है। जानकार बताते है कि कचरे से बने हुए खाद में जैविक तत्व अधिक होते है और यह मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाता है। डंपिंग केंद्र पर यह खाद चालीस दिनों के अंदर बनकर तैयार हो जाता है। शहर के वार्डों में डोर-टू-डोर सूखे और गीले कचरे की उठाव को लेकर डस्टबीन लगे रिक्शा गाड़ी और ई रिक्शा को मंगाया गया था। इसके जरिये सफाईकर्मी नीले डब्बे में सूखा कचरा और हरे डब्बे में गीला कचरा का उठाव कर अलग-अलग जगहों पर डंप करते लेकिन धीरे-धीरे रिक्शा गाड़ी भी जर्जर हालत में पहुंच गयी तथा कई ई-रिक्शा भी काम करना बंद कर दिया। साथ ही, घरों से निकलने वाले कचरे को भी अलग-अलग डब्बों में उठाकर रखने की योजना तैयार की गयी। इसके लिए नप प्रशासन ने हर वार्डों के परिवारों के बीच नीला व हरा डस्टबीन का वितरण किया लेकिन ताज्जुब की बात है कि सफाईकर्मियों को केवल सूखे कचरे ही प्राप्त होते है।

जागरूकता में फिसड्डी रहा मिशन

नप प्रशासन ने स्वयं सहायता समूह की महिला टीम को तैयार कर नीले व हरे डस्टबीनों में अलग-अलग कचरा रखने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का मिशन बनाया था, जिसमें सिटी मिशन प्रबंधक के साथ-साथ महिला टीम की भागीदारी दी गयी थी लेकिन नप का यह मिशन भी शिथिल रहा। इसके लिए समूह की महिलाओं को न ट्रेनिंग दी गयी और न ही इसकी सूची तैयार की गयी। अगर यह योजना शुरू होती तो कई महिलाओं को रोजगार मिलता।

विवादित रहा कूड़ा डंपिंग केंद्र

शहर में बनाये गये तीन कूड़ा डंपिंग केंद्र विवादित हो गये, जिससे कूड़ा-कचरा अन्य जगहों पर फेंका जा रहा है। इसके लिए वरीय अधिकारियों के यहां लिखा जायेगा।

- अनिरुद्ध कुमार, ईओ, डुमरांव

एक नजर

विकास पाठक बने जनसुराज के जिलाध्यक्ष विकास ठाकुर को बनाया गया उपाध्यक्ष

डुमरांव। मंगलवार को प्रशांत किशोर के जन सुराज टीम का गठन डुमरांव में किया गया। गठित कमिटि में विकास पाठक को अध्यक्ष जबकि उप चेयरमैन विकास ठाकुर को उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावे श्याम जी शर्मा को सचिव, कोषाध्यक्ष लालजी केशरी को, मीडिया प्रभारी शत्रुघ्न प्रसाद को बनाया गया है। अपने संबोधन में नये अध्यक्ष विकास ने कहा कि डुमरांव में जन सुराज को मजबूत करने के लिए रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गांव गांव घुम कर जन सुराज के संगठन को मजबूत किया जाएगा। विकास ने कहा कि जन सुराज के संस्थापक तथा राजनीति के चाणक्य प्रशांत किशोर के सपनों को साकार किया जाएगा। इस दौरान जन सुराज प्रदेश के अधिकारी उपस्थित थे। मौके पर प्रमोद त्रिपाठी, रवि ठाकुर, संतोष साह, हेमंत, सुधीर, संजय सिंह, डॉ. जैनुल होदा, अजित कुमार एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे।

दलित बस्ती में पेयजल के लिए मचा हाहाकार

डुमरांव। स्थानीय नगर के स्टेशन रोड के राज हाई स्कूल के पास स्थित दलित बस्ती में पिछले एक महीने से पेयजल के लिए हाहाकार मचा है। जिस कारण दलित बस्ती वालों में नगर परिषद प्रशासन के प्रति आक्रोश गहरा गया है। मिली जानकारी के अनुसार दलित बस्ती में जलापूर्ति के लिए पाइप बिछाया गया है। यहा पीएचईडी तथा सात निश्चय के जलमीनारों से जलापूर्ति होती है। लेकिन जलापूर्ति पाइप फटने के कारण उसमें से गंदा पानी आ रहा है। जिस कारण जलापूर्ति का पानी पीने लायक नहीं बचा है। बस्ती वाले किसी तरह दूसरे के निजी पंप के सहारे पीने के पानी का व्यवस्था कर रहे है। बस्ती के मूसा डोम, अनिता देवी आदि का कहना है कि यह समस्या करीब एक महीने से बना हुआ है। जलापूर्ति के पाइप से गंदा पानी आने तथा उसमें कभी कभी कीड़े भी दिखाई देते है। जिससे पीने के पानी के लिए दूसरे के घरों पर निर्भर रहना पड़ रहा हैं। इस मसले पर नगर परिषद बेफिक्र बना हुआ है।

पंचांग पूजन के साथ विधिवत शुरू हुआ महायज्ञ, भक्ति गीतों से गूंज उठा वातावरण

डुमरांव। डुमरांव के अरैला गांव में श्रीराम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ व श्रीराम कथा में मंगलवार को वैदिक विधान से अरणी मंथन व पंचांग पूजन किया गया। वहीं, यज्ञाचार्य दीपक तिवारी बाबा के नेतृत्व में पूरे दिन विविध तरह के वैदिक पूजन व हवनादि किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा प्रभु श्रीराम के जयकारे एवं महिला श्रद्धालुओं के भक्ति गीत से वातावरण गूंज उठा। शाम में श्रीराम कथा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने कथामृत का पान किया। महंत दीपक तिवारी जी महाराज ने बताया कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की कथावाचिका विदुषी अंजनी गोस्वामी जी द्वारा श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का प्रवचन कर रही है। इसके अलावे आचार्य आदित्य तिवारी जी महाराज, आचार्य अंकित ओझा, आचार्य अखिलेश उपाध्याय, आचार्य अभिषेक तिवारी, आचार्य निरंजन शुक्ला सहित कई साधु-संतों की टोली इस महायज्ञ में शामिल हुए है। 10 जून से शुरू होने वाले इस महायज्ञ का समापन 14 जून को होगा। उस दिन विशाल भंडारे का भी आयोजन होगा।। कलश यात्रा के दौरान पिंटू राय, जयप्रकाश राय, लालू राय, अमित कुमार, श्रीदेव राय बब्लू राय, पंकज राय, रवि राय, अरविंद राय सहित अन्य शामिल थे।

खबरें फटाफट

मोदी के पीएम बनने पर लोगों ने दी बधाई

डुमरांव। मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से बधाईयों का ताता लग गया है। मानवाधिकारी संरक्षण प्रतिष्ठान के जिलाध्यक्ष सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रामबहादुर सिंह ने खुशी जाहिर किया है। उन्होंने कहा की इनके हाथों में देश का भविष्य सुरक्षित रहेगा और देश का विकास होगा। खुशी जाहिर करने वालों में जवाहर राम, टिंकु ठाकुर, मदन शुक्ला, राजीव रंजन सिंह, श्रीकांत ओझा, बिनोद चौबे, लक्ष्मी सिंह, योगेन्द्र सिंह, राधा सिंह, मदनजीत सिंह, सतीश जायसवाल व अन्य शामिल रहे।

एडिशन ट्रांसफार्मर से शीघ्र होगी आपूर्ति

डुमरांव। बिजली कंपनी शहर में लगाए गए एडीशनल ट्रांसफार्मरों से शीघ्र बिजली आपूर्ति शुरू करेगी। एडीशनल ट्रांसफार्मरों से बिजली आपूर्ति शुरू होते ही शहर की विद्युत आपूर्ति दुरूस्त हो जाएगी। मंगलवार को स्टेशन रोड में महाराज पेट्रोल पंप के पास लगे एडीशनल ट्रांसफार्मर से आपूर्ति शुरू करने के लिए तार आदि लगाए जा रहे थे। टाउन जेई मनीष कुमार ने बताया कि जल्द ही शहर में लगे सभी एडीशनल ट्रांसफार्मरों से बिजली आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

एनजीओ के द्वारा वेतन भुगतान नहीं करने से मजदूरों में आक्रोश

अनुमंडलीय अस्पताल के सफाई मजदूरों का 4 माह से वेतन अवरूद्ध, दी चेतावनी

♦ मजदूरों ने काम बंद करने की दी धमकी
♦ जीविका को सौंपी जाएगी सफाई की कमान

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल के सफाई मजदूरों का वेतन चार माह का बकाया चल रहा है। अस्पताल की सफाई व्यवस्था संभाल रखा एनजीओ इवान्ता ग्लोबॉल प्रा. लि. टीम ने। मजदूरों ने मंगलवार को बकाया महीना राशि की भुगतान के लिए अस्पताल प्रबंधक देवेन्द्र तिवारी को उनके कक्ष में घेर कर बकाया राशि के भुगतान की मांग कर रहा था। मांग करने वालों में अधिकांश महिला मजदूर थी। बता दें की इस महीने तक इवान्ता ग्लोबॉल प्रा. लि. एनजीओ ही काम करेगा। अगले माह से जीवीका दीदी के हाथों में सफाई का कार्य चला जाएगा। यही कारण है कि वर्तमान में जो एनजीओ है बकाया राशि के भुगतान करने में मनमानी कर रहा है। पहले यह एनजीओ मजदूरों की नगर राशि भुगतान करता था। इसका पोल उस समय खुला जब स्थानीय विधायक अजीत कुशवाहा ने अस्पताल का निरीक्षण किया था।

अस्पताल के निरीक्षण में विधायक ने सफार मजदूरों से वेतन भुगतान के संबंध में पुछा था। पुछने पर ही पता चला की न्यूनतम मजदूरी से कम मजदूरों को भुगतान दिया जा रहा है। उन्होंने सफाई एनजीओ से भुगतान एकाउट्स के माध्यम से करने के लिए आदेशित किया। जब से एकाउंट में मजदूरों का पैसा आ रहा है, सही आ रहा है, लेकिन जो पैसा बकाया है, उसे अभीतक भुगतान नहीं कर उन्हें टरकाया जा रहा है। इधर सफाई का काम जीवीका दीदी को मिलने वाला है, पैसा देने में एनजीओ आनाकानी करने लगा है। उसी को लेकर मंगलवार को सफाई मजदूर अस्पताल प्रबंधक से बकाया राशि का भुगतान करने की बात कर रहा है। मांग करने वाली सफाई मजदूरों में चांदमुनी देवी, लालझरी देवी, अनीता देवी, शीतल देवी, पार्वती देवी, अनीता देवी, मीरा दवी, बिंदा देवी, सुंदरी देवी, रीना देवी सहित अन्य का कहना है कि हमलोगों का चार महीने का पैसा बकाया है। मजदूरों के पास एनजीओ का पैसा दिलवाने की झंझट से अस्पताल प्रबंधन अपना पल्ला झाल रहा है। अस्पताल के डीएस डा. गिरीश कुमार सिंह ने बताया की यह सारे कार्य विभाग के द्वारा किया गया है। अस्तपाल को केवल सफाई की निगरानी रखनी थी।

अनुमंडलीय अस्पताल में डॉक्टरों की मनमानी से मरीज हो रहे परेशान

डुमरांव। अनुमंडलीय अस्पताल की ओपीडी सेवा में डाक्टरों की मनमानी से मरीजों को भारी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। अस्पताल से कभी जेनरल फीजिसियन तो कभी बच्चा के डाक्टर हो जाते हैं, नादरद, यह सिलसिला बहुत दिनों से चलता आ रहा है। मंगलवार को रोस्टर के अनुसार पांच डाक्टरों की ओपीडी सेवा देना था, लेकिन दे रहे थे मात्र दो। उसमें भी एक महिला चिकित्सक डा. प्रेमा कुमारी मौजूद थी, तो दूसरा बच्चा के डाक्टर डा. उमेश कुमार अपनी सेवा दे रहे थे। अन्य तीन डाक्टरों में डा. जुनैद अख्तर व डा. सुमित सौरव छुट्टी पर थे। वहीं समान्य चिकित्सक डा. शिवकुमार चौधरी नादरद थे। डाक्टरों के कमी को लेकर बच्चा के डाक्टर समान्य चिकित्सक बन मरीज को देख रहे थे।

विदित हो कि अनुमंडलीय अस्पताल की ओपीडी सेवा में वैसे ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा दी जाती है, जिससे मरीजों को उनका लाभ मिल सके। वर्तमान समय में अनुमंडलीय अस्पताल की स्थिति इसके बिल्कुल अलग है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को ओपीडी सेवा में पांच डाक्टरों में दो डाक्टर डा. सुमित सौरव व डा. जुनैद अख्तर छुट्टी पर थे। वहीं तीसरे डाक्टर में डा. शिवकुमार चौधरी बगैर सूचना के गायब थे। उनके नहीं रहने पर बच्चा के डाक्टर ही सभी मरीज को देख रहे थे। महिला चिकित्सक भी महिला के अलावे पुरूष मरीजों को भी देख रही थी। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि अस्पताल में पदस्थापित चिकित्सक अपने जिम्मेवारी कैसे निभा रहे हैं।

डुमरांव रेलवे स्टेशन के बाहर अतिक्रमण के कारण रोज लग रहा जाम

♦ रेल यात्रियों के साथ साथ अन्य राहगीरों को आने-जाने में झेलनी पड़ रही फजीहत

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव रेलवे स्टेशन के बाहर सड़क पर वाहन चालकों द्वारा मनमाने ढंग से हर दिन अपने वाहनों को खड़ा किया जाता है। इस कारण उक्त रास्ते से आने जाने वाले यात्रियों को फजीहत झेलनी पड़ती है जिसे देखने वाला कोई नहीं है। रेल प्रशासन द्वारा स्टेशन परिसर से बाहर आने-जाने वाले रेल यात्रियों की सुविधा के लिए एक बाइक स्टैंड व एक ऑटो स्टैंड बनाया गया है। इसके लिए जगह भी अलॉट की गई है जहाँ चार्ज देकर स्टैंड में लोगों को अपना वाहन लगाना है लेकिन जहां बाइक चालक अपनी बाइक को यत्र-तत्र खड़ा कर देते है वहीं अन्य वाहन चालकों द्वारा भी पूर्व से निर्धारित वाहन लगाने की अलॉट जगह के बजाय सड़क किनारे ही अपने वाहन को मनमाने ढंग से लगा दिया जाता है। इसके अलावा जब भी कोई ट्रेन आती है और जब पैसेंजर ऑटो या जीप पकड़ने के लिए निकलते हैं तो स्थिति और विकट हो जाती है। कई बार तो यात्री घबरा भी जाते हैं क्योंकि स्टेशन के बाहर निकलते ही वाहन चालकों द्वारा जबरन यात्रियों को अपने वाहन में बैठाने की होड़ में यात्रियों के सामान भी लेकर अपना वाहन में रख देते हैं। ऐसे में यात्रियों को उस वाहन में बैठने की विवशता बन जाती है। रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने बताया कि इस समस्या को लेकर लिखित शिकायत रेलवे अधिकारियों के साथ रेल पुलिस को भी दी गयी हैं।

अतिक्रमण की गिरफ्त में है सड़क : रेलवे स्टेशन के सामने स्थित सड़क अतिक्रमण की गिरफ्त में है। इस सड़क पर महावीर मंदिर से लेकर सूत मिल गेट तक एक छोर पर ऑटो व ई रिक्शा चालकों का कब्जा है। जो यात्रियों के इंतजार में अपने वाहन लगाये रहते हैं। जबकि, रेलवे द्वारा इन वाहनों के लिए अलग स्टैंड रखा गया है। इसी छोर पर स्टेशन आये लोगों द्वारा अपनी बाइक खड़ा कर दिया जाता है। खासकर पूछताछ के सामने सबसे अधिक बाइकें खड़ी होती है। इससे टिकट काउंटर व सीढ़ी तक जाने का रास्ता ही नहीं बचता है। जबकि, सड़क के दोनो छोर पर फल बेचने वाले ठेला चालकों का कब्जा रहता है। इस कारण बीस फीट चौड़ी सड़क सिमट कर महज पांच-छह फीट रह जाती है। फिर सुबह से लेकर देर शाम तक जाम से जूझने की विवशता रेल यात्रियों के साथ ही सड़क से आने-जाने वाले लोगों को होती है।

बकरीद के मद्देनजर डीएम-एसपी के नेतृत्व में हुई शांति समिति की बैठक, बोले डीएम...

शांतिपूर्ण व सद्भावना पूर्व माहौल में मनाएं बकरीद

♦ समिति के सदस्यों ने पदाधिकारियों के समक्ष रखें अपने सुझाव

केटी न्यूज/बक्सर

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के द्वारा मंगलवार को संयुक्त रूप से आगामी ईद-उल-जोहा (बकरीद) पर्व के दृष्टिगत जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। बैठक में उपस्थित जिला शांति समिति के सदस्यों के द्वारा ईद-उल-जोहा को लेकर अपने-अपने सुझाव डीएम एवं एसपी के समक्ष रखा गया एवं विमर्श किया गया।

डीएम ने उपस्थित सदस्यों, सभी जिला एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों को विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए आगामी ईद-उल-जोहा (बकरीद), पर्व को शांतिपूर्ण एवं सदभावना पूर्वक मनाये जाने का अनुरोध किया गया। डीएम ने कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया कि आगामी पर्व के पूर्व बक्सर एवं डुमरांव के एसडीओ से समन्वय स्थापित कर पर्व के निमित सभी रूट की सूची प्राप्त कर लेंगे तथा निर्धारित रूट के सभी मार्गों के लूज एवं लटके हुए तारों की मरम्मती कराने को कहा गया। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर एवं डुमरांव को निर्देश दिया गया कि बकरीद से पहले सभी मार्गों की साफ-सफाई कराते हुए चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराना सुनिश्चित करेंगे। जिला पदाधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि 16 जून को गंगा दशहरा स्नान एवं 17 जून को निर्जला एकादशी स्नान मनाया जाएगा। जबकि बकरीद का त्योहार भी 17 जून को ही मनाया जाना है। इसे देखते हुए सभी अंचल अधिकारी एवं थाना अध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि चिन्हित घाटों जैसे रामरेखा घाट आदि का विशेष रूप से निगरानी रखना सुनिश्चित करेंगे। सभी एसडीओ, बीडीओ, सीओ एवं थानाध्यक्ष, बक्सर जिला को निर्देश दिया गया कि शांति समिति में पूर्व सैनिकों को भी सम्मिलित करेंगे।

एसपी ने बाइक से गश्त कर नजर रखने का दिया निर्देश : एसपी ने सभी थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि बाइक गश्ती के माध्यम से बकरीद पर्व के दौरान विधि व्यवस्था पर नजर बनाए रखेंगे। सोशल मीडिया पर किसी भी आपतिजनक पोस्ट पर अविलंब संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। पुलिस अधीक्षक के द्वारा बताया गया कि सभी मस्जिदों के आसपास पुलिस बल एवं पेट्रोलिंग पार्टी की प्रतिनियुक्ति की जाएगी।

दाखिल खारिज के लंबित मामलों के निष्पादन के लिए लगेगा विशेष कैंप

बक्सर। मंगलवार को पटना प्रमंडल के आयुक्त की अध्यक्षता में राजस्व संबंधी मामले पर प्रमंडल स्तरीय समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। उक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में डीएम अंशुल अग्रवाल शामिल हुए। दाखिल खारिज के वैसे लंबित मामले जो समय सीमा के उपरांत भी लंबित हैं, उनके त्वरित निष्पादन के लिए विशेष कैंप का आयोजन कर मामलों के निष्पादन का निर्देश दिया गया। साथ ही आवेदक के पक्ष को सुने बगैर किसी भी दाखिल खारिज आवेदन को अस्वीकृत नहीं करने को कहा गया। जबकि परिमार्जन के वैसे मामले जो बहुल्य संख्या में लंबित हैं, उसका विभागीय नियमानुसार त्वरित गति से ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान मिले निदेर्शों को सभी अंचलाधिकारियों को जानकारी देते हुए उसका अक्षरशः पालन का निर्देश दिया गया।

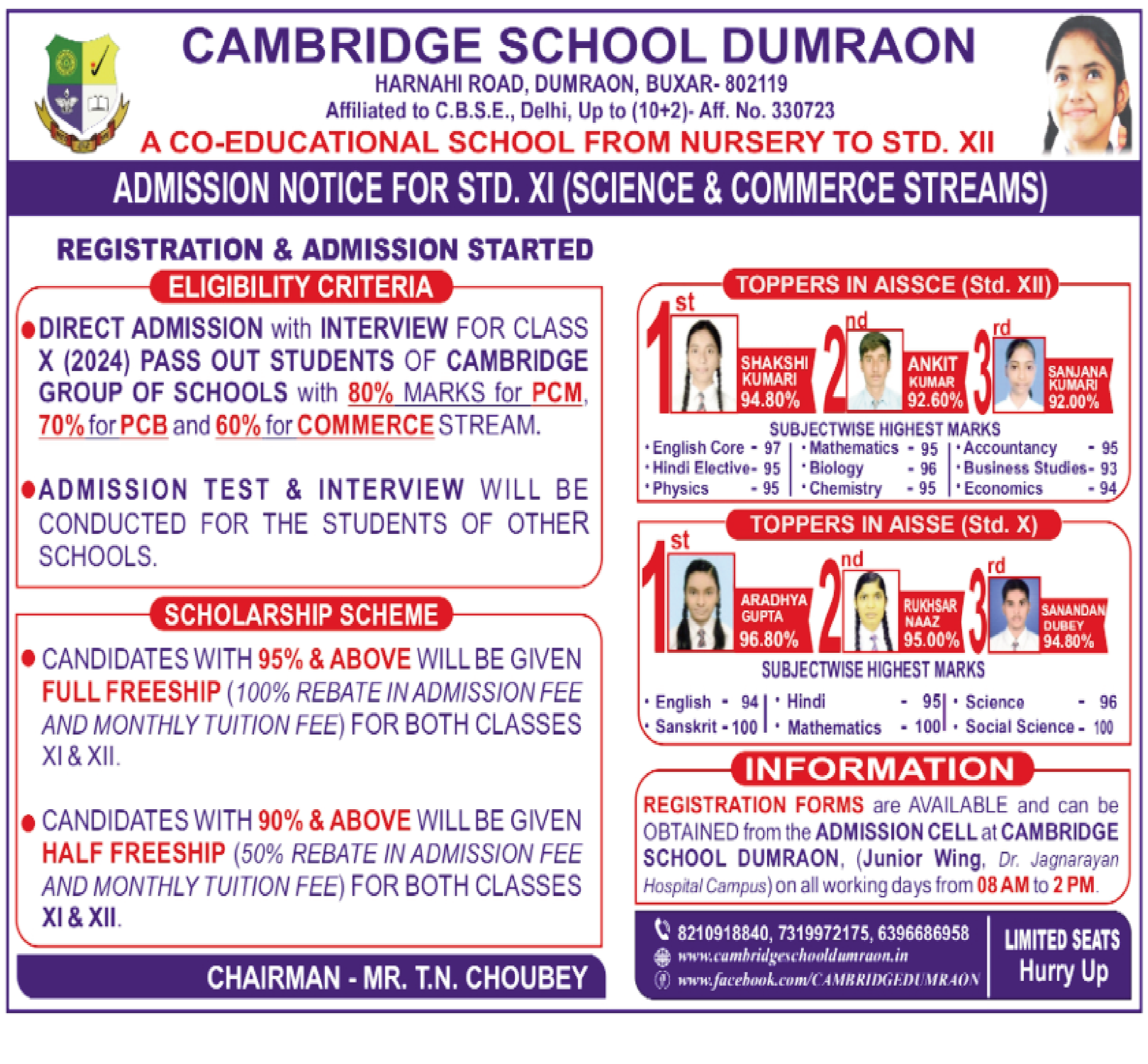

राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक सुलह के मामले को चिन्हित करें : जिला जज

केटी न्यूज/जहानाबाद

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देशानुसार जूलाई 13 जुलाई 2024 को आयोजित होने वाले वर्ष के द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर जिला जज ब्रजेश कुमार ने न्यायिक पदाधिकारी के साथ की पुनः समीक्षा बैठक जिला जज ने उपस्थित न्यायिक पदाधिकारी को संबोधित करते हुए कहा कि सभी लोग मिलकर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी करें। अब तक पहचान किए गए आपराधिक सुलहनिय मामलों की सूची में और वृद्धि करें। ज्यादा से ज्यादा मामला तुरंत चिन्हित कर और नोटिस जारी करने के कार्यों में तेजी लाएं। आमजनों गरीब वंचितों असहाय निर्धन लोगों को निःशुल्क न्याय के अंतर्गत राष्ट्रीय लोक अदालत के बैनर तले ज्यादा मामला निष्पादन करनें में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। तभी प्राधिकार के दायित्व का संकल्प पूरा होगा।

समय से पूर्व ही अपराधिक सुलहनिय, चिन्हित मामलों में प्रिसिटिंग के माध्यम से वाद निष्पादन करने के लिए गंभीरता पूर्वक सरल एवं लचीला तथा व्यावहारिक रूप अपनावे ताकि ज्यादा से ज्यादा मामला निष्पादन हो सके। जिला जज ने प्राधिकार सचिव रणजीत कुमार से कहा कि न्यायालय से निर्गत नोटिस को और तेज गति से तामिल करने के लिए पूर्व से प्रतिनियुक्त किए गए पारा विधिक स्वयंसेवक के स्थान पर और अधिक पारा विधिक स्वयंसेवक की प्रतिनियुक्ति करें। ताकि ज्यादा से ज्यादा नोटिस का तामिल सुनिश्चित कराया जा सके।

प्राधिकार सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए 11 के स्थान पर 15 पारा विधिक स्वयंसेवक को जिले के सभी प्रखंड एवं थाना स्तर पर नोटिस तामील करने के लिए प्रतिनियुक्ति किया गया है। एवं सभी थाना अध्यक्ष के स्तर से भी नोटिस तामील करने की व्यवस्था की गई है। साथ ही सभी पारा विधिक स्वयंसेवक को जागरूकता के माध्यम से यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि आगामी 13 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत के समापन उपरांत तुरंत ही एक विशेष लोक अदालत का आयोजन माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के द्वारा दिनांक 29 जुलाई से 3 अगस्त तक की गई है। इसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित सुलहनीय मामलों को निपटारा कराया जाएगा। इस बैठक में अदिति कुमारी अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी चतुर्थ, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी कुमारी डिंपी, अंकित रंजन , उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

देशी शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

दिनारा। उत्पाद विभाग ने शराब के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया । इस संदर्भ में जानकारी देते हुए बिक्रमगंज अनुमंडल उत्पाद निरीक्षक भिखारी कुमार ने बताया कि दिनारा थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 9 डिलिया टोला निवासी स्वर्गीय बिरजू साह के पुत्र संजय साह के पॉकेट से 8 पी एम कंपनी का एक फ्रूटी पैक विदेशी शराब बरामद किया गया । उन्होंने कहा कि उक्त मामले में आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है । तो वहीं दूसरी ओर उत्पाद विभाग ने छापेमारी अभियान चलाकर संझौली थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 10 अमेठी निवासी अनिरुद्ध पासवान को 5 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । श्री कुमार ने कहा कि गिरफ्तार दोनों आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत सासाराम न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया । थानाध्यक्ष ने बताया कि लोकसभा चुनाव खत्म हो जाने के बाद शराब तस्करों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। विशेषकर महादलित टोला पर नजर रहेगी। अक्सर यह देखने को मिलता है कि महादलित टोला में घर में ही शराब का निर्माण होता है। इसके बाद उसे बेचा जाता है।

13 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत, सचिव ने की बैठक

सासाराम। आगामी 13 जुलाई शनिवार को जिले में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सचिन कुमार मिश्रा ने स्थानीय पत्रकारों के साथ एक बैठक की। मंगलवार को सुबह 11:00 बजे आयोजित उक्त बैठक में सचिव ने राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने एवं उसका प्रचार प्रसार करने में सहयोग करने हेतु पत्रकारों से विचार विमर्श किया। बताते चलें कि आगामी 13 जुलाई को जिले के तीनों अनुमंडल मुख्यालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सभी प्रकार के सुलहनीय मामलों का नि:शुल्क निबटारा किया जाएगा। पीएलवी के माध्यम से केसों को चिन्हित कराया जा रहा है। ताकि पीड़ितों को सहायता दी जा सके। मौके पर पत्रकारों में संजय कुमार तिवारी, भारत भूषण दुबे, विकास कुमार, चंद्रशेखर सिंह, धीरज कुमार सिंह, टीपू सुल्तान, नरेंद्र कुमार, अविनाश कुमार सहित कई पत्रकार उपस्थित रहे।

प्रदर्शन कर रहे मजदूरों ने मनरेगा कार्यालय का मुख्य दरवाजा पर जड़ा ताला

झाड़ू लेकर मनरेगा कार्यालय पहुंची महिला मजदूरों ने पीओ व कर्मियों की कर दी पिटाई

- कारा‌काट मनरेगा कार्यालय में महिला व पुरुष मजदूरों ने ताला बंद कर पूरा दिन किया प्रदर्शन, मजदूरी भुगतान करने की मांग को लेकर प्रखंड मनरेगा कार्यालय दो दिनों से डटे है प्रदर्शनकारी
- प्रदर्शन के दौरान महिला मजदूरों ने पीओ सहित कई कर्मियों को झाड़ू से पिटाई की । दो दिन से लगातार चल रहा है मनरेगा कार्यालय कि घेराबंदी

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट प्रखंड मुख्यालय के मनरेगा कार्यालय में मनरेगा मजदूरों ने सोमवार और मंगलवार को ताला बंद कर मजदूरी भुगतान करने की मांग को लेकर जोरदार हंगामे के साथ प्रदर्शन किया। हंगामे के दौरान महिला मजदूरों ने पीओ के कक्ष में घुस कर झाड़ू से हमला बोल दिया वही कई कर्मियों को भी पिटाई कर दी । हंगामे के दौरान महिला मजदूरों ने मनरेगा के प्रखंड पीओ के साथ साथ कई कर्मियों को झाड़ू से पिटाई की । प्रदर्शन कर रहे मजदूरों ने मनरेगा कार्यालय का मुख्य दरवाजा पर ताला लगा कर उस पर बैनर टांग दिया। ग्रामीण मजदूर यूनियन बिहार के बैनर तले दो दिनों से मुख्य गेट पर ताला बंद कर प्रदर्शनकारी डटे हुए है। मनरेगा कार्यालय में तालाबंदी से दो दिनों से कार्य ठप पड़ा हैं । प्रदर्शनकारी ने पीओ हटाओ प्रखंड बचाओ, इस पीओ कि तीन दवाई, लताम, जूतम और पिटाई जैसे नारेबाजी के साथ जमकर हंगामा किया। मनरेगा मजदूरों ने पीओ पर आरोप लगाते हुए कहा कि पीओ कि मिलीभगत से रात्रि के समय जेसीबी से खोदाई कराया जाता है और मनरेगा मजदूरों कि मजदूरी मारी जाती हैं। मजदूरों में कहा कि मोथा पुल से सटे दो करहा की खुदाई जेसीबी से किया जा रहा है और सबकुछ जानते हुए पीओ आंख बंद कर मजदूरों के पेट पर लात मारने का काम कर रहे है। ।मजदूरों का आरोप था कि यह सब मनरेगा के अधिकारियों की देखरेख में हो रहा है। यदि कोई इस पर शिकायत करता है। तब अधिकारी नजरअंदाज कर देते है। ऐसे में मजदूर जाये तो जाये कहां। उनके परिवार के समक्ष भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। वहीं अमीरों की जेब को भरा जा रहा है। मनरेगा मजदूरों ने बताया कि सकला निवासी सुदामा साह का बीस दिन का तथा योगेंद्र चौधरी का सोलह दिन का मनरेगा से कार्य किया था जिसका भुगतान नहीं किया गया । कई बार कार्यालय का चक्कर काटा लेकिन मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया। सकला बाजार के सोलह मजदूरों, गम्हरियां पंचायत के बेलवाई के मजदूरों ने मनरेगा के तहत मजदूरी कराया गया था लेकिन कार्य की मजदूरी नहीं दी गई।

जिसके बाद मनरेगा कार्यालय में मजदूरों ने तालाबंदी कर मजदूरी का भुगतान करने की मांग किया। कार्यक्रम पदाधिकारी काराकाट राजेश कुमार ने बताया कि मजदूरी भुगतान जल्द किया जाएगा। पंचायत रोजगार सेवक को मजदूरों के मजदूरी कि रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है। मनरेगा के तहत जैसे ही राशि आ जाएगी तो मजदूरों के मजदूरी का भुगतान कर दिया जाएगा। कार्यालय में तालाबंदी और झाड़ू से पिटाई के सवाल पर बताया कि ये गलत बात है तालाबंदी और मार पीट किसी भी मामले का समाधान नहीं है। ऐसे गलत तरीके अपना कर मजदूरी का भुगतान नहीं होगा जब तक मजदूरी कि रिपोर्ट व राशि उपलब्ध नहीं होगी तो मजदूरी का भुगतान कैसे किया जाएगा ।

ग्रामीण मजदूर यूनियन बिहार ने मनरेगा कार्यालय में तालाबंदी और मारपीट कर कानून के खिलाफ कार्य किया गया है । जो कार्य बातचीत से हल किया जा सकता है उसे तालाबंदी और मारपीट से नहीं किया जा सकता। मजदूर मनरेगा से कार्य किये है तो उसकी मजदूरी मिलेगी मनरेगा कार्यालय के अधिकारी व कर्मी मजदूरों के मजदूरी का रिपोर्ट बनाने को कहा गया हैं। रिपोर्ट तैयार होते ही मनरेगा मजदूरों कि राशि उनके अकाउंट में डाल दिया जाएगा । चुनाव को लेकर कुछ कामों में दिक्कत आई थी अब सब ठीक है राशि आते ही सभी मजदूरों की राशि भुगतान कर दिया जाएगा। प्रयास किया जा रहा है कि मनरेगा मजदूरों को अधिक से अधिक काम मिले। उन्हें किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

कचरे से उठी चिंगारी से झोपड़ी जली, बच्चों व महिलाओं ने भाग कर बचाई जान

- सदर अस्पताल परिसर की मंगलवार की दोपहर की घटना, देर तक मची रही अफरा-तफरी
- कचरे की ढेर से चिंगारी से झोपड़ी में रखा सिलेंडर फटा और लग गयी आग

केटी न्यूज / आरा

सदर अस्पताल परिसर में मंगलवार की दोपहर कचरे की ढेर से उठी चिंगारी से एक झोपड़ी में आग लग गई। उससे झोपड़ी देखते ही देखते पूरी तरह जल गयी। हालांकि झोपड़ी में मौजूद बच्चों और महिलाओं ने भागकर अपनी जान बचा ली। बाद में फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा आग पर काबू पाया गया। उससे एक बड़ा हादसा टल गया। अगलगी की घटना दोपहर करीब तीन बजे की है। उसे लेकर देर तक अफरातफरी मची रही। बताया जा रहा है कि सदर अस्पताल परिसर में जिला औषधि स्टोर के बगल में स्थित परती जमीन पर कचरा डाला जाता है। दोपहर उस कचरे में किसी द्वारा आग लगा दी गई। इधर, तेज हवा के कारण आग फैल गयी और बगल में स्थित एक झोपड़ी तक पहुंच गयी।

उस दौरान आग आग की चपेट में आने से झोपड़ी में रखा गया सिलेंडर फट गया। उससे झोपड़ी पूरी तरह जल गई। हालांकि झोपड़ी में मौजूद बच्चे और महिलाएं बाल-बाल बच गये। उससे अस्पताल में हड़कंप मच गया। तब अस्पताल प्रशासन और पुलिस पदाधिकारी की ओर से तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गयी। सूचना मिलने पर प्रभारी अग्निशामक पदाधिकारी मो. सेराज खां अपनी टीम के साथ अस्पताल पहुंचे और आग को बुझाया गया। हालांकि कैसे लगी। इस बात की जानकारी नहीं मिल पायी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी ने खाना बनाने के बाद चुल्हें की आग को पूरी तरह से नहीं बुझाया होगा। वहीं आग बाद में विकराल रूप धारण कर ली है। इस घटना में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है।

चोरी के मोटर के साथ एक चोर गिरफ्तार दूसरा फरार

दिनारा। बिक्रमगंज अनुमंडल अंतर्गत नटवार थाना क्षेत्र के तेनुअज बधार से खेत में लगे दो मोटर को बीते दिन अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तेनुअज निवासी वीर बहादुर राय एवं राजपुर निवासी महेंद्र तिवारी का मोटर तेनुअज बधार के खेतों में लगा हुआ था । जिस मोटर को अज्ञात चोरों ने खेतों से चोरी कर ली। जिस मामले को लेकर दोनों पीड़ित लोगों ने चोरी की घटना को लेकर स्थानीय थाना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया । जिस मामले में पुलिस ने कांड दर्ज करते हुए गुप्त सूचना के अनुसार शक के आधार पर थाना क्षेत्र के असियां निवासी रुपेश यादव को हिरासत में ले लिया। उसके उपरांत पुलिस ने हिरासत में लिए गए चोर से मोटर चोरी की घटना को लेकर पूछताछ की। जिस दौरान गिरफ्तार चोर ने मोटर चोरी की घटना को कबूला। साथ ही अपने साथियों का नाम भी उजागर किया है।

कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

नवादा। कार्यकताओं ने इस अवसर पर लगातार तीसरी बार मोदी सरकार बनने पर पीएम मोदी एवं मंत्रीमंडल में सम्मिलित सभी मंत्री को शुभकामनाएं दी।

जहानाबाद जिला में खरीफ महाभियान की हुई शुरूआत

खरीफ फसलों के उत्पादन के लिए प्रचार-प्रसार की जरूरत : संजय

केटी न्यूज/जहानाबाद

अब्दुलबारी नगर भवन में आत्मा के द्वारा खरीफ महाभियान 2024 के अंतर्गत जिला स्तरीय खरीफ कर्मशाला-सह- प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विधित्व शुभारंभ अपर समाहर्ता ब्रजेश कुमार, उप विकास आयुक्त धनंजय कुमार एवं उप निदेशक पौधा संरक्षण, मुख्यालय, बिहार, पटना देवनाथ प्रसाद के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। उनके द्वारा जिले के सभी कृषि प्रसार कर्मियों को विभाग की योजनाओं को किसानों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाने का निदेश दिया गया

और जहानाबाद जिला के किसानों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने हेतु अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करने के लिए आवाह्न किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी -सह- परियोजना निदेशक आत्मा जहानाबाद संजय कुमार के द्वारा खरीफ महाभियान कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उनके द्वारा बताया गया कि इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य जिला में खरीफ महाभियान की हुई शुरूआत किया जाना है। उनके द्वारा खरीफ मौसम में राज्य मुख्यालय से प्राप्त लक्ष्य, धान, मक्का और मोटे अनाज (मिलेट्स) फसलों के प्रत्यक्षण आदि योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। मोटे अनाज मिलेट्स फसलों का प्रत्यक्षण क्लस्टर में किया जाना है। पोषक तत्वों से भरपूर मोटे अनाज फसलों की खेती हमें अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने खरीफ मौसम में कृषि विभाग के कार्यक्रमों की रूपरेखा को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन-प्रोजेक्टर के माध्यम से उपस्थित सभी कृषि प्रसार कर्मियों एवं आगंतुक किसानों को बताया। उनके द्वारा कृषि यांत्रिकरण योजना, कस्टम हायरिंग सेन्टर योजना के साथ-साथ फसल अवशेष प्रबंधन के तहत मिलने वाले कृषि यंत्रों पर अनुदान आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। वरीय वैज्ञानिक -सह- प्रधान, कृषि विज्ञान केंद्र गंधार, जहानाबाद डॉ. मुनेश्वर प्रसाद के द्वारा के.भी.के. अंतर्गत संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला पशुपालन पदाधिकारी जहानाबाद चंद्रशेखर प्रसाद, रजनीकांत, सत्येंद्र कुमार प्रसाद, सहायक निदेशक (शष्य) भूमि संरक्षण, जहानाबाद राम लखन ठाकुर, रुपेश कुमार अग्रवाल, गुंजन कुमार, अहमद अली रजा, मो. जावेद आलम, नेहा, इंदू सिन्हा, श्वेता प्रिया, अनिल कुमार, गौरव, विनोद कुमार सिंह के द्वारा उनसे संबंधित संभाग,विभाग,कार्यालयों द्वारा संचालित कृषक हितकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

एक नजर

युवक अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार

आरा। बिहिया थाने की पुलिस ने सोमवार की रात आपराधिक वारदात को अंजाम देने निकले एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक देसी कट्टा और दो गोलियां बरामद की गयी है। गिरफ्तार युवक बिहिया के शिक्षक कॉलोनी निवासी सोनू गुप्ता है। उसे देर रात शिक्षक कॉलोनी स्थित कस्तूरबा गर्ल्स स्कूल के पास से गिरफ्तार किया गया। एसपी नीरज कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को प्रेस रिलीज जारी कर यह जानकारी दी गई। बताया गया है कि सोमवार की रात करीब साढ़े नौ बजे सूचना मिली कि कस्तूरबा गर्ल्स स्कूल के पास एक लड़का किसी वारदात को अंजाम देने की नीयत से हथियार के साथ घूम रहा है। उस पर लड़के की गिरफ्तारी और हथियार बरामदगी को थानाध्यक्ष राजेश मालाकार के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम कस्तूरबा स्कूल पहुंची, तो पुलिस को देख एक युवक भागने लगा। टीम द्वारा खदेड़ कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा और दो गोलियां बरामद की गयी। पूछताछ के बाद आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस उसका आपराधिक इतिहास खंगाला रही है।

फांसी लगाकर महिला ने की आत्महत्या

नौहट्टा। रोहतास जिले के देवीपुर में डिप्रेशन में आकर एक महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक महिला अरविंद कुमार की पत्नी मंजू कुमारी बताई गई। घटना की सूचना पर पहुंची नौहट्टा थाना की पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंपते हुए अगली कार्रवाई जारी रखी है। इस संबंध में ड्यूटी पर तैनात डॉ पंकज कुमार ने बताया कि नोहटा थाने की पुलिस देवीपुर गांव से अरविंद कुमार की पत्नी मंजू कुमारी शव पोस्टमार्टम करने के लिए लाया है। जो फांसी लगाने से मौत की आशंका जताई जा रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि महिला की मौत कैसे हुई है। फिलहाल पोस्टमार्टम करा कर डेथबॉडी परिजन को सौंप दिया गया है।

सड़क हादसे में मजदूर की मौत

सासाराम। सड़क निर्माण कार्य में लगे मजदूर की मौत का मामला सामने आया है। मृतक मजदूर अररिया जिला के रहने वाला अनिल कुमार बताया जा रहा है। कार्य कर रहे वहां के अन्य मजदूरों ने बताया की करूप के पास सड़क निर्माण कार्य के दौरान अनियंत्रित पिकअप ने टक्कर मार दिया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल मजदूर को गंभीर हालत में सदर अस्पताल सासाराम में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहां कार्य कर रहे अन्य मजदूरों ने बताया कि अररिया जिला के रहने वाले अनिल कुमार की मौत पिकअप के धक्के से हो गई। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को देने की बात बताई गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मजदूर के शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम करा कर अगली कार्रवाई जारी रखी है।

बेटा ने बाप पर किया जानलेवा हमला, पिता जख्मी

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में एक बेटा ने अपने पिता पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में पिता बुरी तरह से जख्मी हो गए। लोहे के रड के चोट से उनका सिर फट गया है। उन्हें इलाज के लिए गोडारी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में पिता के बयान पर एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें पुत्र को आरोपी बनाया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि रामजी पांडेय अपने घर के सामने दरवाजे पर बैठे थे। इसी बीच उनका पुत्र जितेन्द्र पांडेय हाथ में लोहे का रड लेकर आया। आते हीं उन पर हमला कर दिया। रड के चोट से सिर फट गया। वे लहुलुहान हो गए। लोगों ने बताया कि किसी तरह से जान बचाकर वहां से भागे। स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्हें गोडारी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

पूर्व मुखिया सूरत सिंह पर जानलेवा हमला

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के शहरी गांव में मुंजी पंचायत के पूर्व मुखिया सूरत सिंह को मारपीट कर जानलेवा हमला कर जख्मी करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना सोमवार की रात करीब 10 बजे का बताया जाता है। मूंजी पंचायत के पूर्व मुखिया सूरत सिंह यादव ने बताया कि काराकाट भाग -एक के जिला पार्षद प्रतिनिधि लाली सिंह मुझे अपने गांव शहरी कुछ कार्यवश बुलाये थे। शहरी पहुंचते ही शहरी गांव के करीब 15 लोग वहां पहुंचे गये, जहां सभी ने अचानक मुझ पर जानलेवा हमला कर दिया। मेरे साथ काफी मारपीट की गई। सभी लोग लाठी डंडा, लोहे के रॉड सहित के धरदार हथियार से मुझ पर हमला किया। हमला में मुझे काफी चोट आई है सर से लेकर पूरे शरीर जख्मी हो गया है।

ऑनलाइन गेम में नुकसान और पिता की डांट से नाराज छात्र ने दे दी जान

♦ मोबाइल पर गेम खेलने के दौरान पिता के खाते से लाखों की धनराशि अचानक ऑनलाइन कट गई थी

केटी न्यूज / बलिया

गड़वार थाना क्षेत्र के ताखा गांव में पिता की डांट से क्षुब्ध होकर 10वीं के छात्र ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। बताया जा रहा है कि छात्र ने ऑनलाइन गेम में काफी धनराशि गंवा दी थी। इस पर उसे पिता ने फटकार लगायी थी। वहीं परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार गड़वार थाना क्षेत्र के ताखा निवासी अंजनी सिंह का पुत्र रोहन कुमार ने मोबाइल पर गेम खेलने समय अपने पिता अंजनी सिंह के खाते से लाखों की धनराशि रविवार को अचानक ऑनलाइन कट गई। इसकी जानकारी होते ही रोहन को उसके पिता ने डांट लगायी। इससे नाराज होकर रोहन रविवार की रात को खाना खाकर सो गया। किसी समय उसने फंदे पर लटककर आत्महत्या कर दी। रोहन पढ़ने में होनहार था। इधर कुछ दिनों से उसे ऑनलाइन गेम खेलने की लत लग गई थी। इसमें बराबर धनराशि का नुकसान होता था। इस संबंध में थाना प्रभारी गड़वार मूलचंद चौरसिया ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है।

पंखे के हुक में फांसी लगाकर विवाहिता ने कर ली आत्महत्या

बलिया। सहतवार थाना क्षेत्र के बेउर ग्राम सभा में मंगलवार की दोपहर एक विवाहिता ने पंखे के हुक में साड़ी का फंदा लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार सहतवार थाना क्षेत्र के बेउर गांव निवासी अखिलेश वर्मा की शादी करीब 14 साल पहले रेवती थाना क्षेत्र के श्रीनगर गांव निवासी बेबी से हिंदू रीति रिवाज के साथ संपन्न हुआ था। पति-पत्नी के बीच करीब तीन साल से पारिवारिक विवाद चल रहा था। मंगलवार की दोपहर बेबी 30 वर्ष ने पारिवारिक कलह के कारण पंखे के हुक में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना के समय मृतका के दोनों बच्चे गांव के पोखरे पर स्नान करने के लिए गए हुए थे। पत्नी ने क्यों आत्महत्या की। पुलिस इसकी तहकीकात कर रही है।

एक नजर

जिलाधिकारी ने किया विकास भवन का औचक निरीक्षण, आठ अधिकारियों का रोका वेतन

बलिया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने मंगलवार को विकास भवन का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर विभिन्न विभागों के कक्षों में जाकर कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति पंजिका को चेक किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी जिला स्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर नाराज नजर आए। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव खत्म हो चुका है, अब सभी अधिकारी अपने विभागीय कार्यों में जुट जाएँ।कहा कि किसी प्रकार की लापरवाही व शिथिलता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने जनपद के सभी अधिकारियों को अपनी कार्य-शैली में सुधार लाने और कार्यालय समय से पहुंचकर आम लोगों की समस्याओं को निस्तारित कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी अनुपस्थित अधिकारियों के एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया। अनुपस्थित अधिकारियों में मुख्य विकास अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, लघु सिंचाई के सहायक अभियंता, ग्रामीण एवं अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अधिकारी व सहायक अभियंता, युवा कल्याण अधिकारी और अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शामिल है।

10 विद्वानों को विद्या वाचस्पति मानद सम्मान देगा परिवर्तन योगेश

चन्दौली। परिवर्तन परिवार संगम एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्र, संस्कृति व समाज हित समर्पित राष्ट्रीय संस्था "परिवर्तन योगेश" द्वारा दिल्ली में 15 जून को आयोजित होगा। इस कार्यक्रम को संजय शर्मा द्वारा संयोजित और उद्घोषित किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर के कुलपति डॉ. सभाजी राजाराम बाविस्कर होंगे। सम्मान समारोह में विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर बिहार द्वारा विद्या वाचस्पति मानद सम्मान (मानद डॉक्ट्रेट समतुल्य) प्रदान किया जाएगा। इस सम्मान के लिए चयनित विशिष्ट जनों में पंजाब से हर्षविंदर सिंह पठानिया, राजस्थान से डॉ. महेंद्र भाटी "त्रिकाल", अंडमान निकोबार से डॉ. संजय साहा "की रामा", झारखंड से अखिलेश नन्द तिवारी, महाराष्ट्र से अमर शोभा श्याम मुनेश्वर, दिल्ली से परिवर्तन योगेश संस्थापक योगेश त्रेहन, उत्तराखंड से रजनीश सैनी, गुजरात से देसाई भाविन विपिन भाई एवं उत्तर प्रदेश से शिव कुमार का नाम शामिल है।

धर्म गुरुओं के साथ पुलिस ने की बैठक, शांति और सद्भाव से त्योहार मनाने की अपील

गाजीपुर। जनपद के दुल्लहपुर थाने में मंगलवार को बकरीद व मोहर्रम सहित अन्य त्योहारों को लेकर धर्म गुरुओं के साथ पीस कमेटी की मीटिंग आयोजित की गई। इस दौरान थानाध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह ने आए हुए धर्म गुरुओं के साथ संवाद स्थापित किया। उन्होंने क्षेत्र में किसी प्रकार के विवाद के बारे में लोगों से जानकारी हासिल की तथा कुशलता पूर्वक त्योहार मनाने की लोगों से अपील की। आए हुए धर्मगुरुओं ने कहा कि क्षेत्र में हर बार शांति पूर्वक त्योहार मनाया जाता है, कहीं कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि बकरीद के दौरान कोई भी कुबार्नी खुले में नहीं दी जाएगी। पूरी तरह से त्योहार शांति पूर्वक मनाया जाएगा। अगर कहीं कोई दिक्कत या समस्या उत्पन्न होती है तो तत्काल पुलिस को अवगत कराएं। इस मौके पर हरकेश यादव, निजामु सिद्दीकी, इजहर अहमद, मनोज कुमार, मुमताज अंसारी, हरिशंकर चौहान, सुधीर कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शर्मसार... पड़ोसी ने नाबालिग से किया दुष्कर्म, बताने पर दी जान से मारने की धमकी

मऊ । जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पड़ोसी पर आरोप लगाया है कि पड़ोसी ने मेरी लड़की को बहला फुसलाकर कर शारीरिक संबंध बनाया है। साथ ही पीड़िता को जान से मारने की धमकी भी दी थी। पीड़ित परिवार जब पूछताछ करने गया तो गाली गलौज कर सभी को भगा दिया। किशोरी को लेकर परिजन थाने पहुंचे और मनबढ़ के खिलाफ नामजद प्रार्थना पत्र पुलिस को दिया। बताया जाता है कि एक गांव की निवासी पीड़ित के पिता ने पड़ोसी के खिलाफ आरोप लगाते हुए पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया। साथ ही कहा कि 1 जून को लगभग 9.30 बजे मेरी पुत्री अपनी बुआ के साथ घर पर थी। उस समय मैं पत्नी के साथ किसी काम से बाहर था। इसी बीच पड़ोसी जो लड़की का चाचा लगता है। रात में घर आया और नाबालिग लड़की को अपने घर पर बुलाकर ले गया कि कुछ काम है। इसी बीच वह किशोरी से छेड़खानी करने लगा और किशोरी से जबरदस्ती संबंध बनाया। किशोरी जब पीड़िता शोर करने लगी तो मुहं दाबकर धमकाया और जान से मारने की धमकी भी दी। किशोरी किसी तरह भागकर घर गई और अपनी बुआ से सारी बात बताई। जब बुआ और आस-पास के लोग पूछने गए तो वह गाली गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। जब दूसरे दिन परिजन किशोरी को लेकर थाने को निकले तो वह जबर्दस्ती सभी को घर भेज दिया। मौका मिलते ही 11 जून को परिजन किशोरी को लेकर थाने आये और आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर पुलिस को दिया।

रोजगार मेले का आयोजन 14 जून को

मऊ । जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि राजकीय आईटीआई परिसर सहादतपुरा में दिनांक 14 जून 2024 को बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार हेतु वाकरू इंटरनेशनल कंपनी द्वारा कैंपस किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी आईटीआई परिसर में आयोजित कैंपस में अपने समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों के साथ मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को आने-जाने का मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

खबरें फटाफट

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

चंदौली। विश्व रक्तदाता दिवस पर बाबा कीनाराम स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की ओर से 14 जून को मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल के रक्त कोष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह जानकारी रक्त कोष प्रभारी संजय कुमार ने देते हुए बताया कि विश्व रक्तदाता दिवस पर बेहद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें विभिन्न संगठनों के साथ-साथ आमजन भी रक्तदान कर सकते हैं। वहीं जिला चिकित्सालय के सभागार में गोष्ठी का आयोजन के साथ-साथ सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। साथ ही आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में लोग इस रक्तदाता दिवस पर रक्तदान करें, ताकि रक्त की कमी से किसी की जान बचाई जा सके।

25 हजार रुपए का इनामिया बदमाश मोनू साहनी का सरेंडर

मऊ। स्थानीय कोतवाली थाना में

उस समय अजीब स्थित पैदा हो गई जब एक पच्चीस हजार रूपए का इनामिया बदमाश और अपनी भाभी का हत्यारा गले में तख्ती लगाकर पुलिस के सामने सरेंडर करने पहुंच गया। जानकारी के अनुसार 25 हजार रूपए का इनामिया मोनू साहनी पुत्र यमुना राम निषाद निवासी मनिल बस्ती भींटी मऊ खुद अपने गले में तख्ती लगाकर थाना कोतवाली पहुंच गया और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। जब पुलिस ने सरेंडर करने का कारण पूछा तो उसने बताया कि करीब ढाई साल पहले मैंने अपनी भाभी की हत्या कर दी थी और पुलिस द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है। पुलिस द्वारा सरेंडर करने का कारण पूछने पर आरोपी ने बताया कि मुझे कोई डर नही है और अगर मै आत्मसमर्पण नही करता तो पिता सहित चार लोगो की हत्याएं और कर देता। उसने कहा कि मुझे फांसी दे दो। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मोनू साहनी ने ढाई वर्ष पूर्व अपनी भाभी की हत्या किया था जिसमे पुलिस द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था और पुलिस द्वारा गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा था जिससे परेशान होकर उसने थाना में पहुंच कर सरेंडर किया है।

चंदौली जिले के टाण्डाकला ग्राम सभा से जुड़े कई गांवों में पानी के लिए बढ़ी परेशानी

पानी की सप्लाई पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, सड़क पर उतर किया प्रदर्शन

♦ सरकारी हैंडपंप एवं प्राइवेट बोरिंग का दूषित पानी लाइन लगाकर पड़ रहा है भरना

केटी न्यूज/चंदौली

टाण्डाकला में जल निगम पानी की टंकी चलाने के लिए ग्राम प्रधान द्वारा रखे गए ऑपरेटर द्वारा पानी की सप्लाई मनमाने ढंग से देने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। टाण्डाकला ग्राम सभा में जल निगम पानी टंकी से टाण्डाकला, सोनबरसा, टाण्डा खुर्द, धोबही, नाथुपुर आदि गांवों में पानी की सप्लाई होती है । इसे चलाने के लिए ग्राम प्रधान द्वारा नियुक्त आपरेटर के तौर पर एक युवक को रखा गया । प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का आरोप है कि जो लड़का रखा गया है मनमाने ढंग से पानी की सप्लाई देता है। बिजली बराबर रहने के बाद भी मोटर चालू करके टंकी को भरने की जहमत नही उठाता है । घर पर जाकर सो जाता है । नींद खुलती है तो सुबह छह बजे जाकर डायरेक्ट मोटर चालू कर देता है , जिससे 20-25 घर छोड़कर पूरे गांव में पानी नहीं पहुंच पाता है , जबकि वसूली कर एक साल तक पानी ग्रामीणों को भरपूर मिलने का आश्वासन दिया गया , लेकिन इस भीषण गर्मी में 15 दिनों से कभी एक दो बाल्टी पानी मिलता है तो कभी वह भी नहीं मिल पाता । अगर रात में ही टंकी भर दिया जाय तो किसी को पानी की दिक्कत नहीं आएगी। लेकिन टंकी चलाने वाला ऑपरेटर यहां वहां घूमता रहता है।

ग्रामीणों में पानी के लिए त्राहि त्राहि मची है। लोगों को सरकारी हैंडपंप एवं प्राइवेट बोरिंग का दूषित पानी लाइन लगाकर भरना पड़ रहा है। हैण्डपम्प से पानी भरने के लिए विवाद होता रहता है। आक्रोशित होकर रामनारायण पांडेय, नंदलाल पांडेय, हरबंस पांडे फौजी, घनश्याम पांडे, कौशल पांडे, दिलीप पांडे, इलाके पांडे, प्रदीप पांडे, रामचंद्र बरनवाल,पूच्चू, टप्पा मौर्य आदि ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराया है । वहीं ग्राम प्रधान अमरेश मौर्य ने कहा कि मोटर में कुछ गड़बड़ी है जिसको बनवाने के लिये इलेक्ट्रीशियन को बुलाया गया है। मोटर मरम्मत के साथ ही समस्या समाधान हो जायेगा। लोग इसे राजनीतिक रंग देकर माहौल खराब कर रहे हैं।

पूर्व सांसद ने जल संकट दूर करने को जिलाधिकारी से की मांग

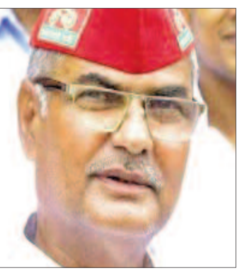

चंदौली। भीषण गर्मी के चलते आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। तो वहीं जल स्त्रोतों पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है। जिले भर के विभिन्न स्थानों पर पीने के पानी का संकट खड़ा हो गया है। आम जन मानस की इस समस्या के मद्देनजर पूर्व सांसद रामकिशुन ने मंगलवार को जिलाधिकारी को आम जनमानस की इस समस्या से अवगत कराया और साथ ही इसके जल्द निराकरण की मांग की।वहीं जिलाधिकारी ने भी संकट को दूर किए जाने आश्वासन दिया। इस दौरान पूर्व सांसद ने पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जिले के पड़ाव इलाके में स्थित गांव मढ़िया, नौगढ़ के सुदुर इलाकों में तथा नगर पालिका मुगलसराय सहित जनपद के कई स्थानों पर पीने की पानी की दिक्कत उत्पन्न हो गई है।जिसकी शिकायत लगातार विभिन्न माध्यमों से मिल रही है। इसके अलावा भीषण गर्मी में अघोषित विद्युत कटौती से भी नागरिक परेशान है। किसानों को समय से बिजली उपलब्ध न होने के चलते भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।यहीं नहीं बिजली संकट के चलते धान की नर्सरी भी डालने में दिक्कत उत्पन्न होगी। ऐसे में मामले का संज्ञान लेते हुए विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों को सुचार रूप से विद्युत आपूर्ति ठीक करने तथा पीने के पानी के संकट को हल करने का कष्ट करें।

रजवाहा में पानी नहीं छोड़े जाने से किसान आक्रोशित आंदोलन की दी चेतावनी

अलीनगर (चंदौली)। क्षेत्र के कोरी गांव में मंगलवार को किसानों की बैठक आयोजित की गई। इसमें धानापुर रजवाहा में पानी नहीं छोड़े जाने पर नाराजगी जताई गई। किसानों ने कहा कि खेतों में धान की नर्सरी डालने के लिए खेत नहीं तैयार हो पा रहा है। इसको लेकर किसानों ने बैठक के माध्यम से चेताया कि जल्द पानी रजवाहा में नहीं छोड़ा गया तो हम लोग सड़क पर उतरने को बाध्य होंगे। इसकी जिम्मेवारी राज्य सरकार की होगी। बैठक के माध्यम से किसानों ने कहा कि धान की नर्सरी डालने का समय आ गया है। बहुत से किसान अपने निजी साधन से धान की नर्सरी डालने भी शुरू कर दिया है। आसमान से पानी की जगह आग बरस रही है। इस स्थिति में भी रजवाहा में पानी नहीं छोड़े जाने से ताल तलैया भी सूखी पड़ी हुई है। इसके अलावा किसानों के खेतों में धान की नर्सरी डालने के लिए खेत तैयार नहीं हो पा रहा है।

धान का कटोरा कहे जाने वाले जनपद में किसानों के साथ अधिकारियों द्वारा सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। अगर समय रहते पानी नहीं मिला तो खेत को तैयार नहीं कर पाया जाएगा। इससे किसान उत्पादन कैसे करेंगे। योगी सरकार को इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस मौके पर उपस्थित किसान नेता केदार यादव ने चेताया कि जल्द धानापुर रजवाहा में पानी नहीं छोड़ा गया तो हम लोग कभी भी सड़क पर उतरने को बाध्य होंगे। बैठक में मुख्य रूप से राम नगीना शर्मा, राजेंद्र पाल,वंश नारायण यादव, सुरेंद्र यादव,नामवर यादव, संवारु राम सहित तमाम किसान शामिल रहे।

नगर मजिस्ट्रेट ने अपने ही पेशकार पर दर्ज कराया केस

♦ करोड़ों की संपत्ति से जुड़ा है मामला

केटी न्यूज /बलिया

नगर मजिस्ट्रेट की अदालत से कदम चौराहा स्थित छोटी मठिया के भूमि विवाद की पत्रावली गायब होने का मामला सामने आया है। मामले में नगर मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी की तहरीर पर सदर कोतवाली पुलिस ने पेशकार उपेंद्र कुमार चौरसिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। नगर मजिस्ट्रेट ने तहरीर में बताया है कि शहर के मौजा नेउरी बिगही में सत्यदेव बनाम सुरेश कुमार आदि का मामला न्यायालय में चल रहा है। यह मामला छोटी मठिया के भूमि विवाद से संबंधित है। 17 अगस्त 2023 को वादी महंत सत्यदेव की ओर से मुआयना कराने के लिए पत्रावली मांगी गई तो पेशकार उपेंद्र कुमार चौरसिया ने बताया कि पत्रावली तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार निस्तारण के लिए आवास पर ले गए थे। स्थानांतरण के बाद अपने साथ लेकर चले गए। प्रदीप कुमार का स्थानांतरण दो दिसंबर 2022 को हुआ था। जबकि उपेंद्र कुमार चौरसिया 17 अगस्त 2023 के पहले तक उस पत्रावली पर हस्ताक्षर कराकर तिथि नोट कराते रहे। इससे स्पष्ट है कि इस वाद की पत्रावली तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार के स्थानांतरण के बाद भी 17 अगस्त 2023 के पहले तक न्यायालय में रही है। यह पत्रावली 17 अगस्त 2023 के बाद उपेंद्र ने गायब की है।अपना अपराध छिपाने के लिए उपेंद्र ने तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट का नाम लिया, जो कि पूर्णतया असत्य है। पत्रावलियों के रखरखाव एवं उसकी अभिरक्षा की पूरी जिम्मेदारी उपेंद्र कुमार चौरसिया की है। उन्होंने पत्रावली गायब होने की जानकारी उच्चाधिकारी को नहीं दी और वादी को तारीख देते रहे। उपेंद्र कुमार चौरसिया ने पत्रावली गायब कर जानबूझ कर विपक्षी से अनुचित लाभ लिया। यह वाद करोड़ों की संपत्ति से जुड़ा है। इसमें वादी के पक्ष में थाना कोतवाली से 27 नवंबर 2021 को रिपोर्ट भी आ गई थी। विवादित संपति को न्यायालय से कुर्क किए जाने की संभावना थी।

मऊ के दिव्यांग अभिषेक मुंबई में राष्ट्रीय रत्न सम्मान से सम्मानित

मऊ। एक ट्रेन दुर्घटना में दोनो पैर खो देने वाले दिव्यांग अभिषेक पाण्डेय लगातार सोशल मीडिया से सामाजिक कार्यों में जागरूक रहते है अब तक हजारों लोगों को रक्तदान भी करवा चुके है। और तमाम तरह से जरूरतमंदों की मदद भी कर चुके है। देश में जब कोरोना जैसी महामारी आई तो अभिषेक जी ने दिन रात लोगो की मदद करने का प्रयास किया। उनके सेवा कार्यों को देख डॉक्टर कृष्णा चौहान फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2024 समारोह आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि बॉलीवुड के मशहूर गायक कुमार सानू जी व अन्य सेलिब्रेटी थे। जिसमें मऊ ब्लॉक परदहा ग्राम परसपुरा निवासी अभिषेक पांडेय जी को चयनित किया गया। कुछ कारण वस अभिषेक अवार्ड शो में नहीं जा सके तो उन्हें सम्मान के साथ उनके अवार्ड को उनके घर पर भेजा गया। अभिषेक पांडेय ने कहा ये मेरा सम्मान नही बल्कि उन सभी लोगो का सम्मान है जो उनके सामाजिक कार्यों में सहयोगी बनते है। और सभी का आभार जताया।साथ अभिषेक लाखो युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

हत्याकांड का खुलासा... विनोद सिंह और उसकी पत्नी के बीच नहीं थे अच्छे सम्बन्ध

पति की हत्या के लिए पत्नी ने की थी दो लाख में डील

केटी न्यूज/कसेसर

स्वाट, सर्विलांस तथा भीमपुरा थाने की संयुक्त पुलिस टीम ने भीमपुरा बाजार में गला रेतकर की गई विनोद सिंह हत्या का पदार्फाश करते हुए मृतक की पत्नी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू व बाइक को भी बरामद किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय चालान कर दिया। वहीं पुलिस अधीक्षक देवरंजन वर्मा ने घटना का सफल अनावरण करने वाली टीम को 10 हजार रुपये से पुरस्कृत किया है।

पुलिस के अनुसार मंगलवार को तड़के सर्विलांस प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ यादव तथा एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक अजय यादव मय टीम व भीमपुरा थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह मय फोर्स के साथ भीमपुरा चौराहे पर मौजूद थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने अभियुक्त सुनील सिंह पुत्र जनार्दन सिंह निवासी सुरूआं मिसिरपुर थाना फत्तनपुर जिला प्रतापगढ़ को बाहरपुर पुलिया से धर दबोचा। वहीं दो अभियुक्त अंधेरे का फायदा उठा कर फरार होने में सफल हो गये। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर आलाकत्ल चाकू और बाइक बरामद कर सीज कर दिया गया। अभियुक्त के बयान के आधार पर घटना में शामिल जयप्रकाश यादव पुत्र स्व. बलिराज यादव निवासी कल्यानपुर चरौंवा थाना भीमपुरा, बलिया व मृतक की पत्नी अनिता सिंह निवासी भीमपुरा नं. 1, थाना भीमपुरा, बलिया को घर पर दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार विनोद सिंह और उसकी पत्नी अनीता सिंह के बीच अच्छे सम्बन्ध नहीं थे। पत्नी मुम्बई में रहती थीं, जबकि विनोद सिंह भीमपुरा में पत्नी से अलग रहते थे। इसके अलावा विनोद लगातार अपनी जमीन, प्रापर्टी बेच कर गलत कार्यों में बर्बाद कर रहा था। पत्नी अनीता सिंह को लगा कि सारी जमीन, प्रापर्टी ऐसे ही बेच देगा तो उसने सुनील सिंह, अजय चौहान और सन्नी चौहान के साथ मिलकर उसे मारने की योजना बनाई।

एक लाख रुपया ऑनलाइन किया था टांसफर

कसेसर। पति को मारने के लिए अनीता सिंह ने दो लाख रुपये की डील सुनील सिंह के साथ की, जिसमें एक लाख ऑनलाइन ट्रांसफर व शेष कैश दी। घटना के दिन यानि 6 जून की शाम को सुनील, अजय और सन्नी चार बजे भीमपुरा पहुंच गये। वहां पर इनका किरायेदार जय प्रकाश यादव ने इनकी लोकेशन बताने में मदद की। रात करीब साढ़े 11 बजे तीनों पीछे के रास्ते से जाकर विनोद सिंह की हत्या कर भाग गये। पुलिस ने मंगलवार को अनीता सिंह, सुनील सिंह व जयप्रकाश यादव को गिरफ्तार कर लिया।

दुकान में लगी आग, नगदी सहित हजारों का सामान राख, शॉर्ट-सर्किट से लगी थी आग

केटी न्यूज/ गाजीपुर

मुहम्मदाबाद नगर के यूसुफपुर बाजार अंतर्गत सांसद आवास फाटक के मुख्य गेट के पास बने कटरे व दूध लस्सी की दुकान में मंगलवार की सुबह आग लग गई। जिससे दुकान में रखा करीब 40000 नगदी सहित हजारों रुपये का दूध व कोलड्रिंक नुकसान हो गया। आग से बगल के तंदूरी रोटी की दुकान को भी नुकसान पहुंचा है। यूसुफपुर बाजार फाटक के मुख्य गेट के पास एक कटरा है। इस कटरे में नसीम रायनी अपनी दुकान के लिए लस्सी व जूस तैयार करने के लिए गोदाम बनाएं हुए था। इसमें वह दूध व कोल्ड ड्रिंक का स्टाक रखने के साथ-साथ दूध गर्म करने का कार्य करता है। अचानक सुबह शार्ट- शर्किट से दुकान में आग लग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। दुकान के अंदर रखे सिलेंडर में भी आग पकड़ लिया। सिलेंडर में आग पकड़ते देख वहां अफरा-तफरी मच गई।आग बगल के तंदूरी रोटी के दुकानदार शकील के दुकान को भी अपने आगोश में ले लिया। संजोग से सिलेंडर जलने के बाद अपने आप बूझ गया। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस संबंध में लस्सी दुकानदार नसीम ने बताया कि अचानक दुकान में आग लग गई। आग लग जाने से दुकान में रखा 40 हजार रुपये नकदी के अलावा हजारों रुपये का दूध, दही और कोलड्रिंक का स्टाक जलकर राख हो गया।

सात रिहायशी झोपड़ी जलकर राख

चितबड़ागांव। थाना क्षेत्र के धमार्पुर बंधे से सटा नवका पुरवा मौजा में मंगलवार की दोपहर अज्ञात कारणों से लगी आग में सात रिहायशी झोपड़ी एवं गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर नियंत्रण तो कर लिया लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था। अगलगी की इस घटना में अंजनी राम का एक टीवी सेट, 5000 नगद, खाद्यान्न एवं गृहस्थी का सारा सामान, राजकुमार राम की एक भैंस एवं गृहस्थी का सारा सामान जल गया। जिसे बचाने में शशि कुमार नाम का युवक भी झुलस गया, जिसे सदर अस्पताल बलिया में भर्ती कराया गया है। जनार्दन राम का पांच हजार रूपए कैश, दो थान सोने के गहने, खाद्यान्न कपड़े वगैरह के साथ गृहस्थी का सारा सामान, गोपाल राम का 19200 कैश, दो मोबाइल, तीन चौकियां,30 किग्रा सिंचाई की पाइप और तीन बंडल केबल के साथ गृहस्थी का सारा सामान जल गया।

12 बस टर्मिनल कम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स निर्माण का मार्ग सुनिश्चित करेगी सरकार

- सीएम योगी की मंशा अनुसार 5000 इलेक्ट्रिक बसों को यूपीएस आरटीसी में शामिल किए जाने के कार्य को भी मिली गति

केटी न्यूज / लखनऊ

उत्तर प्रदेश को प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर रखने की दिशा में कार्यरत योगी सरकार ने प्रदेश में नई शक्ति के साथ लंबित परियोजनाओं पर कार्य करना शुरू कर दिया है। इस क्रम में सीएम योगी की मंशा अनुरूप प्रदेश में परिवहन सेवाओं को और उन्नत व जनसुलभ बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) कार्ययोजनाओं को क्रियान्वित करना शुरू कर दिया है। यूपीएसआरटीसी द्वारा 12 बस टर्मिनल्स के निर्माण, नवीनीकरण तथा उन्हें कमर्शियल कॉम्पलेक्स के रूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे आगरा, गोरखपुर, मीरजापुर, बुलंदशहर, गढ़ मुक्तेश्वर, मथुरा, कानपुर सेंट्रल व वाराणसी कैण्ट समेत कई नए टर्मिनल्स के निर्माण तथा पुराने बस अड्डों के मेकओवर को गति मिलेगी। इतना ही नहीं, सीएम योगी की मंशा अनुसार 5000 इलेक्ट्रिक बसों को यूपीएसआरटीसी के बेड़े में शामिल किए जाने के कार्य को भी गति प्रदान की जा रही है। इन सभी कार्यों को पूर्ण करने के लिए निविदा प्रक्रिया मार्च में ही जारी कर दी गई थी, मगर लोकसभा चुनावों के कारण निविदा प्रक्रिया लंबित हो गई थी जिसे अब दोबारा 14 जून से शुरू कर दिया जाएगा। नागरिक सुविधाओं में इजाफा को लक्षित कर योगी सरकार की मंशा के अनुरूप यूपीएसआरटीसी ने 12 बस टर्मिनल कम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण व मेकओवर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस क्रम में, आगरा के ईदगाह व ट्रांसपोर्ट नगर,

गाजियाबाद के साहिबाबाद, गोरखपुर, मीरजापुर, बुलंदशहर, बरेली, गढ़ मुक्तेश्वर, अलीगढ़ के रसूलाबाद, वाराणसी कैण्ट, कानपुर सेंट्रल में 12 बस टर्मिनल कम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण तथा मथुरा में पुराने बस अड्डे के नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन सभी स्थानों पर नागरिक सुविधाओं के विकास के साथ ही इन्हें कमर्शियल स्पेसेस में कन्वर्ट कर इनके जरिए रेवेन्यू जेनरेशन के मॉडल पर भी फोकस किया जा रहा है। इससे न केवल यहां से यात्रा करने वाले यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा बल्कि यूपीएसआरटीसी की आय बढ़ने में भी मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि यह सभी कार्य उस विस्तृत कार्ययोजना का हिस्सा हैं जिसे सीएम योगी के मार्गदर्शन में निर्मित किया गया था और अब उनकी मंशा अनुरूप ही इस दिशा में कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है।

आधुनिक इलेक्ट्रिक बसों को भी बेड़े में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू

यूपीएसआरटीसी द्वारा वर्तमान में 5000 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति, संचालन और रखरखाव की प्रक्रिया को लेकर निविदा प्रक्रिया एक बार फिर शुरू की गई है। 14 जून से ये प्रक्रिया शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि आधुनिक इलेक्ट्रिक बसों का संचालन सार्वजनिक परिवहन में क्रांति लाने की निगम की योजना के पहले चरण को चिह्नित करती है। राज्य के परिवहन नेटवर्क को विस्तारित करने की दीर्घकालिक रणनीति के तौर पर 50,000 बसों के बेड़े को शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की गई है जो कि आगामी वर्षों में पूरा हो जाएगा।

एक नजर

समाज विकास क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मतदाताओ के प्रति किया आभार प्रकट

जौनपुर। समाज विकास क्रंति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और जैनपुर लोकसभा सीट से प्रत्यासी रहे अशोक सिंह ने प्रेसवार्ता कर देश के मतदाताओं का पार्टी पर विश्वास जातने पर आभार व्यक्त किया है।उन्होंने कहा कि देश की जनता ने बीजेपी के घमंड और अहंकार को तोड़ दिया है।यूपी समेत देश के बिभिन्न राज्यो में लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों को भरपूर समर्थन दिया है।और पार्टी की नीतियों पर अपनी आस्था जताया है। मंगलवार को सिद्धार्थ उपवन होटल में समाज विकास क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ने एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया।अशोक सिंह ने कहा कि प्रेसवार्ता बुलाने का मतलब सिर्फ जौनपुर की मतदाताओं का धन्यवाद प्रकट करना है।मुझे और मेरी पार्टी को जनता ने वोट के रूप अपना आशीर्वाद दिया है।अन्य लोकसभा सीटों पर भी हमारे पार्टी के उम्मीदवारों को जनता ने भरपूर समर्थन दिया है।जनता ने भारतीय जनता पार्टी के घमंड को चकनाचूर कर दिया है।मैने चुनाव से पहले ही कहा था कि कोई भी पार्टी पूर्ण बहुमत में सरकार नही बना पायेगो वही हुआ।जनता सरकार से नाराज थी।भाजपा के 400 पार के नारे को जनता ने हवा कर दिया।भाजपा अपने सहयोगियों को साथ लेकर ज्यादा दिन तक सरकार नही चला पाएगी।देश मे एक बार फिर मध्यावती चुनाव के आसार है।

सड़क पर तड़प रहे घायल को विधायक ने अपनी कार से पहुंचाया अस्पताल

जौनपुर। मानवता की मिशाल बने विधायक डॉ. आर.के.पटेल दुर्घटना के बाद सड़क पर तड़प रहे गंभीर रूप से घायल युवक को अपनी गाड़ी से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया और उसके परिजनों को सूचना भी भिजवाया। दो बाइक की आमने सामने टक्कर में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। आपको बता दे,सोमवार की देर शाम मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र के सिरौली तिराहे के पास दो बाइक की आमने सामने टक्कर हो गयी।जिसमे दोनो मोटरसाइकिल सवार युवक घायल हो गए।उसमे से एक युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर तड़प रहा था।उसी दौरान वहां से गुजर रहे मड़ियाहूं विधायक डॉ. आर.के.पटेल ने मानवता दिखाते हुए गंभीर घायल सहित दोनो युवकों को अपनी गाड़ी से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।और उनके परिजनों को घटना से अवगत कराया। दोनों घायल युवक उदयराज गौतम व शंकर गौतम निवासी आशा पुर बताए जा रहे है।

अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद ने जम्मू में तीर्थयात्रियों के बस पर हुए हमले को लेकर ज्ञापन सौंपा

जौनपुर। अन्तरराष्ट्रीय हिन्दुपरिषद ने जिलाधिकारी प्रतिनिधि के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में आतंकवादियों के द्वारा जम्मू के रियाशी में तीर्थयात्रियों के बस पर कायरानापूर्ण हमलें की निन्दा किया गया तथा मांग किया गया कि आतंकवादियों एवं उनके आकाओं के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही किया जाए। आर सी पी प्रान्त अध्यक्ष डॉ0बीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार रियाशी में आतंकवादियों के द्वारा मारे गए तीर्थयात्रियों के परिवारों को पचास पचास लाख रुपए तथा धायल होने वालों को दस दस लाख रुपए प्रदान करें । डॉ0 सिंह ने मांग किया कि आतंकवादियों के प्रति कठोरतम कार्यवाही किया जाय तथा उनके आका पाकिस्तान को भी सबक सिखाया जाए। एडवोकेट फोरम के प्रान्त उपाध्यक्ष प्रभाकर तिवारी ने कहा कि आतंकवादियों को मृत्युदंड दिया जाए जिससे उनसे सहानुभूति रखने वालों का मनोबल कमजोर हो सके । प्रतिनिधि मण्डल में विभाग अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, कार्याध्यक्ष कुंवर दूबे ,जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय, विभाग महामंत्री चन्द्र प्रकाश तिवारी, जिला मंत्री सुधीर कुमार, विवेक उपाध्याय, प्रभाकर जी, चन्द्र भूषण दूबे, आजाद शुक्ल, बजरंग दल के जितेन्द्र बहादुर सिंह, कृष्ण कुमार उपाध्याय, सन्तोष मिश्र, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता सम्मलित रहें।

खबरें फटाफट

सिपाही की हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मऊ। घोसी कोतवाली क्षेत्र के कुड़हनी गांव में बीते 6 जून की रात सिपाही संदीप सिंह के हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बरामदे में सोते समय हथौड़ी से प्रहार कर निर्मम हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने आरोपी दिलीप सिंह को मंगलवार को घोसी बस स्टैंड से गिरफ्तार किया। हत्या का आरोपी हत्या के बाद से ही फरार चल रहा था। जिसे लेकर पुलिस हत्या की घटना के बाद से ही आरोपी की तलाश में जगह जगह दबिश दे रही थी। मामले में मृतक की माता आशा देवी द्वारा हत्या के आरोपी अपने छोटे पुत्र दिलीप सिंह के खिलाफ घोसी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिसे लेकर कोतवाली प्रभारी राजकुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मी अवनीश यादव,सदरे आलम द्वारा घोसी नगर क्षेत्र स्थित बस स्टैंड से आरोपी दिलीप को गिरफ्तार कर लिया गया। जब आरोपी हत्या के बाद कही भागने की फिराक में घोसी में खड़ा था। कोतवाली पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया।

युवक की हत्या कर जंगल में फेंका शव

वाराणसी। वाराणसी जिले के चौबेपुर क्षेत्र के गाजीपुर सीमा के पास हाईवे से 500 मीटर दूर जंगल में एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मंगलवार को मिला। शव के पास शराब की खाली शीशी, गिलास, चिप्स का पैकेट आदि सामान पड़ा मिला। युवक के सिर पर चोट के निशान थे। मौके पर जुटे ग्रामीणों ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। घटना की जानकारी होते ही प्रभारी निरीक्षक विद्या शंकर शुक्ल, एसीपी सारनाथ अतुल अंजान त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव का जांच कर फिंगर प्रिंट लेने के बाद कब्जे में ले लिया। पुलिस को आशंका है कि कहीं अन्य जगह हत्या कर शव को यहा जंगल मे लाकर फेंक दिया होगा।

नीट परीक्षा परिणाम को उच्च एजेंसियों से जांच करवाने की मांग, राष्ट्रपति को लिखा पत्र

नीट यूजी परीक्षा में धांधली मामले में आप कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

- यूपी के कई इलाकों में एनटीए के खिलाफ सीबीआई व पुनः परीक्षा कराने को लेकर सड़क पर विपक्ष
- सपा, कांग्रेस समेत कई प्रमुख दल कर सीबीआई से जांच की कर रहे है मांग
- पांच जून से लाखों छात्र कर रहे है परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर सड़क पर कर रहे हैं प्रदर्शन

केटी न्यूज/वाराणसी

नीट यूजी में हुई गड़बड़ी को विरोध प्रदर्शन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को वाराणसी के शास्त्री घाट पर आप कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने परीक्षा परिणाम को उच्च एजेंसियों से जांच करवाने की मांग करते हुए नेशनल टेस्ट एजेंसी पर गंभीर आरोप भी लगाया। इस प्रकरण में आप कार्यकताओं ने जांच के लिए राष्ट्रपति को पत्र लिखा है।

जिला महासचिव अखिलेश पांडेय ने कहा कि अगर परीक्षा लेट हुई तो समय बढ़ा देना चाहिए था। लेकिन इस तरह की धांधली क्यों की गई। उन्होंने कहा कि अगर चार सदस्य टीम जांच के लिए गठित की गई है, तो अन्य जगहों पर काउंसलिंग क्यों कराया जा रहा है। आम आदमी पार्टी ने यह मांग की है कि पहले सही से जांच की जाए और परीक्षा पूरी तरह से निरस्त कराया जाए।

डीएम को सौंपा ज्ञापन

सोनभद्र में जिला कलेक्ट्रेट लोढ़ी में आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष रमेश गौतम के नेतृत्व में नीट परीक्षा धांधली के विरोध प्रदर्शन किया। वहीं में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। आम आदमी पार्टी ने ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से नीट परीक्षा के परिणाम की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों को जेल भेजने की मांग किया गया है। जिससे कि नीट अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ न्याय हो सकें। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा की नीट परीक्षा जो कि देश की सबसे प्रतिष्ठित और बड़ी परीक्षाओं में एक हैं। उसका पेपर भी लीक हो गया।

बेरोजगारी और पेपर लीक समस्या से जूझ रहें नौजवानों को भ्रष्टाचारी सरकार ने एक और झटका दे दिया। एक ओर जहां संवेदनहीन मोदी सरकार में भर्तियों का टोटा हैं। वहीं दूसरी ओर भ्रष्टाचार में डूबी सरकार सभी प्रकार के परीक्षाओं का पेपर लीक करवाने की जिम्मेदार हैं। जिसके वजह से नौजवानों को अपने उज्वल भविष्य का कोई मार्ग नहीं दिख रहा हैं। नीट के परीक्षा का परिणाम 14 जून को आना था। परंतु आनन-फानन में 4 जून को ही लोकसभा चुनाव के परिणाम के दिन ही, नीट के परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया। इससे सवाल उठता हैं कि किस गुनाह को छिपाने के लिए इसका परिणाम उस दिन घोषित किया गया और जिस प्रकार 67 बच्चों को पूरे 720 अंक दिया गया। एक ही कोचिंग के कई बच्चों को 720 अंक दिया गया। कुछ बच्चों को 718, 719 नंबर दिया गया। जो कि असम्भव हैं, क्योंकि एक प्रश्न छोड़ देने या गलत करने पर 4 से 5 नंबर कम होना चाहिए, तो 718 और 719 नंबर कैसे दिए जा सकते हैं।

इससे प्रतीत होता हैं कि नीट के परीक्षा में गंभीर त्रुटि और भ्रष्टाचार किया गया हैं। इस दौरान विमलेश पटेल, अंजनी कुशवाहा, दुर्गा देवी, राकेश कुमार, सचिव, गोविंद चौबे, राजेंद्र मौर्या, केवल कुशवाहा, समीर खान, दिनेश पटेल, प्रेम नाथ, सुभाष, रमाकांत पनिका, अनवर अली, नागेंद्र मौर्या व अन्य लोग मौजूद रहे।

आप पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को भेजा पत्र

जिलाध्यक्ष रमाशंकर सिंह पटेल ने कहा कि हम सभी ने परीक्षा परिणाम को लेकर यहां पर धरना प्रदर्शन किया है। जिलाधिकारी के द्वारा राष्ट्रपति को पत्र सौंपकर भेजा। वहीं मांग करेंगे कि इस परीक्षा की उच्च स्तरीय जांच की जाए। परीक्षा को रद्द किया जाए। जिससे लाखों बच्चों का भविष्य बच सके।

आम आदमी पार्टी ने परीक्षा निरस्त कराने की मांग

आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव अखिलेश पांडेय ने कहा कि नीट यूजी परीक्षा-2024 में इस वर्ष करीब 24 लाख छात्रों ने हिस्सा लिया था। इनमें से करीब 13 लाख छात्र पास हुए। वहीं इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। जब एक साथ 67 छात्रों को रैंक 1 हासिल हुई। वहीं एक ही सेंटर से 8 छात्रों को 720 में से 720 नंबर हासिल हुआ। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परीक्षा कराने वाली एजेंसी ने किस आधार पर एक नंबर दो नंबर ग्रेस मार्क दिया।

सपा छात्रसभा ने नीट की दोबारा परीक्षाके लिए डीएम को सौंपा पत्र

नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर आक्रोश बढता जा रहा है। विपक्षी दल भी इस पर हमलावर हो गए हैं। समाजवादी छात्रसभा के महानगर अध्यक्ष आयुष यादव के नेतृत्व में कार्यकताओं ने डीएम एस राजलिंगम को पत्रक सौंपकर समाजवादी छात्रसभा में गड़बड़ी की सीबीआई जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि नीट-यूजी के परिणाम घोषित कर एनटीए क्या छुपाना चाहती थी। मेडिकल संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा में पारदर्शिता पर विद्यार्थियों के बीच संहेद है। नीट यूजी की परीक्षा के दिन भी देश के अलग-अलग स्थान पर व्यवस्था की गड़बड़ी सामने आई थी। इससे यह भी स्पष्ट हो गया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारी नहीं की थी।

डीएम ने 50 लाख से ऊपर की परियोजनाओ की समीक्षा बैठक की

केटी न्यूज / जौनपुर

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 50 लाख से ऊपर के लागत की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में यूपी सिडको के द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए निमार्णाधीन बस स्टेशन बदलापुर को जुलाई 2024 तक पूर्ण कर लेने के निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिये गये। कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास निमार्ण सम्बन्धी जो कार्य पूर्ण हो गया है। उसे हैण्डओवर करने के निर्देश दिए गये। कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल को जिला शिक्षा और प्रशिक्षण केन्द्र के सुन्दरीकरण और निर्माण कार्य को 30 जून तक पूर्ण करने के

निर्देश दिये। आईटीआई कालेज शाहगंज का कार्य नवम्बर 2023 तक पूर्ण कराना था।लेकिन कार्य पूर्ण नही कराया जा सका, जिस पर ठेकेदार के ऊपर की गयी कार्यवाही के सम्बन्ध में रिपोर्ट मांगी। डीएम ने सिद्दीकपुर स्टेडियम में निमार्णाधीन स्वीमिंगपुल, सिंथेटिक रैम्प, सिंथेटिक रनिंग ट्रैक का रिवाइज स्टीमेट देने के निर्देश दिये।डीएम ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि सभी निमार्णाधीन परियोजनाओं की फोटोग्राफ्स सहित पत्रावली तैयार करें। जिलाधिकारी ने सेतु निगम के कार्यो की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि कुत्तुपुर और जगदीशपुर के आगे वाली क्रासिंग के ओवर ब्रीज डीपीआर तैयार कर शासन को भेजा जाए। शकरमंडी से कुत्तुपरु मार्ग को 01 सप्ताह के भीतर ठीक कराने के निर्देश एक्सईएन जलनिगम सचिन सिंह को दिये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अरुण कुमार यादव, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर वाराणसी में कार्यकताओं ने शुरू कर दी है तैयारी

पीएम नरेंद्र मोदी 18 जून को आएंगे वाराणसी

- मोदी बाबा विश्वनाथ का करेंगे दर्शन पूजन किसान सम्मेलन को करेंगे संबोधित
- तीसरी बार पीएम की शपथ ग्रहण के बाद संसदीय क्षेत्र में मोदी का यह पहला होगा दौरा

केटी न्यूज/वाराणसी

वाराणसी लोकसभा सीट से जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार 18 जून को काशी आएंगे। पीएम के आने का कार्यक्रम पूरी तरह से तय हो गया है। शपथ ग्रहण के बाद संसदीय क्षेत्र में पीएम मोदी का यह पहला दौरा होगा। पीएम काशी विश्वनाथ मंदिर में इस दौरान वे किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके लिए स्थान चयन किया जा रहा है। स्थानीय संगठन की ओर से रोहनिया अथवा सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र में किसान सम्मेलन आयोजित करने के लिए स्थल चयन करने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान जनसभा में 50 हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे। जनता से संवाद के दौरान विकास कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

इनको दी गई जिम्मेदारी

जिलाध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, क्षेत्र मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, जगदीश त्रिपाठी, प्रवीण सिंह गौतम,अशोक पटेल, संजय सोनकर, राहुल सिंह, जेपी दुबे, शैलेन्द्र मिश्रा, राम बिलास सिंह, गौरव आदि को जिम्मेदारी दी गई है।

पार्टी कार्यालय पर जिला पदाधिकारियों ने की बैठक

पीएम मोदी के आगमन को लेकर सिगरा के गुलाब बाग स्थित पार्टी कार्यालय में महानगर व जिला पदाधिकारियों की बैठक हुई। भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने पदाधिकारियों व कार्यकताओं से प्रधानमंत्री के आगमन पर चर्चा की। दिलीप पटेल ने बताया कि पीएम मोदी किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन ग्रामीण क्षेत्र में होगा। जिसमें बड़ी संख्या में किसानों और महिलाओं की भागीदारी होगी। इसके बाद पीएम मोदी दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में भाग लेंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर बनारस भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने कार्यकताओं से पीएम मोदी के भव्य स्वागत की तैयारी के लिए अलर्ट किया।

पीएम के आगमन पर शुरू हुई तैयारी

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काशी दौरे की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पीएम के आगमन का अभी आधिकारिक प्रोटोकॉल तो नहीं आया। लेकिन प्रारंभिक सूचना पर प्रशासन सक्रिय हो गया है। पीएम नरेंद्र मोदी के आने को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही भाजपा नेता आयोजन की तैयारियों में जुट गए हैं। किसान सम्मेलन को लेकर सभी भाजपा कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपने का सिलसिला शुरू हो गया है। अगले दो दिनों में एसपीजी की एक टीम वाराणसी पहुंचेगी। जो कार्यक्रम स्थल से लेकर पीएम के रूट का निरीक्षण करेंगी।

सुभाषितम्

विश्व के सभी धर्म इस बात पर एकमत है कि दुनिया में कुछ नही बस सत्य जीवित रहता है। - महात्मा गांधी

अब भी बरकरार है हर पुराना खतरा

- राकेश अचल

` देश में आम चुनाव हो गए । गठबंधन की नयी सरकार बन गयी । विभागों का वितरण भी हो गया। छत्तीसगढ़ में हिंसा भी हो गयी ,और सबसे बड़ी बात की जिस मणिपुर की हिंसा पर प्रधानमंत्री आजतक नहीं बोले उसके बारे में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अधिनायक डॉ मोहन भागवत भी बोल गए। इस सबके बावजूद असली बात ये है कि चुनाव से पूर्व देश जिन खतरों का समान कर रहा था , वे सब आज भी बरकरार हैं। आप गौर से देखें तो ये नई सरकार अल्पमत की और गठबंधन की सरकार जरूर हैं लेकिन इसका केवल नाम बदला हैं, काम नही। नई सरकार के हाथों में आज भी वे सब हथियार और सिपाहसालार हैं जो चुनाव से पहले आपके मंगलसूत्र के लिए खतरा बता रहे थे। आपकी भैंस खोले जाने का हौवा खड़ा कर रहे थे। हिन्दू-मुसलमान और धर्म के आधार पर आरक्षण को रोकने की बात कर रहे थे। यानि हौवा भी मौजूद हैं और हौवा खड़े करने वाले भी।

गठबंधन कि सरकार में ईडी और सीबीआई जैसे हिंसक चौपाये अभी भी गठबंधन कि अगुवाई कर रही भाजपा के पास हैं। यानि विपक्ष को कुचलने और परेशान करने के सारे औजार भाजपा ने अपने हाथों में रखे है। सहयोगी दलों को उन्हें छूने भी

नहीं दिया, क्योंकि मुमकिन हैं कि आने वाले कल में इन हथियारों का इस्तेमाल भाजपा को अपने गठबंधन के साथियों के खिलाफ ही करना पड़े! अतीत में भाजपा ने ऐसा किया भी हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने जिस हिकमत अमली से नए मंत्रियों को विभागों का वितरण किया हैं उससे साफ जाहिर हैं कि उनकी निगाहें कहीं और निशाना कहीं और हैं। माननीय का देश को कांग्रेस विहीन करने का सपना अभी मरा नहीं हैं बल्कि शीतनिन्द्रा में चला गया हैं। जैसे ही आने वाले दिनों में महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों कि घोषणा होगी इस सरकार के छिपे हुए नाखून फिर से बाहर निकल आएंगे । आपको पता हैं न कि नाखून छिपाने की कला केवल हिंसक प्रवृत्ति के जानवरों में होती हैं, भले ही वे जंगली जानवर हों या पालतू। आपको भूलना नहीं चाहिए कि भाजपा 365 दिन, 24 घंटे चुनावी मोड में रहने वाली पार्टी हैं। इसलिए ये पार्टी अपना 2029 और 2047 तक का सपना पूरा करने के लिए आने वाले दिनों में क्या कुछ करेगी, कहना कठिन हैं। मै तो मश्विरा दूंगा कि नयी सरकार में इतने सारे विभागों के साथ एक पृथक विभाग चुनावों का होना चाहिये। इसका प्रभार माननीय प्रधानमंत्री खुद अपने पास रखें। इस विभाग के लिए बजट के साथ ही चुनाव केयर फंड भी बनाया जाना चाहिए प्रधानमंत्री केयर फंड की तरह। इस तरह के फंड का कोई हिसाब-किताब न रखना पड़ता हैं और न देना पड़ता हैं। और यदि गिरीश मुर्मू जैसा सीएजी हो तो इसकी जांच भी कोई नहीं कर सकता। बहरहाल बात चल रही थी उन खतरों की जो बरकरार है। पहला खतरा संविधान पर ही हैं। माननीय ने भले ही संसदीय दल, गठबंधन और सदन का नेता चुने जाने से पहले संविधान की प्रति को माथे से लगाया था लेकिन देश में शायद ही किसी को इस बात पर यकीन हो कि नयी सरकार संविधान की कसम खाकर सबके साथ सबका विकास करेगी। नई सरकार में देश कि 20 करोड़ की मुस्लिम आबादी का कोई प्रतिनिधि नहीं है। माननीय राष्ट्रपति चाहें भी तो इस समाज के किसी प्रतिनिधि को सदन में नामजद कर उसे मंत्री बनाने के लिए भी नहीं कह सकतीं। उनके हाथ बंधे हैं। यानी भाजपा हिन्दू राष्ट्र तो नहीं बना सकी लेकिन उसने देश को एक हिन्दू सरकार जरूर दे दी, जिसमें भाजपा की दुश्मन नंबर दो मुसलमान बिरादरी नहीं है। भाजपा की दुश्मन नंबर एक तो कांग्रेस हैं, जो बीते दस साल में मर कर भी नहीं मर रही। हर चुनाव के बाद दोगुने उत्साह से खड़ी हो जाती है। भले ही सत्ता उसके लिए अभी भी कोसों दूर हैं सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत का बयान हैं जो उन्होंने नई सरकार को समझाइश बतौर दिया हैं। डॉ मोहन भागवत की भागवत को भाजपा पहले ही सुनने से इंकार कर चुकी है। चुनावों के बीच में ही भाजपा अध्यक्ष माननीय जेपी नड्डा जी ने अपने श्रीमुख से कहा था कि भाजपा को संघ की जरूरत नहीं हैं। उन्होंने एकदम सही कहा था। भाजपा को भले संघ की जरूरत न हो किन्तु संघ को तो भाजपा की जरूरत है। संघ ने तो आजतक नहीं कहा कि उसे भाजपा की जरूरत नहीं हैं? संघ प्रमुख शंकराचार्य की मुद्रा में नयी सरकार को सीख दे रहे हैं कि नई सरकार जलते मणिपुर को देखे । विपक्ष को प्रतिपक्ष समझे। डॉ भागवत ने भाजपा को बेनकाब करते हुए मुजाहिरा किया हैं कि इस बार भी हमने अपने लोकमत जागरण का काम किया है. वास्तविक सेवक मयार्दा का पालन करते हुए चलता है. अपने कर्तव्य को कुशलता पूर्वक करना आवश्यक है.लेकिन क्या राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के असली शांकराचार्यों की बात न मानने वाले लोग संघ के शंकरचार्य की बात मानेंगे? चूंकि मै अविनाशी नहीं हूँ इसलिए मेरे पास कोई तीसरा नेत्र नहीं हैं ,किन्तु मेरे पास एक अंतर्चेतना हैं जो मुझे आगाह करती है। मुझे लगता हैं कि जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी ,उनकी भाजपा ने अपना एजेंडा नहीं बदला हैं उसी तरह संघ ने भी अपना एजेंडा नहीं बदला हैं। डॉ भागवत ने कहा, हजारों वर्षों से जो पाप हमने किया, उसका प्रायश्चित करना होगा। भारतोद्भव जो लोग हैं, उनसे मिलना आसान है क्योंकि इसकी एक ही बुनियाद है। वही यम नियमात्मक आचरण का पुरस्कार सर्वत्र है। पैगंबर साहब का इस्लाम क्या है, सोचना पड़ेगा ? ईसा मसीह की ईसाइयत क्या है सोचना पड़ेगा ? भगवान ने सबको बनाया है। भगवान की बनाई जो कायनात है, उसके प्रति अपनी भावना क्या होनी चाहिए सोचना पड़ेगा ? जाहिर हैं कि ये एक छिपी हुई धमकी हैं उन लोगों के लिए जिन्हें भाजपा और संघ भारतीय नहीं मानता। इन लोगों में 20 करोड़ मुस्लिम ही नहीं बल्कि वे लोग भी हैं जो प्रश्न करते हैं,जो अंधविश्वास के खिलाफ खड़े होते हैं। जो संविधान की बात करते हैं। जिनकी भाषा माननीयों को अर्बन नक्सलियों की भाषा लगती हैं। जिसे बोलने वाले शाहजादे नजर आते हैं। बहरहाल गठबंधन कि नई सरकार को लख-लख बधाइयां , नए मंत्रियों को उनके नए विभाग मुबारक। खासतौर पर मध्यप्रदेश के कोटे से मंत्री बनाये गए मामा शिवराज सिंह को बधाई , क्योंकि उन्हें वो जिम्मेदारी दी गयी हैं जो उनके मित्र नरेंद्र सिंह तोमर नहीं निभा पाए थे । तोमर के हिस्से में एक नाकाम कृषि मंत्री होना ही आया था। तोमर के दामन पर 700 किसानों की शहादत के चिन्ह हैं।

अहंकार और मयार्दा पर संघ प्रमुख के विचार, चर्चाओं में

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित कार्यकर्ता विकासवर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर आम सहमति के महत्व को प्रतिपादित किया। उन्होंने मणिपुर में पिछले 1 वर्ष से जो हिंसा हो रही है। उस पर चिंता जाहिर की। निश्चित रूप से उन्होंने सरकार से पूछा है, कि वहां की जमीनी हकीकत पर कौन ध्यान देगा। मणिपुर के मामले को प्राथमिकता से निपटने की नसीहत दी। उन्होंने कहा, जो बड़ा सेवक होता है। वह मयार्दा के साथ चलता है। मयार्दा में रहते हुए कर्म का पालन करता है। वह कर्मों से लिपटा नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि कर्म करने के बाद जिसे अहंकार नहीं आता है, वही सेवक बनने का अधिकारी होता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने यह बयान तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने के बाद दिया है। जब तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता की बागडोर संभाल रहे है। उनकी नसीहत शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए थी। चुनाव को युद्ध की नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा के रूप में देखा जाना चाहिए। चुनाव के दौरान जिस तरह से मयार्दाओं का उल्लंघन किया गया है। उस पर उन्होंने दोनों पक्षों को सबक देते हुए कहा, जो वर्तमान में हो रहा है। वह सामाजिक विभाजन पैदा कर रहा है। इसमें संघ को अकारण घसीटा जा रहा है। मोहन भागवत ने कहा वह प्रतिपक्ष को विरोधी नहीं मानते हैं। प्रतिपक्ष भी एक पक्ष को उजागर करता है। सभी विचारों पर विचार विमर्श होना ही चाहिए। चुनाव के लिए आवश्यक शिष्टाचार का होना जरूरी है। इस लोकसभा के चुनाव में किसी भी पक्ष द्वारा मयार्दा का पालन नहीं किया गया। मोहन भागवत ने यह भी कहा, सरकार और प्रतिपक्ष के बीच प्रति स्पर्धा होती है, दुश्मनी नहीं। दोनों का उद्देश्य आम सहमति बनाते हुए समाज कल्याण का काम करना होता है। मतभेदों के बावजूद भी हम सभी को एक साथ चलना होता है। हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। सभी को भविष्य के बारे में सोचना होगा। मणिपुर में जैसी हिंसा हो रही है, उसे रोकना होगा। मणिपुर की बंदूक संस्कृति जो पिछले कई माहों में पनपी है। इससे निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हमेशा से हिंदू महासभा, जनसंघ, उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के ऊपर वैचारिक और अप्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण रहा है। आज भारत में संघ के 90 से ज्यादा अनुवांशिक संगठन काम कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में संघ की, सत्ता पर पकड़ बहुत कमजोर हुई है। संघ और उनके अनुवांशिक संगठन सत्ता में आने के पहले जिन बातों की आलोचना करते थे। वर्तमान में हुए विपरीत काम कर रहे हैं। किसानों, मजदूरों, स्वदेशी जागरण मंच इत्यादि के माध्यम से जब भाजपा सत्ता में नहीं थी, तब क्या कहते थे। आज क्या कर रहे हैं। यह जनता भी देख और समझ रही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जो कहा है। निश्चित रूप से उसका पालन करने की जिम्मेदारी सबसे पहले सत्ता पक्ष की होती है। केंद्र में 2014 से भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला हुआ है। पिछले 10 सालों के कार्यकाल में जिस तरह से कांग्रेस मुक्त भारत विपक्ष मुक्त भारत, एक राष्ट्र एक चुनाव, 100 फीसदी विदेशी निवेश, रिटेल सेक्टर में विदेशी निवेश का प्रवेश पिछले 10 सालों में जिस तरह से हुआ है। धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर सामाजिक वेमनष्यता, संवैधानिक संस्थानों पर सत्ता का दबाव बना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने समय रहते अपने प्रभाव का इस्तेमाल ना तो मयार्दा के लिए किया। नाही नैतिकता के लिए किया है। उल्टा आंख बंद करके सरकार की मदद करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। ऐसी स्थिति में यह भी माना जा सकता है, पर उपदेश कुशल बहुतेरे। आज केंद्र में गठबंधन की सरकार है। भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, ऐसी स्थिति में सहयोगी दलों को सत्ता पक्ष से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख ने विश्वास दिलाने की यह बात की है।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

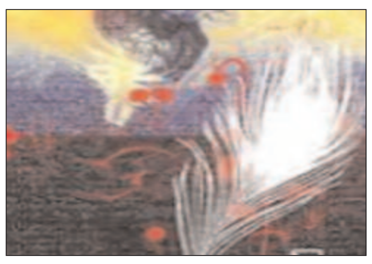

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

बाल-श्रम की अंधी गलियों में बेहाल बचपन कब तक?

-ललित गर्ग

पूरी दुनिया में बाल श्रम एक ज्वलंत समस्या है, कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? बचपन इतना डरावना एवं भयावह हो जायेगा, किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। आखिर क्या कारण है कि बचपन अपराध एवं बाल श्रम की अंधी गलियों में जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज और सरकार इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? यह प्रश्न विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाते हुए हमें झकझोर रहे हैं। पूरी दुनिया में प्रत्येक वर्ष 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की पहल अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने की थी, जिसका मकसद बाल श्रम को रोकना था। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस 2024 की आधिकारिक थीम है- ह्यआइए अपनी प्रतिबद्धताओं पर कार्य करें-बाल श्रम समाप्त करें!ह्व यह दिन जागरूकता बढ़ाने, परिवर्तन की वकालत करने तथा बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। मालूम हो कि इसको मनाने के पीछे एक खास वजह यह थी कि बच्चों को मजदूरी न कराकर उनको स्कूलों की ओर शिक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। मालूम हो कि बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, जिसके कारण बच्चों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं

मिल पा रहा है। उनका यह बचपन रूपी भविष्य आज बाल श्रम के कारण नशे, अपराध एवं जटिलताओं की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। जब हम किसी गली, चौराहे, बाजार, सड़क और हाईवे से गुजरते हैं और किसी दुकान, कारखाने, रैस्टोरैंट या ढाबे पर 12-14 साल के बच्चे को टायर में हवा भरते, पंक्चर लगाते, चिमनी में मुंह से या नली में हवा फूंकते, जूठे बर्तन साफ करते, गारा उठाते, या खाना परोसते देखते हैं और जरा-सी भी कमी होने पर उसके मालिक से लेकर ग्राहक द्वारा गाली देने से लेकर, धकियाने, मारने-पीटने और दुर्व्यवहार होते देखते हैं तो अक्सर ह्यहमें क्या लेना हैह्व या ज्यादा से ज्यादा मालिक से दबे शब्दों में उस मासूम पर थोड़ा रहम करने के लिए कहकर अपने रास्ते हो लेते हैं। लेकिन कब तक हम बचपन को इस तरह प्रताड़ित एवं उपेक्षा का शिकार होने देंगे। बचपन से जुड़ी इस त्रासद एवं दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियों पर नियंत्रण के लिये, बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, पिछले दो दशकों से पूरी दुनिया में बाल श्रम को कम करने के लिए लगातार पहल की जा रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों के दौरान संघर्षों, संकटों और कोरोना महामारी ने विश्व में कई परिवारों को गरीबी में धकेल दिया है, जिसके कारण लाखों बच्चों को बाल श्रम के लिए मजबूर होना पड़ा है। आज का बालक ही कल के समाज का सृजनहार बनेगा। बालक का नैतिक रूझान व अभिरूचि जैसी होगी निश्चित तौर पर भावी समाज भी वैसा ही बनेगा। आज दुनिया में 160 मिलियन बच्चे अभी भी बाल श्रम में लगे हुए हैं। यह दुनिया भर में लगभग दस में से एक बच्चा है। बाल श्रम के मामले में अफ्रीका सभी क्षेत्रों में सबसे ऊपर है। अफ्रीका और एशिया और प्रशांत क्षेत्र में दुनिया भर में बाल श्रम में लगे हर दस बच्चों में से लगभग नौ बच्चे बाल-श्रमिक हैं। शेष बाल श्रमिक आबादी अमेरिका (11 मिलियन), यूरोप और मध्य एशिया (6 मिलियन) और अरब राज्यों (1 मिलियन) में विभाजित है। जबकि बाल श्रम में बच्चों का प्रतिशत निम्न आय वाले देशों में सबसे अधिक है, वास्तव में उनकी संख्या मध्यम आय वाले देशों में अधिक है। निम्न-मध्यम आय वाले देशों में 9 प्रतिशत बच्चे और उच्च-मध्यम आय वाले देशों में 7 प्रतिशत बच्चे बाल श्रम में हैं। पिछले कुछ वर्षों में बाल श्रम को कम करने में बहुत प्रगति हुई है, हाल के वर्षों में वैश्विक रुझान उलट गए हैं और अब पहले से कहीं अधिक यह महत्वपूर्ण है कि सभी रूपों में बाल श्रम को समाप्त करने की दिशा में कार्रवाई में तेजी लाने के लिए मिलकर काम किया जाए। 2022 में बाल श्रम के उन्मूलन पर 5वें वैश्विक सम्मेलन के बाद प्रतिनिधियों द्वारा अपनाई गई डरबन कॉल टू एक्शन रास्ता दिखाती है। अब बाल श्रम के उन्मूलन को वास्तविकता बनाने का समय आ गया है। मालूम हो कि बाल श्रम का प्रमुख कारण गरीबी है, जिसके कारण बच्चों को पढ़ाई छोड़कर मजबूरी में मजदूरी का रास्ता चुनना पड़ता है। हालांकि, कई बच्चों को अपराध रैकेट द्वारा बाल श्रम के लिए मजबूर किया जाता है। भारत की बात करें तो सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2 करोड़ और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार तो लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं। इन बाल श्रमिकों में से 19 प्रतिशत के लगभग घरेलू नौकर हैं, ग्रामीण और असंगठित क्षेत्रों में तथा कृषि क्षेत्र से लगभग 80 प्रतिशत जुड़े हुए हैं। शेष अन्य क्षेत्रों में, बच्चों के अभिभावक ही बहुत थोड़े पैसों में उनको ऐसे ठेकेदारों के हाथ बेच देते हैं जो अपनी व्यवस्था के अनुसार उनको होटलों, कोठियों तथा अन्य कारखानों आदि में काम पर लगा देते हैं। उनके नियोक्ता बच्चों को थोड़ा सा खाना देकर मनमाना काम कराते हैं। 18 घंटे या उससे भी अधिक काम करना, आधे पेट भोजन और मनमाफिक काम न होने पर पिटाई यही उनका जीवन बन जाता है। केवल घर का काम नहीं इन बालश्रमिकों को पटाखे बनाना, कालीन बुनना, वेल्डिंग करना, ताले बनाना, पीतल उद्योग में काम करना, कांच उद्योग, हीरा उद्योग, माचिस, बीड़ी बनाना, खेतों में काम करना (बैल की तरह), कोयले की खानों में, पत्थर खदानों में, सीमेंट उद्योग, दवा उद्योग में तथा होटलों व ढाबों में झूठे बर्तन धोना आदि सभी काम मालिक की मर्जी के अनुसार करने होते हैं।

मोदी कैबिनेट के 71 मंत्रियों में कांस्टेबल से लेकर अध्यापक तक

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में 9 जून की शाम 7.15 बजे 71 मंत्रियों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई हैं। उससे पहले नरेंद्र मोदी ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। वे अटलजी की समाधि और नेशनल वॉर मेमोरियल गए।

नरेंद्र मोदी को जवाहर लाल नेहरू की बराबरी पर लाने के लिए कुछ लोग प्रचारित कर रहे है किनेहरू के बाद तीसरी बार शपथ लेने वाले दूसरे प्रधानमंत्री बने मोदी !जबकि यह पूरी तरह गलत है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आजाद भारत में 4 बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उन्होंने सन1947,1952,1957व1962 में प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व किया। इसके बाद श्रीमति इंदिरा गांधी ने 3 बार प्रधान मंत्री पद की शपथ सन 1967,1971,व 1980 में ली थी। अटल बिहारी वाजपेई ने भी 3 बार प्रधानमंत्री पद की शपथ 1996,1998,1999 में ली थी। जिसके बाद नरेंद्र मोदी ने पहली बार 2014,दूसरी बार 2019 और अब तीसरी बार प्रधान मंत्री पद की शपथ ली है। नरेंद्र मोदी ने जिन्हें मंत्री बनाया उन्हें अपने आवास पर चाय पर बुलाया था। इन नए मंत्रियों में अमित शाह, राजनाथ सिंह, निर्मला रमण , जयशंकर , शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर , कुमारस्वामी ,नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, ज्योतिरादित्य सिंधिया और अर्जुन राम मेघवाल आदि शामिल है। उत्तर प्रदेश से 8 मंत्री बनाये गए है,जबकि उत्तराखंड से अल्मोड़ा सुरक्षित से अजय टम्टा को मंत्री बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह, अपना दल (एस) प्रमुख अनुप्रिया पटेल, रालोद प्रमुख जयंत चौधरी, पीलीभीत से सांसद जितिन प्रसाद, राज्यसभा सांसद बीएल वर्मा, महाराजगंज से सांसद पंकज चौधरी, आगरा से सांसद एसपी सिंह बघेल और बांसगांव से सांसद कमलेश पासवान शामिल हैं। मोदी मंत्रिमंडल में कुछ नाम एकदम चौंकाने है, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर लोगों को चौका दिया है। इनमें नवसारी सीट से 7.77 लाख वोटों के अंतर से जीतकर आए सीआर पाटिल को मोदी मंत्रिमंडल में जगह दी गई हैं। पाटिल भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष हैं। सीआर पाटिल का जन्?म महाराष्ट्र के जलगांव में हुआ था। पाटिल 2009 के चुनाव से पहली बार नवसारी लोकसभा सीट से चुनाव लड़े और एक लाख वोटों से जीत दर्ज की थी। इसके बाद 2014, 2019 और 2024 के चुनाव में भी उन्होंने इसी सीट से बंपर जीत हासिल की। पाटिल की जीत का अंतर हर चुनाव में बढ़ जाता है। यही उनके मंत्री बनने का आधार बना है। मोदी के करीबी नेताओं में गिने जाने वाले सीआर पाटिल ने आईटीआई करने के बाद गुजरात पुलिस बल में कांस्टेबल की नौकरी भी की थी। सन 1984 में नौकरी छोड़ खुद का बिजनेस शुरू किया। साथ ही समाज सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय हो गए। सन 1989 में भाजपा में शामिल हुए। दक्षिण गुजरात में भाजपा की मजबूती का श्रेय पाटिल को दिया जाता है। इसी तरह भावनगर लोकसभा सीट से 4.55 लाख वोटों से जीतकर संसद पहुंची निमुबेन बंभानिया को भी मोदी के मंत्रिमंडल में जगह मिली है। निमुबेन तलपड़ा कोली समाज से आती हैं। वे पेशे से अध्यापक रही हैं और साथ में सामाजिक कार्यकर्ता भी है। 8 सितंबर,सन 1966 को जन्मीं निमुबेन बाभंणिया ने गणित व विज्ञान विषयों से बीएससी और बीएड किया है।

आज का राशिफल

मेष आप आज योजनाबद्ध तरीके से चलेंगे तो आपको सफलता पाने से कोई नहीं रोक सकता।

तुला जरूरी कार्य करने की जरूरत है। बदलाव के लिए कुछ जरूरी कदम उठाने पड़ सकते हैं।

वृषभ एक साथ कई प्रकार के काम हाथ में ले लेने से ऐसा महसूस होना जरूरी भी है।

वृश्चिक मनचले स्वभाव के कारण कुछ बातों को लेकर परेशान हो सकते हैं।

मिथुन व्यक्तिगत जीवन पर सोच विचार करने की फुर्सत मिलेगी। आभूषण आदि का भी रखरखाव करें।

धनु कई लोग ऐसे हैं जिनको इन दिनों अपने गृहस्थ जीवन को संवारने में मेहनत करनी पड़ रही है।

कर्क आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और सभी कार्य समय से पूर्ण होंगे।

मकर यदि आप नौकरीपेशा हैं तो आपको किसी अच्छे काम के लिए पुरस्कार मिल सकता है।

सिंह आपको अपनी इच्छाओं से संतोष रखना है। भाग्य की एक रेखा आपके जीवन में खींची जा रही है।

कुंभ आज लाभ होगा और आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने की जरूरत है।

कन्या आज लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। भाग्य और सौभाग्य का साथ आपको मिलेगा।

मीन सफलता प्राप्ति के योग हैं। अपने कार्यक्षेत्र में इस समय अच्छी ख्याति और यश बटोर सकते हैं।

विशेष

तीसरे कार्यकाल को लेकर मोदी के सामने चुनौतियां

केंद्र में एनडीए गठबंधन की सरकार बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शपथ ले ली है। तेलुगु देशम पार्टी के चंद्रबाबू नायडू तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बहुत बड़े-बड़े विभाग मांगे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों की बातों को नहीं माना। अपने सभी महत्वपूर्ण विभाग भाजपा के विश्वसनीय मंत्रियों को ही दे रखे हैं। तेलुगू देशम की जो सबसे महत्वपूर्ण मांग थी। लोकसभा अध्यक्ष का पद उन्हें चाहिए है। 18 तारीख के पहले इसका भी फैसला हो जाएगा। देखना यह है, कि एनडीए गठबंधन के तेलुगु देशम पार्टी के चंद्रबाबू नायडू और नितीश बाबू को कुछ हाथ लगता है, कि नहीं।

पीएमओ में पहुंचते ही नरेंद्र मोदी ने दिखाई झलक

रविवार को नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली सोमवार को वह पीएमओ गए जब वह अपने कार्यालय पहुंचे उनके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख अजीत डोभाल तथा प्रधान सचिव पीके मिश्रा भी थे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया प्रधानमंत्री ने भी पीएमओ के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया उन्होंने कहा इस पावर सेंटर नहीं बनाना है इसे पीपल्स केंद्र की तरह विकसित किए जाने की जरूरत है उन्होंने कहा कि पीएमओ सेवा का कार्यालय होना चाहिए नाकी पावर केंद्र बना रहना चाहिए।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1934: बल्गारिया में राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगा दिया गया. 1937: रूसी सेना में अनेक जनरल को हटा दिए गए. 1944: जर्मनी ने ब्रिटेन के खिलाफ फ्लाइंग बमों पर इस्तेमाल किया था. 1967: इजरायल ने छह दिन के युद्ध में अरब देशों से छीनी जमीन की कुछ हिस्सा नहीं लौटाने की घोषणा की. 1987: सेंट्रल अफ्रीकी गणराज्य का पूर्व शासक ज्यां. बेडेल बोकासा को अनेक आरोपो में सजा सुनाई गई. 1990: भारतीय उपग्रह इन्सैट- II डी का केनावरल में सफल परीक्षण. 1994: बोरिस येल्तसिन रूसो गणराज्य के राष्ट्रपति चुने गए. 1997: कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष पद चुनाव में सीताराम केसरी भारी बहुमत से विजयी.

दैनिक पंचांग

12 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2024 वर्ष का 164 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 19.17 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 02.12 बजे रात्र को समाप्त।
योग हर्षण 17.15 बजे को समाप्त।
करण कौलव 06.18 बजे तदनन्तर तैतिल 19.17 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 5.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872008
जूलियन दिन 2460473.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्हेज **तारीख** 05
विशेष साँई टेऊँराम पुण्यतिथि, विश्व बाल श्रम निषेध दिवस।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.29 बजे से
चंद्र	सिंह में	कर्क	07.42 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.59 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.10 बजे से
गुरु	वृष में	तुला	14.21 बजे से
शुक्र	वृष में	वृश्चिक	16.36 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	18.52 बजे से
राहु	मीन में	मकर	20.57 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	22.43 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मीन	00.16 बजे से
		मेष	01.47 बजे से
		वृष	03.27 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

क्या होता है डीएनए, जिससे खुल जाते है पीढ़ियों के राज

डीएनए टेस्ट जिसे करने से व्यक्ति के बारे में सम्पूर्ण जानकारी मिल जाती हैं। क्या आप इसके बारें में जानते है? क्या आप जानते है भारत में पहली बार डीएनए टेस्ट कब किया गया था? यदि आप भी डीएनए टेस्ट के बारे में नहीं जानते हैं तो यह खबर आपके काम की हैं।

डीएनए टेस्ट एक शक्तिशाली और विश्वासनीय विज्ञान है, जिसके जरिए हम व्यक्ति के जन्म से लेकर उसके वंश और स्वास्थ्य का विश्वासनीय ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। यह विज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। दरअसल आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन डीएनए से आप व्यक्ति की पूरी जानकारी निकाल सकते हैं। दरअसल डीएनए न सिर्फ व्यक्ति के माता-पिता की जानकारी मिल सकती हैं बल्कि इससे उसकी पुरानी पीढ़ियों, बीमारियों और मजबूती के बारे में पता लगाया जा सकता है। दरअसल आपको बता दें भारत में पहला डीएनए टेस्ट 1991 में हुआ था।

क्या होता है डीएनए?

दरअसल जैसे ज्योतिष में कुंडली का महत्व होता है, ठीक उसी तरह डीएनए से हम व्यक्ति के जींस, पूर्वजों और उनकी आनुवंशिक ज्ञान को प्राप्त कर सकते हैं। आपको बता दें की डीएनए को डीऑक्सीराइबो न्यूक्लिक एसिड कहा जाता हैं। जानकारी के अनुसार यह हमारे शरीर में मौजूद एक अणु होता है। दरअसल किसी भी व्यक्ति का एक अद्वितीय आनुवंशिक और अलग कोड होता है। आपको जानकारी होगी कि हमारे शरीर में कई करोड़ सेल्स दौड़ती हैं। वहीं ये रेड सेल्स को छोड़कर अन्य सभी सेल्स में एक जेनेटिक कोडिंग होती हैं, जो शरीर को बनाती है। बस इसी कोडिंग की मदद से डीएनए पूर्वज तक की जानकारी निकल लेता हैं। दरअसल इसमें उनके स्वास्थ्य, बीमारियों, उनके वंश के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी होती है। इस जानकारी का प्रयोग तब किया जाता है जब बड़े आपराधिक मामलों में डीएनए टेस्ट की जरूरत पड़ती है।

कैसे करते हैं डीएनए टेस्ट?

डीएनए टेस्ट की जांच के लिए विभिन्न शरीरिक नमूने लिए जाते हैं, जैसे कि मुख की लार, दांत, हड्डियां, नाखून या पेशाब। ये नमूने साइंटिफिक तरीके से प्रक्रियाओं के माध्यम से लेकर डीएनए कोशिकाओं को अलग किया जाता है और उससे व्यक्ति के आनुवंशिक ज्ञान का पता लगाया जाता है।

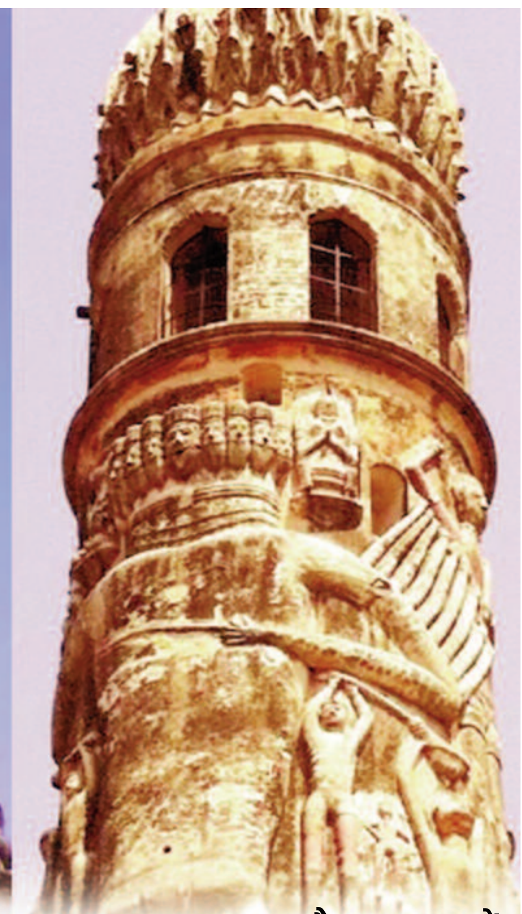

उरई की ऐतिहासिक लंका मीनार...

जहां भाई-बहनों का प्रवेश है निषेध

भारत, आस्था और मान्यताओं का देश माना जाता है, जहां हर ऐतिहासिक स्थल और मंदिर के पीछे अपनी अलग मान्यता होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही धार्मिक स्थल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके साथ बेहद ही रोचक मान्यता जुड़ी हुई है। दरअसल आज हम बात कर रहे हैं लंका मीनार की, जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां सिर्फ प्रेमी-प्रेमिका या पति-पत्नी ही प्रवेश कर सकते हैं। यहां भाई बहनो का प्रवेश निषेध है।

भारत कई संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। यहां का समाज सदियों से चले आ रहे हैं रीती-रिवाजों का प्लान करता है। इसके अलावा यहां कई अजीबों-गरीब मान्यताओं का भी खूब चलन है, जिनके बारे में जानकार हर कोई हैरान रह जाता है। भारत की एक ऐसी ही मान्यता है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बताने जा रहे हैं, जो एक मीनार से जुड़ी हई है। ऐसा कहा जाता है कि इस मीनार पर भाई-बहन एक साथ चढ़कर ऊपर जा नहीं जा सकते।

25 वर्षों में मीनार का हुआ था पूरा निर्माण

नगर के मोहल्ला रावगंज स्थित लंका मीनार का निर्माण बाबू मथुरा प्रसाद निगम लंकेश ने सन 1875 में कराया था। 25 वर्षों में लंका मीनार का निर्माण पूरा हुआ था। लंकेश के वंशज विवेक कुमार निगम बताते है कि लंका मीनार में ऊपर चढने् के लिये सात गोल फेरों से होकर जाना पड़ता है इसलिये यहां पर भाई बहन चाचा भतीजी मामा भांजी आदि रिश्तों को ध्यान में रख कर लोग लंका मीनार पर चढ़ते हैं लंका मीनार के सात फेरों को शादी के सात फेरों से जोड़ कर देखा जाता है। यदि उक्त रिश्ते के लोग साथ मे लंका मे चढ़ते हैं तो उन्हें पति पत्नी मान लिया जाता है। हालांकि यह बात कहीं इतिहास में दर्ज नही है। यह केवल किवदंती मात्र है।

रावण का पूरा परिवार सहित संसार के सारे देवी देवता स्थापित हैं

लंका मीनार की देखरेख करने वाले विवेक निगम बताते हैं कि लंका मीनार परिसर में रावण के पूरे परिवार के लोगों की मूर्तियां स्थापित हैं। रामचरित मानस के अयोध्याकाण्ड में जितने भी देवी देवताओं का वर्णन मिलता है सभी के चित्र लंका मीनार में स्थापित है वहीं रावण की विशाल काय प्रतिमा के सन्मुख चित्रगुप्त का मंदिर है। इस मंदिर को कुछ इस तरीके से बनाया गया है कि 12 मास 24 घंटे रावण की दृष्टि शिवलिंग पर पड़ती है इसी मंदिर मे संसार के सभी देवी देवता की प्रतिमा स्थापित है

उत्तर प्रदेश में मौजूद है 'लंका मीनार'

इस मीनार की अजीब मान्यता रावण को समर्पित है। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में स्थित इस मीनार के अंदर रावण के पूरे परिवार के चित्र बनाए गए हैं। वैसे मीनार ज्यादा बड़ी नहीं है, लेकिन अपनी अजीब मान्यता की वजह से ये जगह एक टूरिस्ट स्पॉट में बदल चुकी है। इस स्थान का अनुभव लेने के लिए लोग यहां दूर-दूर से आते हैं।

क्यों कराया गया इस मीनार का निर्माण?

इस मीनार के निर्माण की कहानी बड़ी दिलचस्प है. जानकारी के अनुसार, यह मीनार 1857 में, मथुरा प्रसाद नामक एक व्यक्ति द्वारा बनवाई गई थी. कहते हैं कि मथुरा प्रसाद ने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण करवाया था. इसलिए, इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया.

मंदिर को बनाने की कहानी

इस मीनार के निर्माण की कहानी बेहद ही दिलचस्प है। इस मीनार को 1857 में, मथुरा प्रसाद निगम के एक व्यक्ति द्वारा बनवाया गया था। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण किया था, जिस वजह से इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया। मथुरा प्रसाद एक कलाकर के रूप में ज्यादातर रावण का किरदार करते थे। ऐसा कहा जाता है कि रावण की भूमिका ने उनपर इतनी बड़ी छाप छोड़ी कि उन्होंने रावण की याद में एक मीनार बनवा डाला। लंका मीनार को बनाने में 20 साल का समय लगा था। टॉवर की ऊंचाई 210 फीट है। इस मीनार को बनाने में उस समय लगभग 1 लाख 75 हजार का खर्चा आया था।

शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता हैं इसे

नगर की लंका मीनार एक ऐसा स्थान है जहां पर भाई बहन मामा भांजी चाचा भतीजी आदि साथ में मीनार पर नहीं चढ़ सकते हैं। क्योंकि इसमें चढने् के लिए सात गोल चक्कर हैं जिन्हें शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता है। कहा जाता है यदि उक्त रिश्ते वाले लोग यदि बिना ध्यान दिये लंका में चढ़ जाते हैं तो उन्हें पति पत्नी माना जाता है। इसकी जानकारी पहले लंका मीनार के बाहर भी लिखी थी।

बहन-भाई नहीं जा सकते

लंका मीनार को लेकर एक अजीब मान्यता ये भी है कि यहां मीनार में भाई बहन एक साथ ऊपर नहीं जा सकते हैं। असल में, मीनार के ऊपर जाने के लिए 7 परिक्रमाओं को पूरा करना पड़ता है, जिसे भाई-बहन द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता। यही कारण कि मीनार के ऊपर एक साथ भाई बहनों का जाना मना है। इसे मान्यता को आप भी कुछ कह लें, लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा इसका पालन सालों से किया जा रहा है।

कौड़ी, केसर, शीप, दाल, गुड़ आदि के मिश्रण से हुआ था निर्माण

विवेक कुमार निगम बताते हैं कि इस मीनार का निर्माण कौड़ी, केसर, शीप, उर्द की दाल, गुड़ और चूने आदि का प्रयोग करके कराया गया था। इसका निर्माण कारीगर अजीम ने किया था। लंका मीनार की लंबाई लगभग 30 मीटर है, जिसमें सात घुमावदार मोड़ हैं। वहीं लंका मीनार परिसर में रावण का पूरे परिवार का चित्रण है, जिसमें सौ फीट के कुंभकर्ण व 65 फीट ऊंचे मेघनाद की प्रतिमाएं विराजमान हैं।

यहां ट्रेन से उतरते हैं भूत, खौफनाक नजारा देख भागे कारीगर, अब तक अधूरा है ये स्टेशन!

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिनसे भूतों का कनेक्शन जुड़ गया है. भूत होते हैं या नहीं, ये तो व्यक्तिगत मान्यताओं पर निर्भर करता है. पर इन जगहों पर जाकर बहुत से लोगों ने ये दावा किया है कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ है कि उनके इर्द-गिर्द भूतों जैसा कुछ मौजूद है. ऐसी ही एक जगह स्वीडन में मौजूद है. ये एक रेलवे स्टेशन है, जिसके लिए कहा जाता है कि यहां भूतों से भरी ट्रेन आती है और यहां पर सिर्फ भूतों का ही राज चलता है. जब आप इस जगह के बारे में जानेंगे, तो आपकी भी रूह कांप उठेगी.

रिपोर्ट के अनुसार स्वीडन की राजधानी स्टॉकहॉम शहर में एक मेट्रो स्टेशन है, जिसका नाम है किमलिंज मेट्रो स्टेशन. शहर के आम लोगों की कहानियों और किस्सों में ये स्टेशन भुतहा है. अब वास्तविकता क्या है, ये तो कोई भी ठीक-ठीक नहीं बताता, पर मान्यताओं में यहां लोग जाने से डरते हैं. इसी वजह से ये स्टेशन आजतक अधूरा है. माना जाता है कि सालों पहले जब इस स्टेशन को बनाने का कार्य जारी था, तो यहां काम करने वाले कारीगर रातों-रात भाग निकले थे.

स्टेशन क्यों रह गया अधूरा?

उन्होंने अपने परिवार-दोस्तों से स्टेशन के राज का खुलासा करते हुए बताया था कि वहां भूत हैं. उनका कहना था कि रात में इस स्टेशन पर कुछ ट्रेनें आती हैं, जिनसे भूत उतरते हैं. तब से लोगों में ये अफवाह फैल गई कि स्टेशन पर देर रात ऐसी ट्रेनें आती हैं, जिसमें से भूत यात्रा कर यहां उतरते हैं. इस स्टेशन से जुड़ी जो सबसे खौफनाक बात है, वो है सिल्वर एरो ट्रेन. ये ट्रेन अपने में काफी अनोखी लगती है.

ट्रेन से उतरते थे भूत

1960 के दशक में स्टॉकहोम मेट्रो को 8 ट्रेनों की सौगात मिली थी जो अल्युमीनियम से पूरी तरह बनी थीं. वैसे तो ये स्वीडन में आम बात थी, पर जब वो उन ट्रेनों को स्टेशन पर लाया गया, तो उन्हें स्टॉकहोम की ट्रेनों के अन्य कोच की तरह हरे रंग में नहीं रंगा गया. प्रशासन ने सोचा था कि सिल्वर रंग के कोच, बाकी कोच से अलग नजर आएंगे. पर उन्हें ये कहां पता था कि इसकी वजह से अफवाहें भी फैलने लगेंगी. धीरे-धीरे अफवाह फैलने लगी कि ये ट्रेन रात में अपने आप चलने लगती है. बाकी ट्रेनों पर लोग स्प्रे पेंट से पेंटिंग कर देते थे, या कोई विज्ञापन चिपका देते थे, पर सिल्वर एरो ट्रेनें बिना किसी दाग की होती थीं. लोगों का मानना था कि ऐसा सिर्फ इस वजह से है क्योंकि ट्रेनों को भूत प्रयोग कर रहे हैं. कुछ लोग ये भी मानते थे कि अगर ट्रेन पर कोई जीवित व्यक्ति चढ़ गया, तो जो नीचे उतरेगा, वो उसका भूत होगा.

क्या था सच

प्रशासन ने इस स्टेशन और ट्रेन के बारे में कई बार बताया है. उनका कहना है कि स्टेशन खाली नहीं रहता, बस उसके निर्माण कार्य पर रोक लग गई थी. वो इसलिए क्योंकि स्टेशन जंगलों के बीच स्थित था और प्रशासन ने तय किया कि वो उसके आसपास की प्राकृतिक खूबसूरती को नष्ट नहीं करना चाहते. इसके अलावा उन्हें लगा था कि ट्रेन को सिल्वर रंग का छोड़ने से उन्हें ये पता चल जाएगा कि यात्रियों को रंगीन ट्रेनों पर चलना पसंद है या फिर सादे रंग की ट्रेनों पर. इसके अलावा पेंट न करने से उनके काफी रुपये बच रहे थे. न जाने कैसे, लोगों ने ट्रेन को लेकर भूतों की बातें शुरू कर दीं. ऐसी रोचक जानकारियों के लिए जुड़े रहें.

कभी-कभी ऐसी घटनाएं घट जाती हैं, जिनपर विश्वास करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन सा लगने लगता है। आज से 66 साल पहले कुछ ऐसी ही घटना जापान के एक एयरपोर्ट पर घटी थी, जो आज भी एक अनसुलझी पहेली की तरह है। दरअसल, यहां एक रहस्यमय शख्स आ गया था, जो खुद को एक ऐसे देश का नागरिक बता रहा था, जो असल में धरती पर कहीं है ही नहीं। इतना ही नहीं, एक बंद कमरे से वो अचानक गायब भी हो गया था, जिसके बाद वो कभी नहीं दिखा।

66 साल से रहस्य बना है काल्पनिक देश से आया शख्स, अचानक हो गया था गायब

यह घटना जुलाई 1954 की है। दोपहर के 12.30 बज रहे थे। एक यूरोपीय विमान टोक्यो के हेनेडा हवाईअड्डे पर लैंड हुआ। विमान में सवार सभी यात्री नीचे उतरे और चेक आउट काउंटर की तरफ गए। वहां बैठे अधिकारी सभी यात्रियों के पासपोर्ट की जांच कर रहे थे। तभी उन्हें एक ऐसा यात्री मिला, जिसके पासपोर्ट को देख कर वो हैरान रह गए। यात्री के पासपोर्ट पर टॉरेड नाम के एक देश का नाम लिखा हुआ था। जांच कर रहे अधिकारियों ने इससे पहले कभी ऐसे किसी देश का नाम नहीं सुना था। उन्हें वो यात्री संदिग्ध लगा, इसलिए उन्होंने इसकी सूचना सुरक्षा अधिकारियों को दी, जिसके बाद उस यात्री को पूछताछ के लिए अलग कमरे में ले जाया गया। अधिकारियों ने सबसे पहले तो उससे जापान आने का कारण पूछा। इस पर उसने बताया कि वह एक कारोबारी है और बिजनेस के सिलसिले में ही यहां आया है। सुरक्षा अधिकारियों ने उस रहस्यमय यात्री के पासपोर्ट की जांच की, जिसपर उसके देश का नाम टॉरेड लिखा था। उन्हें भी बड़ा आश्चर्य हुआ कि क्या सच में ऐसा कोई देश है। अधिकारियों के पूछने पर उसने बताया कि इस पासपोर्ट पर ये कोई उसकी पहली यात्रा नहीं है बल्कि वो यूरोप के कई देशों में भी जा चुका है। अधिकारियों को भी उसकी बातें सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ, क्योंकि उसके पासपोर्ट पर अन्य देशों के जो मुहर लगे थे, वो बिल्कुल असली थे। फिर भी वो इस बात को मानने को कतई तैयार नहीं थे कि जिस देश से वह यात्री आया है, असल में वो धरती पर कहीं है। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानने के लिए कि टॉरेड आखिर धरती पर है कहां, उस यात्री को दुनिया का मैप दिखाया और पूछा कि उसका देश कहां है। इसपर उस यात्री ने अंडोरा नाम के देश पर ऊंगली रखते हुए कहा कि यहां उसका देश है, लेकिन उसे ये समझ नहीं आ रहा कि यहां टॉरेड की जगह अंडोरा क्यों लिखा हुआ है। यह सुनकर अधिकारी और भी ज्यादा हैरान हो गए कि आखिर ये शख्स खुद को एक काल्पनिक देश का क्यों बता रहा है, लेकिन उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को देखकर लग रहा था कि वो सच बोल रहा है।

अब वो रहस्यमय यात्री सच बोल रहा है या झूठ, यह जानने का एक ही उपाय था और वो ये कि वह कारोबार के सिलसिले में किससे मिलने आया था। अधिकारियों के पूछने पर उसने उस कंपनी का नाम बताया, जहां उसे जाना था। साथ ही उस होटल के बारे में भी बताया, जहां उसे ठहरना था। इसके बाद अधिकारियों ने उस कंपनी और होटल से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने ऐसे किसी भी व्यक्ति को पहचानने से इनकार कर दिया। अब जांच अधिकारियों को लगा कि शायद ये कोई शातिर अपराधी है, जो अपनी पहचान छुपा रहा है और यहां किसी घटना को अंजाम देने के लिए आया है। इसके बाद उन्होंने उसका सारा सामान जब्त कर लिया और पुलिस की कड़ी निगरानी में उसे एक होटल के कमरे में बंद कर दिया गया। अगले दिन जब कमरे का दरवाजा खोला गया, तो पुलिस यह देख कर चौंक गई कि कमरे में तो कोई है ही नहीं, जबकि बाहर पुलिस का पहरा था और कमरे की सभी खिड़कियों को पहले ही सील कर दिया गया था। पुलिस को यह जानकर और भी ज्यादा आश्चर्य हुआ कि एयरपोर्ट पर उसका जो पासपोर्ट, वीजा और अन्य कागजात जब्त किए गए थे, वो भी गायब थे। अब किसी को भी यह समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर ये हुआ कैसे।

सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं। कोई कहता है कि वो रहस्यमय शख्स दूसरी दुनिया से आया था तो कोई कहता है कि टाइम मशीन के जरिए वो गलती से यहां आ गया होगा और जब उसने देखा कि उसका राज खुलने वाला है तो वो कहीं गायब हो गया। अब यह सच है या झूठ, ये तो कोई नहीं जानता, लेकिन इस रहस्यमय घटना पर कई किताबें जरूर लिखी जा चुकी हैं, जिनमें से एक है डायरेक्टरी ऑफ पॉसिबिलिटीज।

संक्षिप्त समाचार

घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री मई में 4 प्रतिशत बढ़कर 3,47,492 इकाई : सियाम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 3,47,492 इकाई हो गयी। उद्योग संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मई 2023 में थोक बिक्री कुल 3,34,537 इकाई रही थी।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने एक बयान में कहा, ''यात्री वाहनों में केवल मध्यम वृद्धि देखी गई है, जिसका मुख्य कारण पिछले वर्ष का उच्च आधार प्रभाव है। मई में दोपहिया वाहनों की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 16,20,084 इकाई हो गई, जबकि मई 2023 में यह 14,71,550 इकाई थी। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 55,763 इकाई हो गई, जबकि मई 2023 में यह 48,610 इकाई थी।

पांच माह के शीर्ष पर पहुंच सकती है खुदरा महंगाई, गर्मी से खाने-पीने की चीजों के बढ़े दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सब्जियों की महंगाई दर भी मई में बढ़कर 30 फीसदी के आसपास पहुंच सकती है, जो अप्रैल में 27.7 फीसदी रही थी। पिछले महीने सब्जियों के दाम मासिक आधार पर 5.2 फीसदी बढ़े हैं।

खाने-पीने की वस्तुओं और खासकर फल-सब्जियों की कीमतों में वृद्धि से खुदरा महंगाई मई, 2024 में एक बार फिर बढ़कर 5.14 फीसदी पर पहुंच सकती है। अगर ऐसा हुआ तो यह दिसंबर, 2023 के बाद इसका पांच महीने का उच्च स्तर होगा। उस समय खुदरा महंगाई 5.69 फीसदी रही थी। अप्रैल में यह घटकर 11 महीने के निचले स्तर 4.83 फीसदी पर आ गई थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, देश के कई हिस्सों में बढ़ते तापमान ने सब्जियों और फलों की फसल को प्रभावित किया है। इससे खाद्य महंगाई मई में बढ़कर 9.1 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है, जो अप्रैल में 8.7 फीसदी रही थी। इसका असर कुल महंगाई पर देखने को मिल सकता है। सरकार बुधवार को खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी कर सकती है। मुख्य महंगाई (खाद्य औ ऊर्जा को छोड़कर) भी 3.3 फीसदी से बढ़कर मई में 3.5 फीसदी पहुंच सकती है। सीएमआईई के मुताबिक, फलों और सब्जियों की महंगाई दर में करीब दो फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इससे मई में फलों की महंगाई अप्रैल के 3.5 फीसदी से बढ़कर 5.5 फीसदी पहुंच सकती है। क्रमिक रूप से फलों की कीमतें पिछले महीने 2.5 फीसदी बढ़ी हैं।

पेटीएम ने तीन महीने में 3,500 लोगों को निकाला, कर्मचारियों की संख्या घटकर 36,521 पहुंची

नई दिल्ली , एजेंसी। पेटीएम की मालिकाना हक वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने जनवरी-मार्च तिमाही में करीब 3,500 कर्मचारियों की छंटनी की है। यह छंटनी बिक्री विभाग में की गई है।?इसके साथही, पेटीएम के कर्मचारियों की संख्या घटकर 36,521 रह गई।कंपनी ने कहा, वह कर्मचारियों के सुचारू रूप से स्थानांतरण के लिए आउटप्लेसमेंट (कहीं और भर्ती) सहायता उपलब्ध करा रही है। कंपनी का 2023-24 की चौथी तिमाही में घाटा बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया। एजेंसी

डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को 10 पैसे कमजोर होकर 83.50 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों में नरमी और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती से रुपये में गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.48 पर खुला। पिछले सत्र में 83.40 पर बंद हुआ था।

कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स के निलंबित बोर्ड ने एनसीएलटी के पिछले सप्ताह के आदेश को अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी में चुनौती दी है।

ब्रिक्स देशों के व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल पर जोर

नया कोटा फॉर्मूला अपनाने का भी आह्वान

मॉस्को, एजेंसी। रूस के निजनी नोवगोरोड में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की एक बैठक हुई। इस दौरान ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चाएं हुईं।

ब्रिक्स देशों ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय लेन-देन में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही इन देशों ने नियम आधारित खुले एवं पारदर्शी वैश्विक व्यापार के लिए प्रतिबद्धता जताई।

ब्रिक्स की एक बैठक हुई

बता दें, रूस के निजनी नोवगोरोड में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की एक बैठक हुई। इस दौरान ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चाएं हुईं। बैठक में मंत्रियों ने माना कि वैश्विक वित्तीय संरचना के सुधार की आवश्यकता है।

कौन-कौन से देश सदस्य?

ब्रिक्स, जो ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संक्षिप्त रूप है, एक अनौपचारिक साझेदारी है जो सदस्य देशों के बीच सहयोग और संचार को बढ़ावा देती है। ब्रिक्स देशों के बीच कोई औपचारिक या कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता नहीं है। ब्रिक्स शब्द जिम ओनील द्वारा बनाया गया था, जिन्होंने उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था के भीतर इन देशों की क्षमता पर जोर देने के लिए इस शब्द का प्रयोग किया था। जब ओनील ने बिल्डिंग बेटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स शीर्षक से अपना पेपर प्रकाशित किया, तो उनका मानना था कि ये देश, अपने आर्थिक विकास, संसाधनों और बढ़ती आबादी के कारण, 21वीं सदी के भीतर आर्थिक महाशक्ति बन जाएंगे।

नेताओं को रिपोर्ट करने का काम

संयुक्त बयान के अनुसार, उन्होंने जोहानिसबर्ग द्वितीय घोषणापत्र के पैराग्राफ 45 का जिक्र किया, जिसमें ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों को स्थानीय मुद्राओं, भुगतान उपकरणों और मंचों के मुद्दे पर विचार करने और ब्रिक्स नेताओं को रिपोर्ट करने का काम सौंपा गया है।

इन मांगों को भी दोहराया

इसके अलावा, विदेश मंत्रियों ने सीओपी27 में की गई मांग को दोहराया कि यह गारंटी दी जाए कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान सुधार में वित्तपोषण के दायरे का विस्तार करने और संसाधनों तक आसान पहुंच को सुविधाजनक बनाने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2025 इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट शेयरधारक समीक्षा एक बड़ी सफलता होगी।

नया कोटा फॉर्मूला अपनाने पर जोर

विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के ब्रिक्स मंत्रियों की बैठक के अंत में जारी एक संयुक्त बयान में एक मजबूत वैश्विक वित्तीय सुरक्षा आवरण पर भी जोर दिया गया, जिसके केंद्र में कोटा-आधारित और पर्याप्त संसाधनों वाला अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) हो। बयान के मुताबिक कोटा की सामान्य समीक्षा के तहत आईएमएफ व्यवस्था की सुधार की प्रक्रिया को जारी रखने का आह्वान किया। इसमें नया कोटा फॉर्मूला अपनाने की बात भी कही गई। वहीं रूस के विदेश मंत्री का कहना है कि उभरती राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में सुधार और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार के लिए एक मंच विकसित करने पर सक्रिय रूप से काम करना शुरू कर दिया है।

लगातार कम कारोबार वाले स्टॉक्स को बाहर करने की तैयारी, सेबी लाया ये नया प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को डेरिवेटिव खंड में व्यक्तिगत शेयरों को शामिल करने के लिए सख्त मानदंडों का प्रस्ताव किया। नए प्रस्ताव के मुताबिक शेयर बाजार के वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड से लगातार कम कारोबार वाले शेयरों को बाहर किया जाएगा। सेबी ने इस बारे में जारी परामर्श पत्र में बाजार नियामक ने कहा है कि अंडरलाइन कैश मार्केट में पर्याप्त गहराई के बिना बाजार में हेरफेर, अस्थिरता में वृद्धि और निवेशक सुरक्षा से समझौता होने का जोखिम बढ़ सकता है। इन सभी को ध्यान में रखते हुए सेबी के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि डेरिवेटिव खंड में सिर्फ आकार, नकदी और बाजार गहराई के संदर्भ में उच्च गुणवत्ता वाले शेयर ही उपलब्ध हों। प्रस्ताव के तहत, किसी व्यक्तिगत शेयर को डेरिवेटिव कारोबार में शामिल करने के लिए उसका कुल में से कम से कम 75 प्रतिशत कारोबारी दिवसों में कारोबार होना चाहिए। इसके अलावा कम से कम 15 प्रतिशत सक्रिय व्यापारियों या 200 सदस्यों (जो भी कम हो) ने इस शेयर में कारोबार किया हो और इसका औसत दैनिक कारोबार 500 करोड़ रुपए से 1,500 करोड़ रुपए के बीच होना चाहिए।

अनुबंधों की अधिकतम संख्या का भी प्रस्ताव: सेबी ने प्रस्ताव दिया है कि इसके अलावा अंडरलाइन शेयर के लिए खुले अनुबंधों की अधिकतम संख्या 1,250 करोड़ रुपए और 1,750 करोड़ रुपए होनी चाहिए। वर्तमान में यह आंकड़ा 500 करोड़ रुपए है। इन प्रस्तावों का मकसद संबंधित शेयर में पर्याप्त कारोबार सुनिश्चित करना है। सेबी ने इस प्रस्ताव पर 19 जून तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी हैं।

इन शेयरों पर लटक सकती है तलवार: बाजार नियामक की तरफ से डेरिवेटिव बाजार में शेयरों के प्रवेश और निकास के लिए सलेक्शन मानदंडों की समीक्षा करने का प्रस्ताव लागू हुआ तो एलआईसी, जोमैटो, यस बैंक, जियो फाइनेंशियल, पेटीएम, आरवीएनएल और अदानी ग्रीन जैसे कम से कम 78 शेयर एफएंडओ सूची में शामिल हो सकते हैं।

जेपी इन्फ्रा दिवाला मामले में यीडा को 133 करोड़ रुपए की पहली किस्त का भुगतान करेगा सुरक्षा ग्रुप

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी रियल्टी कंपनी जेपी इन्फ्राटेक की कमान संभालने वाला मुंबई स्थित सुरक्षा समूह किसानों को अतिरिक्त मुआवजे के रूप में तीन महीने के भीतर यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) को लगभग 133 करोड़ रुपए की पहली किस्त का भुगतान करेगा। सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने 24 मई को जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) का अधिग्रहण करने के लिए सुरक्षा रियल्टी की तरफ से लगाई बोली को बरकरार रखा था। इसके साथ ही इसे किसानों को मुआवजे के रूप में यमुना यीडा को 1,334 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश भी दिया था। इसके पहले मार्च, 2023 में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने दिवाला प्रक्रिया पर मुहर लगाई थी। एनसीएलटी ने जेआईएल को खरीदने के लिए सुरक्षा समूह की तरफ से लगाई बोली को मंजूरी दे दी थी।

हालांकि, यीडा सहित कई पक्षों ने एनसीएलटी के आदेश को चुनौती देते हुए एनसीएलएटी में याचिका दायर की थी। यीडा ने किसानों के मुआवजे के रूप में लगभग 1,700 करोड़ रुपए का दावा किया था। पिछले सप्ताह सुरक्षा समूह ने जेआईएल की नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अटकी कई परियोजनाओं के लगभग 20,000 घर खरीदारों को बड़ी राहत देते हुए तीन सदस्यीय बोर्ड का गठन करके जेआईएल का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया था। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा समूह जल्द ही दिल्ली-एनसीआर में रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं का निर्माण पूरा करने के लिए 125 करोड़ रुपए की इक्विटी पूंजी डालेगा। उन्होंने कहा कि समूह मंजूरी की तारीख से 90 दिन के भीतर यीडा को 133.43 करोड़ रुपए की पहली किस्त भी देगा। सूत्रों ने कहा कि सुरक्षा समूह मंजूरी की तारीख से एक साल के भीतर प्राधिकरण को 200.15 करोड़ रुपए का भुगतान करेगा। समूह मंजूरी की तारीख से दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ष के अंत में भी हर साल 333.8 करोड़ रुपए का भुगतान करेगा।

जेआईएल के निदेशक मंडल में शामिल सुरक्षा समूह के प्रवर्तक सुधीर वी वालिया को गैर-कार्यकारी निदेशक, आलोक चंपक दवे को कार्यकारी निदेशक और उषा अनिल कदम को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है। दवे को जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड का प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) भी नियुक्त किया गया है।

स्टैंडअलोन आधार पर बनी कर्ज फ्री कंपनी, चुका दिया बैंकों का पैसा

नई दिल्ली , एजेंसी। रिलायंस पावर ने ऋणदाताओं का सारा बकाया कर्ज चुका दिया है और अब वह स्टैंडअलोन आधार पर कर्ज-मुक्त कंपनी बन गई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी पर करीब 800 करोड़ रुपए का बकाया कर्ज था, जिसे बैंकों को चुका दिया गया है। रिलायंस पावर ने दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के बीच आईडीबीआई बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस सहित विभिन्न बैंकों के साथ कई डेट सेटलमेंट एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए।

चुका दिया बैंकों का पूरा कर्ज: सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने अब इन बैंकों का पूरा कर्ज चुका दिया है। दिसंबर 2023 में रिलायंस पावर ने अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित 1,200 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना के विकास अधिकार टीएचडीसी को 128 करोड़ रुपए में बेचे। मार्च 2024 में कंपनी ने महाराष्ट्र के वाशपेट में अपनी 45 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना को 132 करोड़ रुपए में जेएसडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी को बेच दिया। इन परियोजनाओं की बिक्री से मिली राशि का उपयोग कंपनी ने अपना कर्ज चुकाने में किया है।

5900 मेगावाट की है परिचालन क्षमता: रिलायंस पावर के पास 38 लाख से अधिक खुदरा निवेशकों की भागीदारी के साथ 4,016 करोड़ रुपए का शेयर आधार है। रिलायंस पावर की परिचालन क्षमता 5900 मेगावाट है, जिसमें 3960 मेगावाट का सासन अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट (यूएमपीपी) और उत्तर प्रदेश में 1200 मेगावाट का रोजा ताप-विद्युत संयंत्र शामिल है। सासन यूएमपीपी दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों में से एक है।

रिलायंस पावर का शेयर: रिलायंस पावर का शेयर सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ है। कंपनी का शेयर 4.28 फीसदी या 1.07 रुपए की बढ़त लेकर 26.07 रुपए पर बंद हुआ। इस शेयर का 52 वीक हाई 34.35 रुपए है। वहीं, 52 वीक लो 13.80 रुपए है। कंपनी का मार्केट कैप सोमवार को 10,472 करोड़ रुपए था।

एलन मस्क के एक बयान से ऐपल हुई पस्त, शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन और आईपैड बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऐपल के शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिली। दरअसल ऐपल ने ओपनएआई के साथ पार्टनरशिप की घोषणा की है लेकिन यह बात टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क को चुभ गई है। मस्क ने चेतावनी दी है कि अगर ऐपल ने ओपनएआई के चैटजीपीटी को अपने ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ इंटिग्रेट किया तो उसके डेवाइसेज को उनकी कंपनियों में बैन कर दिया जाएगा। उन्होंने यहां तक कह दिया कि उनकी कंपनियों में आने-जाने वाले विजिटर्स को दरवाजे पर अपने ऐपल डेवाइस चेक कराने होंगे और उन्हें अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। उनका कहना है कि यह सिक्योरिटी का घोर उल्लंघन है जिसे कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

दुनिया के तीसरे बड़े रईस मस्क के इस बयान से ऐपल के शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट आई। कंपनी का शेयर 1.91 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी मार्केट कैप के मामले में एक बार फिर एनवीडिया से पिछड़ गई है। एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया का मार्केट कैप 2.995 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है जबकि ऐपल 2.961 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गई है। माइक्रोसॉफ्ट 3.180 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया का सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। ओपनएआई में माइक्रोसॉफ्ट का निवेश है। मस्क खुद एक एआई कंपनी &AI चला रहे हैं। लेकिन उन्हें ऐपल और ओपनएआई की पार्टनरशिप कतई रास नहीं आ रही है।

चीन से खरीदारी थमी, 3300 रुपए सस्ता हुआ सोना

गोल्ड ईटीएफ में बढ़ा निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्याज दर कटौती में देरी, अमरीका में उम्मीद से अधिक नौकरियां सृजित होने और चीन में सोने की मांग घटने से पिछले तीन दिन में अंतरराष्ट्रीय बाजार के साथ भारत में सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। सोना अपने ऑल-टाइम हाई से 6 प्रतिशत यानी 3300 रुपए से भी अधिक टूट चुका है और विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का केंद्रीय बैंक अगर जून में भी सोने की खरीदारी नहीं करता है तो इसकी कीमतें और गिर सकती हैं।

पिछले तीन दिन में एमसीएक्स और घरेलू सर्राफा बाजारों में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 2200 रुपए से भी अधिक घटी है। ग्लोबल मार्केट में 22 मई को स्पॉट गोल्ड 2,449.89 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था, जो अब 2300 डॉलर के नीचे है। इसी तरह एमसीएक्स पर भाव 74,442 रुपए की रेकॉर्ड ऊंचाई पर था जो अब 71,000 रुपए के नीचे है। हालांकि, मई में ग्लोबल स्तर पर पहली बार गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा है। एम्फी के मुताबिक, मई में भारत में भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 4 माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। देश के कुल 17 गोल्ड ईटीएफ में मई के दौरान 827.43 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ।

इसलिए घट रही सोने की कीमतें

चीन के केंद्रीय बैंक की तरफ से सोने की खरीदारी पर जो ब्रेक लगा है उसका असर कीमतों पर देखा जा रहा है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल मई में चीन के गोल्ड रिजर्व में कोई बदलाव नहीं हुआ। जबकि इससे पहले लगातार 18 महीने तक चीन के गोल्ड रिजर्व में इजाफा हुआ था। अप्रेल में चीन का गोल्ड रिजर्व 2 टन बढकर 2,264 टन पर पहुंच गया। हालांकि, चीन के गोल्ड रिजर्व में यह 18 महीने की सबसे कम बढ़ोतरी थी। अक्टूबर 2022 की तुलना में यह तकरीबन 319 टन यानी 16.5 प्रतिशत ज्यादा है। चीन के केंद्रीय बैंक ने वर्ष 2023 के दौरान अपने गोल्ड रिजर्व में 225 टन का इजाफा किया, जिससे गोल्ड की कीमतें आसमान पर पहुंच गई।

एनएसई ने निवेशकों को अपने सीईओ के डीपफेक वीडियो के प्रति आगाह किया

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने निवेशकों को आगाह करते हुए कहा कि एक डीप फेक वीडियो में उसके प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीषकुमार चौहान को निवेश सलाह देते हुए दिखाया गया है। एक्सचेंज ने बयान में कहा कि उसे कुछ निवेश और सलाह ऑडियो और वीडियो क्लिप के बारे में पता चला है, जिसमें चौहान के चेहरे/आवाज और एनएसई लोगो का इस्तेमाल किया गया है।

एनएसई ने बताया कि इस वीडियो को तकनीक का इस्तेमाल करके गलत तरीके से बनाया गया है।

ऐसा लगता है कि ऐसे वीडियो चौहान की आवाज और चेहरे के भावों की नकल करने के लिए परिष्कृत तकनीकों का इस्तेमाल करके बनाए गए हैं। एनएसई ने निवेशकों से ऐसे ऑडियो और वीडियो पर विश्वास न करने और ऐसे फर्जी वीडियो के आधार पर निवेश न करने की अपील की है।

गौरतलब है कि एनएसई के कर्मचारी किसी भी शेयर की सिफारिश करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। एक्सचेंज सोशल मीडिया मंच से इन आपत्तिजनक वीडियो को जहां संभव हो, हटाने का प्रयास कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

वेनेजुएला में पानी से सस्ता मिल रहा पेट्रोल, 73 रुपए से कम कीमत में टंकी फुल

एकैरैकस, एजेंसी। दुनिया में एक देश ऐसा भी है जहां पानी से सस्ता पैट्रोल मिल रहा है। कच्चे

तेल का सबसे भंडार दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में है। कई साल तक दुनिया का सबसे सस्ता तेल इसी देश में मिलता था लेकिन अब स्थिति बदल गई है। आज दो देश उससे आगे निकल गए हैं। अब दुनिया में सबसे सस्ते तेल के मामले में ईरान पहले और लीबिया दूसरे नंबर पर है। पश्चिम एशियाई देश ईरान के पास भी तेल का बड़ा भंडार है। इस देश में पेट्रोल का रेट 0.029 डॉलर प्रति लीटर है। भारतीय करेंसी के हिसाब से देखा जाए तो यह राशि 2.42 रुपए बैठती है। यानी 30 लीटर की टंकी के लिए आपको 72.6 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। भारत की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपए और डीजल का रेट 87.62 रुपए प्रति लीटर है। कई शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए लीटर से ज्यादा है। आयरलैंड, फिनलैंड, जर्मनी, यूके, स्पेन, चेक गणराज्य, चिली, रोमानिया, मेक्सिको, यूक्रेन, कनाडा, इथियोपिया, साउथ अफ्रीका, तुर्की और साउथ कोरिया में पेट्रोल की कीमत भारत से ज्यादा है। ईरान के बाद दुनिया में सबसे सस्ता तेल उत्तर अफ्रीकी देश लीबिया में मिल रहा है। इस देश में पेट्रोल की कीमत 0.031 डॉलर प्रति लीटर है जो भारतीय रुपए में 2.59 रुपये बैठती है। वेनेजुएला में अब पेट्रोल कीमत 0.035 डॉलर यानी 2.92 रुपए प्रति लीटर है। मिस्र, कुवैत, अल्जीरिया, नाइजीरिया, कजाकस्तान, रूस, सऊदी अरब, यूएई, इंडोनेशिया और पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत एक डॉलर से कम है। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 0.982 डॉलर यानी करीब 82 रुपये लीटर है। भारत में पेट्रोल की औसत कीमतद1.252 डॉलर यानी करीब 104.43 रुपये बैठती है। अमेरिका, बांग्लादेश, अर्जेंटीना, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और चीन में पेट्रोल भारत से सस्ता है। बता दें कि दुनिया में सबसे महंगा पेट्रोल हांकांग में है। इस देश में एक लीटर पेट्रोल के लिए आपको 3.212 डॉलर यानी 268.06 रुपये खर्च करने होंगे। दुनिया के सबसे छोटे देशों में शामिल मोनैको में पेट्रोल की कीमत 2.312 डॉलर है। यूरीपीय देशों डेनमार्क, नीदरलैंड्स, नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, इटली और फ्रांस में पेट्रोल की कीमत दो डॉलर प्रति लीटर से अधिक है।

पूर्वी अफ्रीकी देश मालावी के उपराष्ट्रपति का विमान लापता, नौ अन्य लोग भी हैं सवार

लिलोंग्वे, एजेंसी। मलावी के उपराष्ट्रपति सौलोस क्लॉस चिलिमा और नौ अन्य लोगों को ले जा रहा विमान लापता हो गया है। देश के राष्ट्रपति ने सोमवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि विमान के रडार से गायब होने के बाद से विमानन अधिकारियों ने संपर्क बनाने सभी प्रयास किए, लेकिन वे अभी तक उसका पता लगाने में विफल रहे हैं। बयान में कहा गया कि चिलिमा (51 वर्षीय) मलावी रक्षा बल के विमान में सवार थे। विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजकर 17 मिनट पर राजधानी लिलोंग्वे से रवाना हुआ था। इसमें आगे कहा गया कि राष्ट्रपति लाजरस चकवेरा ने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय बलों को विमान के ठिकाने का पता लगाने के लिए तत्काल खोज और बचाव अभियान चलाने का आदेश दिया। चकवेरा बहामास की यात्रा करने वाले थे। लेकिन, विमान लापता होने की सूचना मिलने के बाद उन्होंने अपना दौरा रद्द कर दिया। 2022 में चिलिमा से उनकी शक्तियां छीन ली गईं थीं, जब उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक ब्रिटिश-मलावी कारोबारी से जुड़े रिश्वत घोटाले मामले में भ्रष्टाचार का आरोप लगा था। इससे कुछ दिन पहले ईरान के दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का भी विमान लापता हो गया था। बाद में खबर सामने आई थी कि उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और उनकी मौत हो गई है। मलावी के राष्ट्रपति लाजारस चकवेरा ने देश को संबोधित करते हुए कहा मुझे पूरी उम्मीद है कि हम विमान और उसमें सभी सवार सभी लोगों को समय पर खोजने में सफल रहेंगे। विमान जिस रास्ते से गुजर रहा था, वहां 10 किलोमीटर के फॉरेस्ट रिजर्व में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जब तक विमान मिल नहीं जाता तब तक उसे ढूंढा जाता रहेगा। हादसे को देखते हुए उन्होंने बहामास के लिए अपनी यात्रा रद्द कर दी है। 51 साल के उपराष्ट्रपति चिलिमा पिछले 10 साल से मलावी के उपराष्ट्रपति हैं। उन्हें अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार के तौर पर देखे जा रहे हैं। उन्हें 2022 में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, पिछले महीने पब्लिक प्रॉसिक्यूशन के डायरेक्टर की तरफ से मामले को बंद करने के लिए नोटिस दायर किया गया था।

अदन की खाड़ी में नाव पलटने से 38 लोगों की मौत

रुदुम, एजेंसी। यमन के अदन के पास नाव पलटने से हॉर्न ऑफ अफ्रीका से आ रहे अड़तीस प्रवासियों की मौत की खबर सामने आई है। स्थानीय अधिकारी और प्रत्यक्षदर्शियों ने इस मामले में जानकारी दी थी। रुदुम जिले के निदेशक हादी अल-खुरमा ने इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नाव अदन के पूर्व में शबवा गवर्नरेट के तट पर पहुंचने से पहले ही डूब गई। हादसे के दौरान वहां मौजूद मछुआरों और निवासियों ने नाव में सवार 78 लोगों को तो बचा लिया बावजूद इसके 100 लोग अभी भी लापता हैं, वो सभी उसी नाव पर सवार थे। हादी अल-खुरमा ने बताया कि लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

हमास ने दे दिया अल्टीमेटम: इजरायली सेना आगे बढ़ी तो बंधकों को मार दो गोली

गाजा, एजेंसी। हमास के नेताओं ने अपने लोगों को निर्देश दिया है कि अगर उन्हें लगता है कि इजरायली सेना आगे बढ़ रही है, तो वे बंधकों को मार दें। इस आदेश के बाद पहले से ही अस्थिर स्थिति और भी गंभीर हो गई है। इजरायली अधिकारियों का हवाला देते हुए न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में बंधकों को रखने वाले हमास के सैनिकों को आदेश दिया गया है कि अगर उन्हें लगता है कि इजरायली सेना निकट आ रही है, तो वे बंधकों को गोली मार दें। हाल ही में इजरायली रक्षा बलों ने गाजा के नुसेरात से चार बंधकों को बचाया था। इजरायली अधिकारियों ने हमास के इस दावे को खारिज कर दिया है कि तीन बंधकों की मौत इजरायली हवाई हमलों में हुई थी। उनका कहना है कि इन मौतों के जिम्मेदार हमास के आतंकी ही हैं।

7 अक्टूबर को जब हमास के आतंकवादियों ने इजरायल पर हमले के बाद 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था, तब से बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार इन लोगों का पता लगाने और उन्हें बचाने की कोशिश कर रही है। ह्ङ्ख्ञ की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी और इजरायली खुफिया और सैन्य विश्लेषकों का एक फ्यूजन सेल बंधकों की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए ड्रोन और उपग्रहों का इस्तेमाल कर रहा है। इज़राइल अब तक सात बंधकों को बचाने

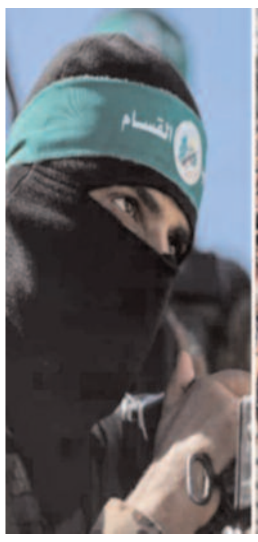

में कामयाब रहा है लेकिन, कई लोग या तो संघर्ष के दौरान या अपहरणकर्ताओं के हाथों मारे गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र युद्ध विराम प्रस्ताव : इस बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को गाजा में युद्ध विराम योजना का समर्थन करने वाले अमेरिका द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा प्रस्तुत यह मसौदा युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के प्रस्ताव की अपील करता है। इसमें शामिल सभी पक्षों से बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के इसकी शर्तों को पूरी तरह लागू करने का आग्रह किया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि इज़राइल ने युद्धविराम योजना पर सहमति जताई है और हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया है। हमास ने जवाब में कहा कि वह ह्स्ङ्ट वोट का स्वागत करता है। इसके बावजूद, शांति का मार्ग चुनौतियों से भरा हुआ है। हमास के अधिकारियों ने मांग की है कि किसी भी युद्धविराम समझौते में संघर्ष के स्थायी अंत की गारंटी होनी चाहिए।

युद्धविराम का भविष्य अनिश्चित : हालांकि, युद्धविराम का भविष्य अनिश्चित है। प्रस्तावित योजना में छह सप्ताह का प्रारंभिक युद्धविराम शामिल है, जिसके दौरान इज़राइल गाजा के आबादी वाले केंद्रों से हट जाएगा, और हमास बंधकों को रिहा कर देगा। बातचीत का उद्देश्य युद्धविराम को आगे बढ़ाना और शत्रुता का स्थायी समाधान खोजना होगा। मतदान के बाद, इजरायली राजनयिक रीट शापिर बेन नफ्ताली ने दोहराया कि संघर्ष तभी समाप्त होगा जब इजरायल के लक्ष्य पूरे हो जाएंगे, जिसमें बंधकों की पूरी तरह रिहाई और हमास का खात्मा शामिल है। उन्होंने कहा, हमास द्वारा कूटनीति के माध्यम से बंधकों को रिहा करने से इनकार करने से यह साबित हो गया है कि हमारे बंधकों को वापस लाने के प्रयास में सैन्य साधनों का भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने परिषद के उस निर्णय पर आशा व्यक्त की है, जिसमें युद्ध विराम को लागू करने का दायित्व इजरायल पर डाला गया है। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इस प्रस्ताव को गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार के युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है। 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर हमास के हमले से शुरू हुए संघर्ष में दोनों पक्षों के लोग हताहत हुए हैं। इजरायल के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, शुरुआती हमले में 1,194 लोग मारे गए थे। इजरायल के जवाबी हमलों में गाजा में कम से कम 37,124 लोगों की मौत हुई है, जिनमें अधिकतर नागरिक थे।

चीन के पब्लिक पार्क में 4 अमेरिकी प्रशिक्षकों पर चाकू से जानलेवा हमला

बीजिंग, एजेंसी। चीन की शिक्षण यात्रा के दौरान अमेरिका के आयोवा कॉलेज के चार अमेरिकी प्रशिक्षक चाकू से हमले में घायल हो गए। उनके स्कूल और अमेरिकी अधिकारियों ने कहा आयोवा के माउंट वर्नोन में एक निजी उदार कला महाविद्यालय, कॉर्नेल कॉलेज के चार प्रशिक्षक सार्वजनिक पार्क में सैर कर रहे थे कि उन पर चाकू से हमला कर दिया गया जिसमें वे घायल हो गएष स्कूल के अध्यक्ष जोनाथन ब्रांड ने एक बयान में हमले की पुष्टि की है। सामूहिक चाकूबाजी का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, कई लोगों को संदेह है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव की वजह से ऐसा हुआ है। कॉर्नेल के अध्यक्ष, जोनाथन ब्रांड नेकहा कि हमें पता चला है कि चीन में एक यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी के तहत पढ़ाने वाले चार कॉर्नेल प्रशिक्षक एक गंभीर घटना में घायल हो गए हैं। हम सभी चार प्रशिक्षकों के संपर्क में हैं और इस दौरान उनकी सहायता कर रहे हैं।

कॉर्नेल का फैकल्टी एक्सचेंज पार्टनरशिप प्रोग्राम के तहत शिक्षण के लिए आए इन प्रशिक्षकों पर पूर्वोत्तर चीनी शहर जिलिन में हमला हुआ। इस दौरान उनके साथ स्कूल के चीनी साझेदार संस्थान, बेहुआ विश्वविद्यालय के एक संकाय सदस्य भी थे। विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी रिपोर्टों से अवगत हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। स्थानीय समयानुसार मंगलवार दोपहर तक, चीनी अधिकारियों की ओर से इस घटना पर कोई बयान नहीं आया। आयोवा राज्य प्रतिनिधि एडम ज़बनेर ने पुष्टि की कि उनके भाई, डेविड ज़बनेर, पीड़ितों में से एक थे। उन्होंने कहा कि उनके भाई के हाथ में चाकू लगने से टांके लगे हैं और वह अस्पताल में भर्ती है। एडम जैबनर ने कहाडेविड जैबनर, टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के स्नातक छात्र हैं, जो कॉर्नेल कॉलेज के पूर्व छात्र हैं और पहले वहां व्याख्यान दे चुके हैं, उन्होंने पहले भी एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया था और इस साल वापस लौटे हैं। अन्य पीड़ितों जिनकी अभी तक सार्वजनिक रूप से पहचान नहीं की गई है, की स्थिति के बारे में विवरण नहीं मिला है।

यह भी स्पष्ट नहीं था कि शिक्षकों को निशाना बनाया गया था या उन पर बेतरतीब ढंग से हमला किया गया था। आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने एक्स पर कहा कि वह इस भयानक हमले के जवाब में आयोवा के संघीय प्रतिनिधिमंडल और विदेश विभाग के संपर्क में हैं।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय भारत को लौटाएगा 500 साल पुरानी कांस्य मूर्ति, तमिलनाडु के मंदिर से हुई थी चोरी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन का प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय संत तिरुमनकई अलवर की 500 साल पुरानी कांस्य मूर्ति भारत को लौटाने पर सहमत हो गया है। यह प्रतिमा 60 सेमी ऊंची है। माना जाता है कि यह मूर्ति तमिलनाडु के एक मंदिर से चोरी हुई थी। इस साल 11 मार्च को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की परिषद ने एशमोलियन संग्रालय से संत तिरुमनकई की 16वीं शताब्दी की कांस्य मूर्ति की वापसी के लिए भारतीय उच्चायोग के दावे का समर्थन किया। यह मूर्ति 1967 से संग्रहालय में रखी हुई है। इसे म्यूजियम ने एक नीलामी के बाद हासिल किया था। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय ने कहा, अब चैरिटी आयोग से इस फैसले की मंजूरी ली जाएगी। संग्रहालय का कहना है कि उसे पिछले साल नवंबर में एक स्वतंत्र शोधकर्ता द्वारा प्राचीन मूर्ति की उत्पत्ति के बारे में जानकारी दी गई थी, जिसके बाद उसने भारतीय उच्चायोग से संपर्क किया था। उसे भारत सरकार से मूर्ति के लिए औपचारिक अनुरोध मिला था। एशमोलियन संग्रालय में दुनिया की कुछ सबसे प्रसिद्ध कला और पुरातत्व कलाकृतियां हैं। संग्रालय का कहना है कि उसने 1967 में अच्छे विश्वास के साथ संत तिरुमनकई की मूर्ति हासिल की थी। संग्रहालय ने मूर्ति को सोथबी के नीलामी घर से डॉ. जेआर. बेलमोंट नामक एक संग्रहकर्ता के संग्रह से हासिल किया था।

इस्राइल-हमास के बीच जल्द युद्धविराम के संकेत, अमेरिकी विदेश मंत्री ने नेतन्याहू से की मुलाकात

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच पूर्ण युद्धविराम की कोशिशें तेज हो गई हैं और दोनों पक्षों से इसे लेकर बातचीत चल रही है। इसी मुद्दे पर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इन दिनों पश्चिम एशियाई देशों के दौरे पर हैं। सोमवार को एंटनी ब्लिंकन ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इस मुलाकात में बंधक प्रस्ताव और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के मुद्दे पर बातचीत हुई।

अमेरिकी विदेश विभाग ने जारी किया बयान : अमेरिका के विदेश विभाग ने बयान जारी कर बताया कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से यरूशलम में मुलाकात की। विदेश मंत्री ने बताया कि अमेरिका और अन्य वैश्विक नेता राष्ट्रपति बाइडन द्वारा तैयार कराए गए शांति प्रस्ताव के समर्थन में हैं और इस प्रस्ताव से गाजा में शांति आ सकती है। इस शांति समझौते के तहत हमास सभी बंधकों को रिहा करेगा और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने का भी रास्ता साफ होगा।

युद्धविराम के लिए पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं ब्लिंकन : गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्राइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए युद्धविराम प्रस्ताव तैयार कराया है। इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भी पेश किया गया, जहां से उसे 14-0 के मुकाबले से मंजूरी मिल गई। रूस ने

इस वोटिंग से खुद को दूर रखा और बाकी अन्य देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। बाइडन ने दावा किया है कि इस्राइल ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इस युद्धविराम पर चर्चा के लिए एंटनी ब्लिंकन इन दिनों पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं। इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से ब्लिंकन का यह पश्चिम एशिया का सातवां दौरा है। इस दौरे में ब्लिंकन 10-12 जून तक मिस्त्र, इस्राइल, जॉर्डन और कतर का दौरा करेंगे और युद्धविराम प्रस्ताव को लेकर चर्चा करेंगे। अमेरिका का दावा- युद्धविराम समझौते से सुरक्षित होंगी इस्राइल की सीमाएं अमेरिका के विदेश विभाग का कहना है कि मौजूदा युद्धविराम समझौता इतना प्रभावी है कि इससे भविष्य में इस्राइल पर 7 अक्तूबर जैसा हमला नहीं होगा और इससे इस्राइल की सुरक्षा भी पुख्ता होगी और इस्राइल की उत्तरी सीमा भी सुरक्षित होगी। इस्राइल-हमास के बीच युद्ध की शुरुआत इस्राइल पर 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमले से हुई। जिसमें हमास के लड़ाकों ने इस्राइल की सीमा में घुसकर लोगों को मारा और बड़ी संख्या में इस्राइली नागरिकों को बंधक बना लिया। इस हमले में इस्राइल के 1200 नागरिक मारे गए थे। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में हमास के खिलाफ ऑपरेशन चलाया और अब तक इस्राइल के हमलों में गाजा में 34 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

हमास से जंग के बीच इस्राइल ने लेबनान पर किया हमला, हिजबुल्ला के तीन सदस्य मारे गए

गाजा, एजेंसी। दुनिया के कई देश युद्ध में घिरे हुए हैं। जहां रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है। इधर, हमास और इस्राइल बीते सात महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जहां सभी देश संघर्ष विराम की उम्मीद लगाए हुए थे। वहीं, अब एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइल ने लेबनान में टैंकरों के एक काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में हिजबुल्ला के तीन सदस्य भी मारे गए।

यह है मामला : हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इस्राइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

एक के बाद एक हमले : हमास के साथ जारी जंग के बीच हिजबुल्ला ने भी इस्राइल को निशाना बनाया है। लेबनान में आठ महीने से अधिक समय से जारी हिंसा में कम से कम 462 लोग मारे गए हैं, जिनमें लगभग 90 नागरिक और लगभग 300 हिजबुल्ला लड़ाके शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में सैन्य सूत्र के हवाले से बताया गया इस्राइल ने सीरिया की सीमा पर स्थित हरमेल जिले के एक गांव में टैंकरों के एक काफिले और एक इमारत को निशाना बनाया। उसने नौ हमले किए, जिसमें हिजबुल्ला के तीन लोग मारे गए। साथ ही उन्होंने बताया कि तीन लोग घायल हुए हैं।

तीन सीरियाई मारे गए : सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स वॉर मॉनिटर के अनुसार, हमले में दो अन्य लोग भी मारे गए हैं। एनजीओ के निदेशक रामी अब्देल रहमान ने बताया, सीरिया की सीमा पर लेबनान में प्रवेश करने वाले टैंकरों के काफिले को निशाना बनाकर किए गए इस्राइली हमले में हिजबुल्ला के साथ काम करने वाले तीन सीरियाई और दो लेबनानी मारे गए। उन्होंने कहा कि हमले के बाद पांच अन्य घायल हो गए और दो लोग लापता हैं। युद्ध की निगरानी करने वालों ने बताया कि हमले का मुकाबला करने के लिए सीरियाई विमानरोधी रक्षा को सक्रिय किया गया था।

अब तक पांच हमले हिजबुल्ला के लड़ाके लंबे समय से सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेना के समर्थन में तैनात हैं। सोमवार के हमलों से कुछ घंटे पहले, हिजबुल्ला ने एलान किया था की कि उसने लेबनान के ऊपर एक और इस्राइली हर्मीस ड्रोन को मार गिराया है, जो फरवरी के बाद से इस प्रकार का पांचवां ड्रोन है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में तत्काल युद्ध विराम का प्रस्ताव पारित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गाजा में युद्ध विराम के लिए अमेरिका का प्रस्ताव पारित हो गया। इसके तहत बंधकों की रिहाई के बदले में इजरायल के साथ संघर्ष को समाप्त करने की जिम्मेदारी हमास पर डाल दी गई है। अमेरिका द्वारा लाये गए प्रस्ताव पर सोमवार को चीन सहित 14 सदस्य देशों ने वोट किया, जबकि रूस ने मतदान में भाग नहीं लिया। इसके साथ ही ये प्रस्ताव पारित हो गया। इसके तहत तीन-चरण में गाजा में शांति प्रस्ताव लागू किया जाएगा, जिसमें कतर और मिस्त्र की भूमिका भी होगी। अमेरिकी स्थायी प्रतिनिधि लिंडा थोमा-ग्रीनफील्ड ने मतदान के बाद कहा, आज, इस परिषद ने हमास को एक स्पष्ट संदेश दिया है -- युद्ध विराम समझौते को स्वीकार करो। उन्होंने कहा, इजरायल पहले ही इस समझौते पर सहमत हो चुका है और अगर हमास भी ऐसा ही करता है तो लड़ाई आज ही रुक सकती है। उन्होंने कहा, मिस्त्र और कतर ने अमेरिका को भरोसा दिया है कि वे हमास के साथ रचनात्मक तरीके से जुड़ने के लिए काम करना जारी रखेंगे और अमेरिका यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि इजरायल भी अपने दायित्वों को पूरा करे, बशर्ते कि हमास इस समझौते को स्वीकार कर ले। इजरायली राजनयिक रीट शापिर बेन-नफ्ताली ने परिषद से कहा, अगर हमास बंधकों को रिहा कर दे

और आत्मसमर्पण कर दे तो युद्ध समाप्त हो जाएगा। एक भी गोली नहीं चलेगी। परिषद का यह प्रस्ताव अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के इजरायल पहुंचने के बीच आया। इजरायली वॉर कैबिनेट में शामिल विपक्षी नेता बेनी गैंट्ज़ ने रविवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर बंधकों को वापस लाने और युद्ध को समाप्त करने के बजाय अपने राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले इजरायली सेना ने शनिवार को गाजा में हमास के कब्जे वाले क्षेत्र से चार बंधकों को नाटकीय ढंग से बचाया था। बेन-नफ्ताली ने कहा, हमास द्वारा बंधकों को रिहा करने से इनकार करने से यह साबित हो गया है कि बंधकों को वापस लाने के प्रयास में सैन्य साधनों को भी शामिल किया जाना चाहिए।

अंतरिक्ष में सुनीता विलियम्स और साथियों को मिला सूक्ष्म राक्षस, बढ़ा सकता है मुसीबत

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथियों ने इस बार जबसे अंतरिक्ष यात्रा शुरू की है, कई बार उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दो बार उड़ान से ठीक पहले यात्रा को रद्द कर कर दिया गया। वहीं खबर है कि इंटरनेशल स्पेस सेंटर (आईएसएस) में पहुंचने के बाद उन्हें और उनके सहयोगियों की मुलाकात नई मुसीबत से हो गई है। आईएसएस में एक स्पेसबग पाया गया है जो कि अंतरिक्ष यात्रियों के लिए खतरे की घंटी हो सकता है। श्वसन तंत्र को डैमेज कर सकता है बैक्टीरिया वैज्ञानिकों के मुताबिक उन्हें एक मल्टी ड्रग रजिस्टैंट बैक्टीरिया मिला है जिसका नाम इंटरो बैक्टर बुगाडेंसिस है। आईएसएस के वातावरण में रहकर ही यह बैक्टीरिया विकसित हुआ है और ज्यादा शक्तिशाली हो गया है। इतना ताकतवर होने की वजह से इसे सुपरबग भी कहा जाता है। यह बैक्टीरिया स्वसन तंत्र के लिए घातक हो सकता है। वैसे तो ये बैक्टिरिया धरती पर ही पाए जाते हैं लेकिन जब कोई व्यक्ति आईएसएस जाता है तो उनके साथ छिपकर ये वहां तक पहुंच जाते हैं। इस बार सुनीता विलियम्स के साथ उनके साथी अंतरिक्षयात्री बैरी इयुजीन बुच विलमोर भी पहुंचे हैं। 6 जून को उन्होंने नए बोइंग स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से उड़ान भरी थी। उनको आईएसएस गए एक सप्ताह का वक्त बीतने वाला है और वे जल्द ही वापस भी लौट सकती हैं। आईएसएस में लंबे समय से सात क्रू मेंबर रह रहे हैं। आईएसएस में रहने वाले लोगों को अंतरिक्ष में तैरने वाले मलबे की चिंता तो रहती ही है लेकिन अब उन्हें बैक्टीरिया की चिंता ज्यादा सताने लगी है। हाल ही में नासा ने सुपरबग के बारे में कहा था, ई बुगांडेंसिस

बैक्टिरिया को आईएसएस से अलग कर दिया गया था। इसके 13 प्रतिरूप पाए गए थे। अध्ययन में पाया गया था कि तनाव की वजह से आईएसएस में ये बैक्टीरिया म्यूटेट कर गए और जेनेटिकली और फंक्शनली अलग हो गए। ऐसे में अब ये बैक्टीरिया धरती वाले बैक्टीरिया से एकदम अलग हैं। बता दें कि स्पेसबग को लेकर नासा की जेट प्रोपल्सन लैबोरेटरी कैलिफोर्निया की अध्यक्ष डॉ. कस्तूरी वेंकटेश्वर ने कई बातें बताई हैं। वह नासा में जाने से पहले चेन्नई की अन्नामलाई वयूनिवर्स्टी में मरीन माइक्रोबायोलॉजी की पढ़ाई कर रही थीं। 2023 में उन्होंने एक और मल्टी ड्रग रजिस्टैंट बग की खोज की थी जिसका नाम कालामेला पियरसनोनी था जो कि उनके आदर्शन रहे पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर आधारित था। वैज्ञानिकों का कहना है कि आईएसएस में किसी का जीवन आम नहीं होता है। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी पृथ्वी के मुकाबले कम होजाती है। ऐसे में आईएसएस में मौजूद स्पेसबग एक बड़ी चुनौती बन जाते हैं। ऐसे में सूक्ष्मजीवों का अध्ययन और उनके प्रभाव की जानकारी होनी जरूरी है। नासा का कनहा है कि मानव निर्मित बंद वातावरण में माइक्रोग्रैविटी, रेडिएशन और ज्यादा कार्बनडाइ ऑक्साइड की मात्रता एक एक्सट्रीम वातावरण बना देता है जिसमें सूक्ष्मजीव म्यूटेट होने लगते हैं। आईएसएस में सुपरबग एक बड़ी चुनौती आईएसएस पर चिंता का विषय अंतरिक्ष के उड़ने वाले मलबे और सूक्ष्म उल्कापिंड होते हैं, लेकिन अब सुपरबग की चिंता ज्यादा सताने लगी है। आईएसएस में सुपरबग की मौजूदगी पर नासा ने हाल ही में कहा था कि ई. बगएंडेसिस नाम का बैक्टेरिया, जिस पर कई दवाओं का असर नहीं होता, उसकी 13 स्ट्रेन्स को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में अलग किया गया था। ये बैक्टेरिया धरती पर पाए जाने वाले बैक्टेरिया से बिलकुल अलग है।

द. अफ्रीका ने जीत के साथ सुपर-8 में की एंट्री, महाराज ने पलटा मैच

न्यूयॉर्क, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ चार रनों से जीत दर्ज की। टी20 विश्व कप 2024 में यह दक्षिण अफ्रीका की लगातार तीसरी जीत है। इसी के साथ उन्होंने सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। अंक तालिका में टीम फिलहाल पहले स्थान पर है। उनके खाते में छह अंक हैं। वहीं, बांग्लादेश को दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका को हराया था। फिलहाल वह ग्रुप डी की तालिका में दो अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है।

न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 113 रन बनाए। टी20 विश्व कप के इतिहास में यह दक्षिण अफ्रीका का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 2007 में टीम ने भारत के खिलाफ 20 ओवर में नौ विकेट पर 116 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश ने 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन बनाए। इस मैच में द. अफ्रीका ने केशव महाराज के दम पर चार रनों से जीत दर्ज की।

आखिरी ओवर का रोमांच

आखिरी ओवर में बांग्लादेश को जीत के लिए 11 रनों की जरूरत थी। कप्तान मार्करम ने केशव महाराज पर भरोसा जताया और गेंद थमाई।

पहली गेंद महाराज ने वाइड फेंकी। अब लक्ष्य छह गेंदों पर 10 रन हो गया।

इसके बाद महाराज ने ओवर की पहली गेंद फेंकी जिस पर महमूदुल्लाह ने स्क्वॉयर लेग की तरफ शॉट खेला और एक रन के लिए दौड़े। अब पांच गेंदों पर बांग्लादेश को पांच रनों की दरकार थी।

दूसरी गेंद पर जाकेर अली ने जोरदार बल्ला घुमाया जिस पर उन्होंने दो रन चुराए। अब लक्ष्य चार गेंदों में सात रन का हो गया।

तीसरी गेंद पर महाराज ने जाकेर अली मार्करम के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद क्रीज पर तस्किन अहमद पहुंचे। लक्ष्य तीन गेंदों पर सात रन का हो गया।

चौथी गेंद महाराज ने आउटसाइड ऑफ पर फेंकी। इससे टीम को एक रन मिल गया। अब लक्ष्य दो गेंदों पर छह रनों का हो गया।

पांचवीं गेंद पर महमूदुल्लाह आउट हो गए। मार्करम ने उनका कैच पकड़ा। अब नॉन स्ट्राइकर छोर पर रिशाद पहुंचे। टीम को आखिरी गेंद पर छह रन चाहिए थी

आखिरी गेंद पर तस्किन ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की लेकिन वह कामयाब नहीं हुए। लेकिन उन्होंने एक रन चुराया। इसी के साथ महाराज ने टीम को चार रनों से जीत दिलाई।

बांग्लादेश की पारी

114 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई। टीम को पहला झटका रबाडा ने नौ रन के स्कोर पर दिया। उन्होंने तंजिद हसन को डिकॉक के हाथों कैच कराया। वह नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद केशव महाराज ने लिट्टन दास को शिकार बनाया। वह सिर्फ नौ रन बना सके। इस मैच में नाजमुल हसन शांतो ने 14, शाकिब अल हसन ने तीन, तौहीद हृदय ने 37, महमूदुल्लाह ने 20, जाकेर अली ने आठ रन बनाए। वहीं, रिशाद हुसैन शून्य और तस्किन अहमद एक रन बनाकर नाबाद रहे। इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के लिए केशव महाराज ने तीन विकेट चटकाए। वहीं, कागिसो रबाडा और एनरिक नॉर्त्जे दो-दो विकेट मिले।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

बांग्लादेश की घातक गेंदबाजी के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को पारी की शुरुआत से ही संघर्ष करते देखा गया। सलामी बल्लेबाजी के लिए उतरे रीजा हेंड्रिक्स बिना खाता खोले पहले ही ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। उन्हें तंजीम हसन साकिब ने पवेलियन भेजा। इसके बाद घातक गेंदबाज ने क्विंटन डिकॉक को भी अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ 18 रन बनाकर बोल्ड हो गए। टीम को तीसरा झटका एडेन मार्करम के रूप में लगा। उन्हें तस्किन अहमद ने 23 रन के स्कोर पर बोल्ड किया। कप्तान सिर्फ चार रन बना सके। पांचवें ओवर में तंजीम ने एक बार फिर अपनी कातिलाना गेंदबाजी का मुजायरा पेश किया और ट्रिस्टन स्टब्स को शिकार बनाया।

संक्षिप्त समाचार

क्लासेन-मिलर ने तोड़ा कोहली-पांड्या का रिकॉर्ड, बाउचर-एल्बी भी छूटे पीछे

न्यूयॉर्क

टी20 विश्व कप 2024 का 21वां मैच गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ चार रनों से जीत लिया। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 113 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश ने 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन बनाए।टी20 विश्व कप 2024 में यह दक्षिण अफ्रीका की लगातार तीसरी जीत है। ग्रुप डी की अंक तालिका में टीम फिलहाल पहले स्थान पर है। उनके खाते में छह अंक हैं। वहीं, बांग्लादेश को दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका को हराया था। फिलहाल वह तालिका में दो अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में 113 रन बनाए। यह उनका टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 2007 में टीम ने भारत के खिलाफ 20 ओवर में नौ विकेट पर 116 रन बनाए थे। वहीं, दक्षिण अफ्रीका सबसे कम स्कोर का बचाव करने वाली पांचवीं टीम बन गई है। बांग्लादेश के बल्लेबाजों को द. अफ्रीका के गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करते देखा गया। इस मैच में एनरिक नॉर्त्जे ने कहर बरपाया। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में 4.25 के इकोनॉमी रेट से सिर्फ 17 रन खर्च किए और दो विकेट हासिल किए। 30 वर्षीय गेंदबाज ने आठवें ओवर में शाकिब अल हसन (तीन) और नाजमुल हसन शांतो (14) का विकेट चटकाया। तेज गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने नौ विकेट चटकाए हैं। इस मामले में वह अजंता मेंडिस से पीछे हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप में 13 विकेट हासिल किए।

मांजरेकर ने बांधे बुमराह की तारीफों के पुल, विराट कोहली को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली- भारत को रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान पर मिली जीत के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सराहना की, जबकि विराट कोहली पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर भारतीय मीडिया पर तंज कसा। भारत ने उस मुकाबले में पाकिस्तान को छह रन से हराया था और 119 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया था। बुमराह की शानदार गेंदबाजी ने भारतीय टीम के पक्ष में मैच को मोड़ दिया था। बुमराह ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए 14 रन देकर तीन विकेट लिए थे। उन्होंने पाकिस्तान की बल्लेबाजी आक्रमण को लड़खड़ा दिया था और भारत की जीत सुनिश्चित की थी। मांजरेकर ने बुमराह के प्रयास को सराहा, जबकि इस बात पर सवाल खड़े किए कि जहां बुमराह भारत के लिए मजबूत कड़ी साबित हो रहे हैं, वहीं मीडिया का ध्यान कोहली पर है।

दो दिग्गज खिलाड़ियों ने बुमराह को सराहा

नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ दमदार प्रदर्शन के चलते प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया था। बुमराह ने इस मैच में चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट झटके थे और भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। बुमराह ने इस दौरान बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और इफ्तिखार अहमद के विकेट चटकाए थे। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी वकार यूनिस और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व गेंदबाज डेल स्टेन ने बुमराह के प्रदर्शन की सराहना की है।

वनडे विश्व कप में भी किया था प्रभावित

बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से अच्छा प्रदर्शन किया है। बुमराह पिछले साल हुए वनडे विश्व कप और आईपीएल 2024 में भी प्रभाव छोड़ने में सफल रहे थे। उन्होंने टी20 विश्व कप में भी इस फॉर्म को जारी रखा है। बल्लेबाज को बुमराह के खिलाफ रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

बुमराह के कायल हुए वकार

बुमराह ने जिस तरह पाकिस्तानी बल्लेबाजी आक्रमण को लड़खड़ाया उससे वकार काफी प्रभावित हुए। उन्होंने एक स्पोर्ट्स चैनल पर कहा, जसप्रीत बुमराह शानदार हैं। जिस तरह वह गेंदबाजी करते हैं आप उनकी सराहना करने से खुद को नहीं रोक पाएंगे। बुमराह काफी स्मार्ट हैं, उन्हें पता है कि क्या करना है और वह परिस्थितियों को जल्द ही समझ लेते हैं। मैंने उन्हें पहली बार नहीं देखा है, ना सिर्फ पाकिस्तान बल्कि किसी भी विपक्षी टीम के खिलाफ उन्हें पता है कि ऐसी पिचों पर क्या करना है। लेकिन रविवार को उन्होंने शीर्ष स्तर की गेंदबाजी की। बुमराह को नई गेंद नहीं दी गई थी और उन्हें तीसरे ओवर में लाया गया था और उन्होंने बाबर का विकेट लिया।

बुमराह ने विपक्षी टीमों के बल्लेबाजों पर डर पैदा किया

वकार ने कहा कि बुमराह ने विपक्षी टीमों के बल्लेबाजों पर ऐसा डर पैदा कर दिया है कि वे उनकी खराब गेंद पर भी देर से प्रतिक्रिया देते हैं। उन्होंने कहा, बुमराह ने एक तरह से स्टेन की तरह का डर पैदा कर दिया है। अगर वह खराब गेंद भी करते हैं तो बल्लेबाज चिंता में पड़ जाता है कि कहीं वो अपने विकेट ना गंवा दे। मैं हमेशा उनकी सराहना करता हूं और मुझे लगता है कि बुमराह मौजूदा समय में सीमित ओवरों में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।

बुमराह की लैंग्थ सफलता का राज

स्टेन ने कहा कि लैंग्थ में ढलना बुमराह की सफलता का राज है। स्टेन के अनुसार, परिस्थितियों को पढ़ने की क्षमता उन्हें लैंग्थ समझने में मदद करती है और इसलिए उनके खिलाफ बल्लेबाजी करना किसी के लिए भी मुश्किल का काम होता है। स्टेन ने कहा, मेरे ख्याल से उनकी सबसे बड़ी प्रतिभा अपनी लैंग्थ में ढलना है। उन्हें कभी अपनी लाइन से परेशानी नहीं हुई है। अगर वह वाइड यार्कर या सीधे यॉर्कर डालते हैं तो कोई परेशानी नहीं होती। जब आप भारत में होते हो तो आप अपनी लैंग्थ बदलना चाहते हो, लेकिन बुमराह वहां भी अपनी लैंग्थ पर अच्छी तरह ढल जाते हैं।

बांग्लादेश की हार के बाद अंपायर के फैसले पर उठे सवाल

न्यूयॉर्क

बांग्लादेश को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में चार रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से जहां दक्षिण अफ्रीका ने सुपर आठ के लिए लगभग अपनी जगह पक्की कर ली है, वहीं बांग्लादेश के लिए आगे की राह कठिन हो गई है। बांग्लादेश की हार के बाद अंपायर के फैसले पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। दरअसल, बांग्लादेश की पारी के दौरान अंपायर ने महमूदुल्लाह को एलबीडब्ल्यू आउट करार दिया था, लेकिन बांग्लादेश ने डीआरएस लिया और फैसला पलट गया। हालांकि, अंपायर के आउट देने के कारण गेंद डेड करार दी गई जिससे उस गेंद पर मिला रन बांग्लादेश के खाते में नहीं जुड़ सका।

क्या था पूरा मामला

बांग्लादेश की पारी के 17वें ओवर के दौरान ओटेनील बार्टमैन की गेंद महमूदुल्लाह के पैर से लगते हुए चौके के लिए गई। दक्षिण अफ्रीका ने इस पर एलबीडब्ल्यू की अपील की और अंपायर ने आउट करार दिया। बांग्लादेश ने फैसले के खिलाफ डीआरएस का इस्तेमाल किया और तीसरे अंपायर ने महमूदुल्लाह को नॉटआउट करार दिया। चूंकि अंपायर ने आउट दिया था इसलिए इस गेंद को डेड बॉल करार दिया गया जिस कारण बांग्लादेश को वो चार नहीं मिले और अंत में बांग्लादेश की हार का अंतर भी चार रन का ही रहा।

तौहीद ह्रदोय ने की आलोचना

बांग्लादेश के बल्लेबाज तौहीद ह्रदोय ने अंपायर के फैसले की आलोचना की। तौहीद ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो ऐसे रोमांचक मैच में यह हमारे लिए अच्छा फैसला नहीं था। मेरे नजरिये में अंपायर ने महमूदुल्लाह को आउट करार दिया, लेकिन यह हमारे लिए काफी कठिन फैसला रहा। वो चार रन मैच का नतीजा बदल सकते थे। नियम हमारे हाथ में नहीं है। उस वक्त वो चार रन काफी महत्वपूर्ण थे। अंपायर ने फैसला लिया और वे भी इंसान हैं तो उनसे भी गलती हो सकती है। उन्होंने मौकों पर वाइड गेंदों को वाइड नहीं दिया। ऐसे स्थल पर जहां कम स्कोर वाले मुकाबले हो रहे हैं, वहां एक-दो रन काफी मायने रखते हैं।

आईओए का बड़ा फैसला, ओलंपिक जाने वाले पहलवानों को देगा सहयोग, विनेश की मांग भी स्वीकारी

नई दिल्ली

ओलंपिक जाने वाले देश के छह पहलवानों को सहायता देने पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा बयान जारी किया है। बताया जा रहा है कि संघ पहलवानों की मदद करेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट की ट्रेनिंग के लिए और अधिक मदद के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया है।

छह भारतीय पहलवानों में महिला वर्ग में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) तथा पुरुष वर्ग में अमन सहरावत (57 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है।

आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य पहलवानों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। उन्होंने

कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे पहलवानों को सर्वश्रेष्ठ संसाधन की मदद मिले जिससे वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह फैसला हमारी ऐसे माहौल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है जिसमें खिलाड़ी आगे बढ़ सकें।

आईओए और डब्ल्यूएफआई पहलवानों के लिए ओलंपिक तक एक ऐसी सहयोगी टीम बनाने की योजना बना रहे हैं जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, मेंटल कंडिशनिंग कोच और अन्य जरूरी स्टाफ शामिल हों।डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश को पेरिस ओलंपिक की ट्रेनिंग के लिए और सहयोगी स्टाफ मुहैया कराया जायेगा। उन्होंने कहा, ÷हम सुनिश्चित करेंगे कि विनेश और हमारे अन्य सभी पहलवानों को अच्छा प्रदर्शन करने और भारत का तिरंगा ऊंचा रखने के लिए जरूरी सहयोगी स्टाफ मिले।

मेरी आंखों में आंसू थे, पंत को लेकर दिग्गज खिलाड़ी ने किया बड़ा खुलासा

न्यूयॉर्क

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टी20 विश्व कप में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित कर रहे हैं। पंत ने लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी की है। पंत दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिससे उबरने में उन्हें लंबा समय लगा था। अब पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने पंत को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। शास्त्री ने बताया कि जब उन्होंने पंत के दुर्घटना में घायल होने की खबर पढ़ी तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे।

पंत को अस्पताल में देखकर काफी बुरा लगा था

शास्त्री ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, %जब मैंने उसकी कार दुर्घटना के बारे में पढ़ा तो मेरी आंखों में आंसू थे। जब मैंने उसे अस्पताल में देखा तो मुझे और भी खराब लग रहा था। वहां से आपका वापसी करना और भारत बनाम पाकिस्तान जैसे बड़े मैच में शीर्ष स्तर पर वापसी करना शानदार है।% पंत 30 दिसंबर 2022 में हुई इस कार दुर्घटना में बाल बाल बचे और गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एक साल तक रिहैबिलिटेशन के बाद पंत ने इस साल आईपीएल से पेशेवर क्रिकेट में वापसी की। उन्होंने अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप के लिए इस महीने भारतीय टीम में वापसी की।

शास्त्री ने की पंत की सराहना

शास्त्री ने कहा, आप बल्लेबाजी में कितने माहिर हो सभी आपके एक्स फैक्टर से वाकिफ हैं। लेकिन आपकी विकेटकीपिंग और वापसी के बाद इतनी जल्दी मूवमेंट हासिल करना इस बात का सबूत है कि आपने इसके लिए कितनी कड़ी मेहनत की है। यह सिर्फ आपके लिए नहीं बल्कि दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है कि आप कठिन समय से निकलकर जीत हासिल कर सकते हो। बहुत बढ़िया, शानदार। अच्छा काम जारी रखो और आगे बढ़ते रहो। आज सभी बहुत अच्छा खेले।

भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में छह रन से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की थी। पंत ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया था और 31 गेंदों पर छह चौकों की मदद से सर्वाधिक 42 रन बनाए थे।

पत्नी और बेटी के साथ नए घर में शिफ्ट होंगे वरुण

अभिनेता वरुण धवन हाल में हाल में ही पिता बने हैं। उनके घर बेटी के रूप में एक नई मेहमान आई है। बेटी के जन्म के बाद वरुण और नताशा ने घर बदलने का फैसला किया है। बेटी को खेलने के लिए नर्सरी या प्लेरूम जैसी सुविधा मिल सके, इसके लिए वह घर बदलकर दूसरी जगह शिफ्ट हो रहे हैं। उन्होंने बॉलीवुड के इस सुपरस्टार के घर को किराए पर लिया है।

ऋतिक रोशन वाले घर में किराए पर रहेंगे वरुण

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार कपल ने मुंबई के जुहू स्थित बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन का घर किराए पर लिया है। यह समुंदर के सामने वाला अपार्टमेंट है, जिसमें फिलहाल ऋतिक रहते हैं। ऋतिक जल्द ही इस घर से जुहू में ही दूसरे अपार्टमेंट में शिफ्ट होने वाले हैं। ऐसे में ऋतिक वाले अपार्टमेंट में आ जाने के बाद वरुण अभिनेता अक्षय कुमार और निर्माता साजिद नाडियाडवाला के पड़ोसी बन जाएंगे, जो एक ही बिल्डिंग में रहते हैं।

वीडियो साझा कर दी थी पिता बनने की जानकारी

बताते चलें कि वरुण और नताशा की बेटी का जन्म 3 जून को हुआ था। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा कर पिता बनने की जानकारी दी थी। इसमें वरुण का पालतू कुत्ता जॉय को एक प्लेकार्ड पकड़े दिखाई देता है, जिस पर वेलकम लिल सिस लिखा था। वीडियो को साझा करते हुए वरुण ने प्यारा सा कैप्शन भी लिखा था। उन्होने लिखा था, हमारी बेटी यहां है, मां और बच्चे को शुभकामनाएं भेजने के लिए आपका धन्यवाद।

बेबी जॉन में दिखेगा वरुण का एक्शन अवतार

वरुण धवन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण फिलहाल अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन को लेकर व्यस्त हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म का निर्देशन ए कालीस्वरन कर रहे हैं। इसके अलावा वह हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल के भारतीय रूपांतरण में अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु के साथ भी नजर आएंगे। यह रुसो ब्रदर्स की इसी नाम की सीरीज का भारतीय रूपांतरण है। इसके अलावा वह सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में भी काम कर रहे हैं।

वेब सीरीज दलदल में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगी भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर जल्द ही वेब सीरीज दलदल में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने इस सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात की। वेब सीरीज दलदल में भूमि पेडनेकर एक पुलिस अधिकारी की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाएंगी। भूमि पेडनेकर ने अपने किरदार को एक सुपर अचीवर और ग्लास-सीलिंग ब्रेकर के रूप में बताया है, जो पुरुष-प्रधान दुनिया में अपने नियम खुद लिखती है। भूमि पेडनेकर ने कहा, दलदल एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो एक महिला होने के सभी गुणों को समेटे हुए है। रीता एक सुपर अचीवर, एक ग्लास-सीलिंग ब्रेकर और पुरुषों की दुनिया में नियमों को फिर से लिखने वाली महिला है। मैं इस तरह की महिलाओं को अपना आदर्श मानती हूं। मैं प्राइम वीडियो जैसे ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर इस तरह की सीरीज के लिए रोमांचित हूं, जो मुझे दुनिया को भारतीय महिलाओं की ताकत और मजबूती दिखाने में मदद करेगा। भूमि पेडनेकर ने कई कारणों से दलदल को अपने सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक बताया है। एक्ट्रेस ने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि इसमें बिना किसी संदेह के उनकी अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक है।

मनीषा कोइराला ने निजी जीवन के बारे में किया खुलासा

मनीषा कोइराला और संजय लीला भंसाली पहले 1996 में फिल्म खामोशी में काम कर चुके हैं। बतौर निर्देशक यह संजय की पहली फिल्म थी। अब जब संजय ने पहली वेब सीरीज हीरामंडी बनाई तो उसमें भी मनीषा कोइराला ने अहम किरदार निभाया है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि मनीषा ने संजय लीला भंसाली की पहली ओटीटी वेब सीरीज हीरामंडी में दमदार अभिनय किया। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर 1 मई को रिलीज हुई थी। वेब सीरीज हीरामंडी में मनीषा ने मुख्य वेश्या मल्लिकाजान की भूमिका निभाई है। उनका अभिनय दर्शकों को बेहद पसंद आया।

मनीषा ने हाल ही में उस समय के बारे में बताया जब उन्हें कैंसर का पता चला था और उसके बाद उनका जीवन कैसे बदल गया। मनीषा ने कहा, मेरे जीवन में कहीं न कहीं कुछ अधूरी चीजें रही हैं। जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, आप अपनी वास्तविकता को स्वीकार करने लगते हैं। ऐसे बहुत सारे सपने हैं, जिनके बारे में आपको लगता है कि वह कभी पूरे नहीं हो पाएंगे, और आप इसी बात के साथ संतुष्ट हो जाते हो। मातृत्व उनमें से एक है। ओवेरियन कैंसर का होना और कभी मां न बन पाना काफी कठिन था, लेकिन मैंने इसके साथ शांति बना ली। और मैंने कहा जो हो गया सो हो गया और मुझे वो सबकुछ करना चाहिए जिसमें मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर सकती हूं।

हीरामंडी में काम करके बेहद खुश हैं मनीषा

मनीषा ने कहा, वेब सीजी हीरामंडी मेरे जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। 53 साल की अभिनेत्री के रूप में, जिसने एक हाई-प्रोफाइल वेब सीरीज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं ओटीटी प्लेटफॉर्म और बदलते दर्शकों के प्रोफाइल के कारण महत्वहीन भूमिकाएं निभाने में नहीं फंसी हूं। मैं इस विकसित युग का हिस्सा बनने के लिए खुद को भाग्यशाली समझती हूं।

पूजा के कहने पर भट्ट साहब ने कलयुग के बाद मुझे कास्ट नहीं किया

अभिनेत्री स्माइली सूरी इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने ने ओटीटी की दुनिया में वापसी की है। उनके शो हाउस ऑफ लाइज को दर्शक काफी पसंद भी कर रहे हैं। ये उनका पहला ओटीटी शो है। इससे पहले वे कई हिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे अपने करियर और निजी जिंदगी के बारे में बातें करती नजर आईं।

भट्ट साहब ने बेटी की बात सुनीं

स्माइली सूरी काफी लंबे समय के बाद एक बार फिर से अभिनय की दुनिया में लौट आई हैं। फिल्म कलयुग से डेब्यू करने वाली स्माइली सूरी अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहती हैं, मैं कलयुग के बाद भी महेश भट्ट साहब के साथ काम करना चाहती थी। वे भी मेरे साथ काम करने को उत्सुक थे, लेकिन पूजा भट्ट नहीं चाहती थीं कि मैं महेश भट्ट की फिल्मों में काम करूं। यही वजह थी कि कलयुग के बाद भट्ट साहब ने मुझे अपनी फिल्मों में कास्ट नहीं किया। मुझे लगता है कि उन्होंने अपनी बेटी की बात सुनीं।

हॉलिडे से निकाला

स्माइली सूरी अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, पूजा ने मुझे अपनी पहली फिल्म हॉलिडे से बाहर कर दिया था। खैर मुझे इस बात की खुशी है कि उसी वजह से मुझे कलयुग में काम करने का मौका मिला। कलयुग में लोगों को मेरा काम काफी पसंद आया और फिल्म हिट हुई थी। उन दिनों एक अखबार में पूजा मेरे लिए काफी कुछ लिखा करती थीं। मुझे वह सब पढ़कर दुख होता था और मैं सेट पर आने के बाद खुद को कमरे में बंद कर लेती थी। वह वक्त मेरे लिए काफी कठिन था, लेकिन मैंने उस दौरान काफी कुछ सीखा।

बड़े पर्दे पर दुलकर सलमान से भिड़ेंगे शिवकार्तिकेयन?

साउथ सिनेमा की कई बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने के लिए कतार में हैं। अब ऐसी अफवाहें हैं कि तमिल अभिनेता शिवकार्तिकेयन और मलयालम अभिनेता दुलकर सलमान की बॉक्स ऑफिस पर टक्कर होने की संभावना है। दरअसल, दुलकर सलमान की फिल्म लकी भास्कर की रिलीज की तारीख का खुलासा पहले से हो चुका है। यह फिल्म 27 सितंबर को बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। इससे पहले इस फिल्म की टक्कर पवन कल्याण की ओजी से होने की संभावना थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

अमरन से होगी लकी भास्कर की टक्कर

अब यह साफ हो चुका है कि पवन कल्याण की फिल्म ओजी 27 सितंबर को नहीं आ रही है और इसलिए उस तारीख पर अब दुलकर सलमान की फिल्म का कब्जा है। मूल रूप से तेलुगु में शूट की गई यह फिल्म बहुभाषी रिलीज होगी। हालांकि, अब एक नई चर्चा शुरू हो गई है। भले ही पवन कल्याण की फिल्म से दुलकर की फिल्म की टक्कर न हो, लेकिन शिवकार्तिकेयन की बहुप्रतीक्षित देशभक्ति फिल्म अमरन से कड़ी टक्कर मिल सकती है। कॉलीवुड फिल्म जगत में चर्चा है कि शिवकार्तिकेयन की अमरन अलग-अलग भाषाओं में उसी तारीख यानी 27 सितंबर को रिलीज हो रही है। हालांकि, रिलीज की तारीख के बारे में आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

बिग बॉस ओटीटी 3 का हिस्सा बनी सना मकबूल खान

टीवी पर बिग बॉस का राज तो चलता ही है, ओटीटी पर भी इसका डंका बजता है। फैंस बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 का इंतजार कर रहे हैं। इस बार होस्ट सलमान खान नहीं, बल्कि झक्कास अनिल कपूर होंगे। शो 21 जून से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगा। कंटेस्टेंट्स के नाम की चर्चा हो रही है। मेकर्स बड़े-बड़े स्टार्स को अप्रोच कर रहे हैं। अहाना देओल, त्रिशाला दत्त, तनुश्री दत्ता, नुपूर सेनन के अलावा वड़ा-पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित, रियाज अली और शिवांगी जोशी तक के नाम सामने आ रहे हैं। इस लिस्ट में सना मकबूल खान का नाम भी शामिल है, जो तीन साल बाद टीवी पर वापसी कर रही हैं। उन्हें पिछली बार 2019 में रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 11 में देखा गया था। 13 जून 1993 को मुंबई जन्मीं सना 25 साल की हैं। उनकी मां मलयाली हैं। उन्होंने 2014 में तेलुगू मूवी से डेब्यू किया। इसके अलावा वो टीवी शो ईशान- सपनों की आवाज दे (2010) में भी थीं। और इससे एक साल पहले 2009 में वो रिएलिटी शो स्कूटी टीन दीवा में दिखीं। 2012 में फेमिना मिस इंडिया में हिस्सा लिया और ब्युटीफुल स्माइल का अवॉर्ड अपने नाम किया। सना को कितनी मोहब्बत है 2, इस प्यार को क्यां नाम दूं, अर्जुन, आदत से मजबूर और खतरों के खिलाड़ी 11 में देखा जा चुका है। सूत्रों ने बताया - सना और अरमान मलिक को साइन कर लिया गया है। हम कंटेस्टेंट्स से बातचीत कर रहे हैं और उम्मीद है कि कुछ हफ्तों में लिस्ट फाइनल हो जाएगी। ये शो 21 जून से शुरू होगा और 19-20 जून को कंटेस्टेंट्स घर में एंट्री करेंगे। सना ने हाल ही में एक्टर और बिग बॉस 13 के कंटेस्टेंट रहे विशाल आदित्य सिंह के साथ एक छोटा-सा वीडियो शेयर किया है। इसमें मोहब्बत की दिल छू लेने वाली कहानी दिखाई गई है। इसका नाम है परवाह।

अवनीत फिर से हुईं ट्रोल लोग बोले- उर्फी की नकल करना बंद कीजिए

अवनीत कौर अपने करियर से ज्यादा अक्सर अपने लुक्स को लेकर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। हाल ही में अवनीत कौर कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुई थीं। आज अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरों को अपने फैंस के संग साझा किया है। अवनीत कौर के फैंस को उनका यह लुक काफी पसंद आ रहा है वहीं कुछ यूजर्स अवनीत कौर को ट्रोल कर रहे हैं, एक यूजर ने लिखा है, ये बैंडेड पट्टी वाली ड्रेस में फोटो डालना बंद कीजिए। एक अन्य यूजर ने लिखा है, कब तक उर्फी को कॉपी करेंगी।